बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 15 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 352
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

लद्दाख में सुबह-सुबह भूकंप, लोगों में दहशत

लेह। रविवार सुबह लद्दाख की वादियों में धरती हिली तो लोग दहशत में आ गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सुबह 08ः24 बजे आया और रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई। इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

अचानक आए भूकंप के झटकों से लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि पहाड़ी और संवेदनशील क्षेत्रों में मामूली तीव्रता के भूकंप सामान्य होते हैं, लेकिन ये बड़े भूकंप की संभावनाओं को नज़रअंदाज़ न करने की चेतावनी भी माने जाते हैं। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि हालात सामान्य हैं और लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों से बचें और सावधानी बरतें।

भारत में रिलीज नहीं होगी अबीर गुलाल

मुंबइ। पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान फिल्म अबीर गुलाल से बॉलीवुड में कमबैक करने वाले थे, हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद फिल्म को बैन कर दिया गया था। लंबे विवाद के बाद फिल्म 12 सितंबर को भारत के अलावा कई देशों में रिलीज हुई है। दावा किया जा रहा था कि अबीर गुलाल 26 सितंबर को भारत में रिलीज होगी। अब प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने इस दावे को खारिज कर साफ कर दिया है कि ये फिल्म भारत में रिलीज नहीं होगी। पीआईबी के ऑफिशियल एक्स प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा गया है, कई मीडिया आउटलेट द्वारा ये दावा किया जा रहा है कि फवाद खान और वाणी कपूर स्टारर फिल्म अबीर गुलाल 26 सितंबर को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये दावा फर्जी है। फिल्म को किसी तरह का क्लीयरेंस नहीं मिला है।

स्कूल में ड्रग फैक्ट्री का खुलासा

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने शनिवार को एक प्राइवेट स्कूल के अंदर ड्रग्स फैक्ट्री का खुलासा किया। मेधा स्कूल नाम के स्कूल के डायरेक्टर मालेला जया प्रकाश गौड़ सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने स्कूल के क्लास रूम और रस्ट्रिकटेड एरिया को अल्प्राजोलम का प्रोडक्शन फैक्ट्री बना दिया था। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल ताड़ी बनाने में किया जाता है। यह एक नशीला पदार्थ है, जो तेलंगाना में बैन है। पुलिस ने बताया कि बिल्डिंग के सेकेंड फ्लोर पर लगभग छह महीने से फैक्ट्री चल रही थी। ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर क्लास चलती थी। फैक्ट्री में छह दिन ड्रग्स बनती थी।

कांग्रेस पर पीएम मोदी का बड़ा हमला...

घुसपैठियों की रक्षक, राष्ट्रविरोधी ताकतों को संरक्षण देती

गुवाहाटी। असम दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दरांग में कहा कि जब भारत सरकार ने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तब कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, मुझे कितनी भी गालियां दें। लेकिन बेशर्मी के साथ जब किसी और का अपमान होता है, तब मुझसे बिल्कुल भी रहा नहीं जाता है।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए मेरी जनता ही भगवान है। मेरे भगवान के पास जाकर मेरी आत्मा की आवाज वहां नहीं निकलेगी, तब कहां निकलेगी, यही मेरे मालिक हैं, पूजनीय हैं, 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट कंट्रोल हैं। इसके पहले रविवार को उन्होंने दरांग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जीएनएम स्कूल और बीएससी नर्सिंग कॉलेज का उद्घाटन और शिलान्यास किया। जिसकी लागत 6300 करोड़ है।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस घुसपैठियों और राष्ट्रविरोधी ताकतों को संरक्षण देती है। कांग्रेस भारतीय सेना का समर्थन करने के बजाय पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकवादियों का समर्थन करती है।

पीएम मोदी ने कहा, भाजपा का उद्देश्य देश को घुसपैठियों से बचाना और उसकी अखंडता को बहाल करना है। मैं उन राजनेताओं को चुनौती देता हूं, जो घुसपैठियों का बचाव करते हैं कि वे आगे आएं और इस मुद्दे का सामना करें। देश के अंदर घुसपैठियों को पनाह देने वालों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, देश उन्हें माफ़ नहीं करेगा। पीएम मोदी ने असम की जनता को सलाह देकर कहा कि पाकिस्तान का झूठ, कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। आपको कांग्रेस से बचकर रहना है। कांग्रेस घुसपैठियों की हिमायती है। कांग्रेस ने हमारे आस्था के स्थानों पर, गरीबों-आदिवासियों की जमीन पर डाका डाला है।

इस दौरान पीएम मोदी ने सीएम हिमंता की तारीफ कर कहा कि उनके नेतृत्व में असम में अवैध कब्जों को हटाया जा रहा है। घुसपैठियों से जमीन मुक्त कराई जा रही है। आज वहां जमीन वापस ली है। वहां किसानों के लिए परियोजना चल रही है। युवा कृषि सैनिक बनकर खेती कर रहे हैं। पिछली कांग्रेस सरकारों के दौरान किसानों की जमीन और पूजा स्थलों पर अतिक्रमण किए गए थे। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनने के बाद से, हमने उन गलतियों को सुधारना और अवैध दावों को हटाना शुरू कर दिया है। असम में, घुसपैठियों से लाखों एकड़ जमीन वापस ली गई है।

कांग्रेस अपने वोट बैंक के लिए देशहित की अनदेखी करती

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अपने वोट बैंक के लिए देशहित की अनदेखी करती है और आतंकवादियों का समर्थन करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब देश आतंकवाद से पीड़ित था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस आज भी भारत की सेना के बजाय आतंकवादियों का समर्थन करती है और पाकिस्तान के झूठ को अपना एजेंडा बनाती है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठ को बढ़ावा दिया और अब वह चाहती है कि घुसपैठिए भारत में बस जाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए वोट बैंक सबसे महत्वपूर्ण है, देश का हित नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रह्मपुत्र नदी पर पुलों के निर्माण का उदाहरण देकर कांग्रेस के शासनकाल की तुलना अपनी सरकार से की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने 60-65 साल में केवल तीन पुल बनाए, जबकि उनकी सरकार ने एक दशक में छह नए पुल बनाए हैं।

वक्फ बोर्ड से जुड़े तीन बड़े मुद्दों पर कल अंतरिम आदेश सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,। कल यानी सोमवार को सुप्रीम कोर्ट वक्फ बोर्ड से जुड़े तीन बड़े मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुनाएगा। मामला वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 से जुड़ा है। इनमें उन संपत्तियों को डी-नोटिफाई करने की शक्ति भी शामिल है, जिन्हें कोर्ट, 'वक्फ बाय यूजर' या 'वक्फ बाय डीड' के तहत वक्फ घोषित कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने 22 मई को तीन दिन तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट की 15 सितंबर की कॉज लिस्ट में आदेश आने की पुष्टि की गई है।

याचिकाकर्ताओं ने संशोधित कानून की कई धाराओं को चुनौती दी है। पहले मुद्दे में उन संपत्तियों को डी-नोटिफाई करने का अधिकार है, जिन्हें पहले से वक्फ माना गया है। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन संस्थाओं में (पदेन सदस्यों को छोड़कर) केवल मुस्लिम ही शामिल होने चाहिए। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है जिसमें कहा गया है कि यदि कलेक्टर की जांच में संपत्ति सरकारी जमीन पाई जाती है तो उसे वक्फ नहीं माना जाएगा। बता दें कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 अप्रैल को मंजूरी दी थी। लोकसभा में 288 सांसदों ने इसके पक्ष में जबकि 232 ने विरोध में मतदान किया। राज्यसभा में 128 सांसद इसके पक्ष में और 95 खिलाफ रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस संशोधन को ऐतिहासिक और संवैधानिक सिद्धांतों से पूरी तरह अलग बताते हुए कहा कि यह वक्फ संपत्तियों को गैर-न्यायिक प्रक्रिया से कब्जे में लेने का तरीका है। उन्होंने इन तीन धाराओं पर अंतिम सुनवाई तक रोक लगाने की मांग की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार की ओर से कानून का बचाव किया। उन्होंने कहा कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा जरूर है, लेकिन इसे इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं माना जा सकता। सरकार का तर्क है कि यह कानून संवैधानिकता की धारणा के साथ पारित हुआ है और इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

पत्नी ने सैलरी की नहीं दी सही जानकारी, कोर्ट ने भरण-पोषण दावा किया खारिज

नई दिल्ली,। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि पत्नी पति से भरण-पोषण का दावा करती है, लेकिन अपनी नवीनतम सैलरी स्लिप या इनकम की सही जानकारी पेश नहीं करती, तो कोर्ट उसके खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाल सकती है। जस्टिस डॉ. स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने यह टिप्पणी एक मामले की सुनवाई करते हुए की। हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी की वित्तीय कठिनाई साबित किए बिना उसका दावा केवल काल्पनिक माना जाएगा और इस आधार पर उसे भरण-पोषण नहीं दिया जा सकता है। यह मामला उस पुनरीक्षण याचिका से जुड़ा था, जिसमें पत्नी ने फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

फैमिली कोर्ट ने पति को अपनी नाबालिग बेटी का भरण-पोषण देने का आदेश तो दिया था, लेकिन पत्नी को राहत देने से इनकार करते हुए कहा था कि पत्नी ने अपनी वास्तविक आय छिपाई है और हालिया सैलरी सर्टिफिकेट पेश नहीं किया। रिकॉर्ड में मौजूद दिसंबर 2016 की वेतन स्लिप के मुताबिक महिला का वेतन 33,052 रुपए था, जबकि उसने अपनी मौजूदा आय मात्र 10,000 रुपए प्रति माह बताई थी। कोर्ट ने माना कि आय को लेकर अस्पष्टता होने पर भरण-पोषण का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

ईडी जब्त या फ्रीज की गई संपत्ति को अपने पास रखने की बतानी होगी वजह- हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि ईडी जब्त या फ्रीज की गई संपत्ति को अपने पास रखने की मांग करते समय धन शोधन निवारण अधिनियम में दिए गए नियमों को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी व्यक्ति को मनमाने ढंग से संपत्ति रखने से बचाने के लिए प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वदियन शंकर की पीठ ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि इससे पहले कि ईडी किसी संपत्ति को अपने पास रखने की अनुमति मांगे, एक अधिकृत अधिकारी को सबसे पहले एक औपचारिक आदेश पारित करके यह बताना होगा कि 180 दिनों तक संपत्ति को अपने पास रखना क्यों जरूरी है।

कोर्ट ने कहा कि इस अहम कदम के बिना निर्णायक प्राधिकरण कानूनी रूप से यह तय नहीं कर सकता है कि संपत्ति का संबंध मनी लॉन्ड्रिंग से है या नहीं।

निर्णायक प्राधिकरण एक अर्ध-न्यायिक निकाय है, जिसे केंद्र द्वारा पीएमएलए की धारा 6 के तहत नियुक्त किया जाता है। यह तय करने में इसकी अहम भूमिका है कि ईडी द्वारा कुर्क या जब्त की गई संपत्ति मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल है या नहीं, और ऐसी कुर्की की वैधता की पुष्टि करना भी इसी का काम है। यह फैसला ईडी की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें उसने फरवरी 2019 के पीएमएलए अपीलीय न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती दी थी। अपीलीय न्यायाधिकरण ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आरोपी से जुड़ी जब्त या फ्रीज की गई संपत्तियों को अपने पास रखने की ईडी की अर्जी खारिज कर दी थी।

अपीलीय न्यायाधिकरण ने संपत्ति रखने की अनुमति देने वाले निर्णायक प्राधिकरण के आदेश को पलट दिया था। न्यायाधिकरण ने यह निष्कर्ष निकाला था कि जब्त की गई संपत्ति को जिस तरह से रखा गया था, वह पीएमएलए की योजना के अनुरूप नहीं था। हाई कोर्ट में अपनी याचिका में, जांच एजेंसी ने यह दावा किया था कि जब्त या फ्रीज की गई संपत्ति को रखने के लिए औपचारिक आदेश जारी करना कानूनी या प्रक्रिया से जुड़ी कोई जरूरी शर्त नहीं है, ताकि संपत्ति को अपने पास रखा जा सके। ईडी ने आगे यह भी तर्क दिया कि धारा 20 के तहत दिए गए प्रक्रिया से जुड़े नियम केवल निर्देशिका हैं, अनिवार्य नहीं।

हालांकि आरोपी के वकील ने दलील दी कि अधिकृत अधिकारी द्वारा संपत्ति को अपने पास रखने का औपचारिक आदेश यह तय करता है कि निर्णायक प्राधिकरण के पास सभी जरूरी जानकारी हो, इससे पहले कि वह ईडी को मनी लॉन्ड्रिंग में उसकी संलिप्तता की जांच के लिए एक साल तक जब्त की गई संपत्ति को अपने पास रखने की अनुमति दे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकृत ईडी अधिकारी को खोजबीन, जब्ती, या फ्रीज करने के आदेश के 30 दिनों के अंदर निर्णायक प्राधिकरण के सामने आवेदन दाखिल करना होता है, ताकि जब्त या फ्रीज की गई संपत्ति को अपने पास रखने की अनुमति मिल सके।

न्यायमूर्ति शंकर की ओर से लिखे गए इस फैसले में बेंच ने कहा कि वैध आदेश के बिना सीधे आवेदन देना कानूनी जरूरतों को नजरअंदाज करने जैसा होगा।

पूर्वोत्तर में कांपी धरती

रिक्टर स्केल पर 5.8 रही तीव्रता

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई है। असम सरकार के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप रविवार शाम 4.41 बजे आया और इसका केंद्र उदलगुरी जिले में था। भूकंप की गहराई 5 किमी थी। भूकंप के कारण बंगाल से भूटान तक झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण लोग दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकल आए। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है।

मुंबई हवाई अड्डे पर नेपाली और बांग्लादेशी नागरिक फर्जी भारतीय पासपोर्ट पर यात्रा करते पाए गए

मुंबई,। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हाल ही में दो विदेशी नागरिकों को फर्जी भारतीय पासपोर्ट रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से एक बांग्लादेशी, कृष्णा मर्पण तमांग (29) और दूसरा बांग्लादेश निवासी 67 वर्षीय निरंजन नाथ सुबल है। दोनों ने कोलकाता में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट प्राप्त किए थे। इन पासपोर्टों का इस्तेमाल करके उन्होंने विभिन्न देशों की यात्रा भी की थी। पुलिस के अनुसार, निरंजन नाथ शुक्रवार को मस्कट (ओमान की राजधानी) से मुंबई लौटे थे। उनके दस्तावेज गलत पाए जाने पर जब उनसे पूछताछ की गई, तो उन्होंने पासपोर्ट में जालसाजी करने की बात कबूल कर ली। वहीं कृष्णा मर्पण तमांग उसी समय हवाई अड्डे से विदेश यात्रा की तैयारी कर रहे थे और चेक-इन के दौरान उन्हें पकड़ लिया गया। दोनों को सहार पुलिस स्टेशन ले जाया गया और पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़ी धाराओं के अलावा, दोनों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी अदालतों से कहा, सरकारी लापरवाही को अनदेखा नहीं करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सभी अदालतों को नोटिस देकर कहा कि सरकारी लापरवाही को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुकदमों को फाइल करने में अत्यधिक देरी को माफ नहीं करना चाहिए। ऐसा करना अक्षमता को बढ़ावा देना है। जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट को सरकार की लापरवाही को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। अगर सरकार देरी से कोई केस फिर खोलना चाहती है, तब कोर्ट को इसकी इजाजत नहीं देनी चाहिए। इससे एक प्राइवेट व्यक्ति पर हमेशा तलवार लटकी रहेगी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य के हाउसिंग बोर्ड को 11 साल की देरी के बाद जमीन विवाद का केस फिर से खोलने की इजाजत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को न्याय के साथ मजाक बताया। सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट को चेतावनी दी है कि वे सरकार की तरफ से होने वाली अत्यधिक देरी को माफ न करें। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज किया, जिसमें कहा गया कि जनहित के कारण देर की नजरअंदाज किया जा सकता है। बेंच ने कहा कि मामला लोगों से जुड़ावा का है, सिर्फ इसलिए देरी को माफ नहीं किया जा सकता।

एनडीए की सीट शेयरिंग से पहले जीतनराम मांझी की मांग

20 सीट नहीं मिली तो 100 पर लड़ेंगे

पटना। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के अध्यक्ष जीतनराम मांझी ने रविवार को अपने आवास बोधगया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस बार उनकी पार्टी का लक्ष्य किसी भी हाल में मान्यता प्राप्त दल बनना है। इसके लिए आवश्यक है कि पार्टी को कम से कम आठ सीटों पर जीत हासिल हो और कुल मतों का छह प्रतिशत वोट मिले। मांझी का कहना था कि व्यावहारिक तौर पर यह तभी संभव है जब

उन्हें एनडीए गठबंधन में 20 सीटें दी जाएं, क्योंकि सभी सीटों पर जीत संभव नहीं होती।

जीतनराम मांझी ने साफ चेतावनी भी दी कि अगर उनकी पार्टी को सम्मानजनक सीटें नहीं दी गईं तो हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा अकेले ही मैदान में उतरेगी और सौ सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने दावा किया कि हर विधानसभा क्षेत्र में उनके 10-15 हजार वोटर मौजूद हैं और इस आधार पर वे चुनाव में अकेले भी 6 प्रतिशत वोट हासिल कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को बने दस साल हो चुके हैं और अब तक निबंधित पार्टी बने रहना उनके लिए अपमानजनक है। इसलिए इस बार का चुनाव उनके लिए करो या मरो की स्थिति है।

कुछ ना कहना

आरजेडी एमएलसी उर्मिला ठाकुर ने पीएम मोदी को लेकर दिया विवादित बयान, बीजेपी ने किया पलटवार

मुजफ्फरपुर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी ने तेज़ और विवादित मोड़ ले लिया है। मुजफ्फरपुर के कांटी में आयोजित राजद की एक जनसभा में पार्टी की एमएलसी उर्मिला ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादित और तीखी टिप्पणी कर दी। पीएम मोदी को उन्होंने झूठा बताते हुए कहा कि शादीशुदा आदमी होकर झूठ बोलते हैं...।

इससे पहले सभा को संबोधित कर रहीं उर्मिला ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को फकीर बताते हैं, लेकिन महंगे-महंगे कपड़े और अन्य सामान रखते हैं। उन्होंने मोदी पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा, कि शादीशुदा आदमी होकर झूठ बोलते हैं, अरे झूठा प्रधानमंत्री जीज़ चुनाव आयोग के कहने पर ही इन्हें याद आया कि जसोदा बहन उनकी पत्नी हैं। उन्होंने स्मृति ईरानी और कंगना रनौत का नाम भी मंच से जोड़ते हुए पीएम पर तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की कथनी और करनी में भारी फर्क है। जनता को गुमराह कर सत्ता हासिल करने की उनकी आदत है, लेकिन अब बिहार की जनता उनके झांसे में नहीं आएगी। उनके बयान पर सभा स्थल में राजद समर्थक तालियां बजाते रहे, लेकिन इस टिप्पणी ने राजनीतिक हलचल और बढ़ा दी है।

17 सितंबर को राहुल गांधी फोडेगें हाइड्रोजन बम

बनारस लोकसभा सीट और हरियाणा विधानसभा चुनाव की वोट चोरी का खुलेगा राज?

नईदिल्ली । सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 सितंबर को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, हाइड्रोजन बम फोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। इस हाइड्रोजन बम के रूप में राहुल गांधी, हरियाणा विधानसभा के चुनाव तथा बनारस संसदीय क्षेत्र के चुनाव मे जिस तरह की वोट चोरी हुई है। राहुल गांधी उस चोरी को सप्रमाण उजागर करने जा रहे हैं।

जिस तरह की चर्चाएं हैं, उसके अनुसार कहा जा रहा है। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 साल पूर्ण होने पर उनके जन्मदिन पर हाइड्रोजन बम का

धमाका कर प्रधानमंत्री मोदी को सौगात देने की तैयारी कर रहे हैं। भारत और सारी दुनिया का ध्यान राहुल गांधी वोट चोरी पर आकर्षित करना चाहते हैं। इसको लेकर उन्होंने 17 सितंबर की तारीख तय की है।

जिस तरह से हाइड्रोजन बम को लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है। उसके बाद कहा जा रहा है। सरकार की ओर से भी कोई बड़ी कार्यवाही 17 सितंबर के पूर्व राहुल गांधी के खिलाफ हो सकती है। राहुल गांधी जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। वह केंद्र सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में उनके खिलाफ कोई बड़ा कदम सरकार उठा सकती है।

राजधानी दिल्ली में जिस तरह की राजनीतिक सक्रियता देखने को मिल रही है। उसमें कुछ भी हो सकता है। आर पार की इस लड़ाई में सत्ता पक्ष और विपक्ष कोई भी मौका छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। 17 सितंबर को जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 साल का जश्न मनाने जा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाए जाने की तैयारी हो रही है। ऐसी स्थिति में हाइड्रोजन बम चर्चाओं में आ गया है। राहुल गांधी या कांग्रेस की ओर से इसके बारे में कुछ कहा नहीं गया है। सोशल मीडिया में बार-बार इस आशय के समाचार देखने को मिल रहे हैं। 17 सितंबर को राहुल गांधी हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे, बनारस संसदीय क्षेत्र में हुई गड़बड़ी को उजागर करके वह बड़ा धमाका करने जा रहे हैं।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में हिन्दी दिवस का किया गया आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। हिंदी भाषा के संवर्धन व विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहें हैं । इसी क्रम मे सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के नवनिर्मित सभागार में हिंदी दिवस का कार्यक्रम 13 सितंबर 2025 दिन शनिवार को आयोजित किया गया । बालाघाट जिले को साहित्यिक कार्यक्रमों से सुशोभित करने वाले ख्याति प्राप्त कवियों, साहित्यकारों की गरिमामय उपस्थिति में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में बताया गया कि भाषा वह माध्यम हैं जिससे वक्ता अपने भावों, विचारों को श्रोता तक प्रेषित करता हैं । हिंदी केवल हमारी राष्ट्र भाषा ही नहीं, बल्कि यह हमारी पहचान, शान और सम्मान का प्रतीक है। आज का दिन हमारे लिए बेहद ही खास है, क्योंकि यह दिन हमें अपनी भाषा के महत्व को जानने व समझने और अपनी विरासत को याद करने का अवसर देती है। 14 सितंबर को ही भारत में हिंदी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है ? 14 सितंबर का दिन हर भारतवासी के लिए गर्व का दिन है। यह पूरे देश को एक रखने वाली भाषा हिंदी का दिन है। इसी दिन इस भाषा को 14 सितंबर 1949 को संवैधानिक राज भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ और 14 सितंबर 1953 से अनवरत इस दिवस को आज पर्यंत हिंदी दिवस के रुप में मनाया जाता रहा हैं । सांस्कृतिक विविधताओं से भरे देश भारत में हिंदी दिवस के दिन की अहमियत बहुत ज्यादा है। कोई भी हिन्दुस्तानी जहां भी हो, दूसरे देशों से भी हिंदुस्तानी से हिंदी भाषा के जरिए ही अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करता है। जिसमे मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ.सतीश चिले – सेवानिवृत्त प्राचार्य महाविद्यालय सिवनी, विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र शुक्ल–सहज,अमर सिंह ठाकुर, चंद्र शेखर डोंगरे, मोहन आचार्य, श्रीमती अलका चौधरी,श्री साहेबलाल दशरिये,श्री अशोक सागर मिश्र मुख्य रुप से उपस्थित रहें । सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने विद्या की देवी मां सरस्वती का पूजन–अर्चन किया तत्पश्चात सभी उपस्थित अतिथियों का संस्था प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले व हिंदी शिक्षकों के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया । कार्यक्रम में साहित्यकारो ने प्रभाव पूर्ण,ओजपूर्ण काव्यपाठ से सांदीपनि विद्यालय के सभागार में उपस्थित छात्रों व शिक्षकों का मनमोह लिया । सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के सभागार में प्रथम बार हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रवाहित काव्यधारा में विद्यालय की कु.साक्षी राहंगडाले, कु.गोल्डी पारधी व कु.आर्या खांडीलकर ने प्रभावशाली काव्यपाठ कर सभी अतिथियों, छात्र–छात्राओं व शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया ।काव्यपाठ की प्रस्तुति पर कु.साक्षी राहंगडाले–प्रथम, कु.गोल्डी पारधी–द्वितीय तथा कु.आर्या खांडिलकर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। छात्राओं को संस्था प्राचार्य व अतिथियों के हस्ते प्रशस्ति– पत्र प्रदान किया गया । कार्यक्रम में श्रीमती इंदु भगत, श्रीमती सुनीता बंसोड़, श्रीमती सोफिया दिवान,श्रीमती यातना अमुले व अन्य शिक्षक उपस्थित रहें । हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का सफल मंच संचालन राजेंद्र शुक्ल – सहज व मनोज कुमार रावते (उ.मा.शि. हिंदी) एवं देवेंद्र फरकुंडे (मा.शि.) ने किया ।कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों का आभार प्रदर्शन कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

शिक्षक दिवस पर हुआ सम्मान शासकीय विद्यालय महारानी लक्ष्मी बाई के शिक्षकों का

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । इनर व्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल बालाघाट में शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का तिलक एवं उपहार देकर सम्मान किया गया । इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉक्टर मनोज कुमार जैन ने विचार रखते हुए कहां शिक्षक हमारे समाज के स्तंभ है वह हमारे जीवन में सही दिशा देने वाले दीपक की तरह है जो स्वयं जलकर अज्ञान का अंधकार दूर करते हैं शिक्षक हमें केवल पढ़ाई नहीं सिखाते बल्कि अनुशासन ईमानदारी कर्तव्य और मानवता जैसे मूल्यों को भी सिखाते

हैं । इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष राधिका असाटी ने कहा आज के आधुनिक युग में जहां तकनीक और ज्ञान के अनेक साधन उपलब्ध हैं वहां भी शिक्षक का महत्व सबसे बड़ा है क्योंकि ज्ञान को सही दिशा देना चरित्र का निर्माण करना और अच्छा इंसान बनाना केवल शिक्षक ही कर सकता है। जिला योग आयोग अध्यक्ष तपेश असाटी ने कहा हमारे जीवन के शिक्षक पथ प्रदर्शक होते हैं वह हमें केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं जैसे दीपक स्वयं जलकर अंधकार को दूर करता है वैसे ही शिक्षक अपना समय और ऊर्जा लगाकर हमारे भविष्य को उज्जवल बनाते हैं। उनकी मेहनत मार्गदर्शन और प्रेरणा के बिना हम सफलता की ओर अग्रसर नहीं हो सकते। कार्यक्रम में संस्था की छात्राओं ने संस्था के सम्मान में स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की एवं शिक्षकों की महत्वता दर्शाने वाला गीत गुरुओं का सम्मान कभी ना भूले हम , प्रस्तुत किया इस अवसर पर इनर व्हील क्लब आफ बालाघाट टाइग्रेस ने सभी शिक्षकों व शिक्षिकाओं को गिफ्ट प्रदान किया जिसमें प्रमुख रूप से संस्था की अध्यक्षा श्रीमती राधिका सचिव सोनल गांधी रश्मि बिसेन मनीषा छुटटानी रिया पसरिचा पूजा अग्रवाल माधुरी अग्रवाल राधिका सरोदे रोशनी सचदेव सारिका शांडिल्य मिस्टी सोमानी रेखा बानोदिया सौम्या बेदी रानी धनवानी की कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

हिंदी दिवस पर राजभाषा हिंदी पखवाड़े का हुआ शुभारंभ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मेरा युवा भारत (माय भारत) (युवा कार्यक्रम एवम खेल मंत्रालय भारत सरकार) बालाघाट के तत्वावधान तथा इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान बालाघाट के स्थानीय सहयोग से पुरातत्व संग्रहालय परिसर बालाघाट में 14 सितंबर को राजभाषा हिंदी पखवाड़े का समारोह पूर्वक शुभारंभ किया गया। भगवान गणेश की मूर्ति पर दीप प्रचलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । साहित्यकार डॉक्टर वीरेंद्र सिंह गहरवार के मुख्य आतिथ्य श्री सुभाष गुप्ता की वरिष्ठ समाजसेवी अध्यक्षता, श्री नेमा, श्री बिल्थरे, श्री पटले,श्रीमती सुषमा नाविक आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । अतिथियों का स्वागत उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए साथ ही हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए अपनी बात रखी । उपस्थित कवियों ने अपना काव्य पाठ किया जिसमें प्रमुख रूप से डॉक्टर वीरेन्द्र सिंह गहरवार, श्री बिल्थरे जी, श्रीमती सुषमा नाविक, सी आर जंघेला,कुमारी मेघा डहरवाल ने काव्य पाठ किया एवं उद्बोधन सुभाष गुप्ता,श्री नेमा सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रश्न मंच का भी आयोजन किया गया जिन्हें मेरा युवा भारत बालाघाट के द्वारा मेडल प्रदान किया गया प्रतिभागियों के द्वारा हिंदी को सशक्त बनाने के लिए विचार व्यक्त किए गए विशेष रूप से यह बात सामने आई कि दिल्ली में स्थित इंडिया गेट का नाम बदलकर के भारत का दरवाजा एवं मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया का नाम बदलकर के भारत प्रवेश द्वार किए जाने हेतु अपनी बात रखी । कार्यक्रम का आभार व्यक्त एवं सफलतापूर्वक संचालन श्री राम मेरावी जनजाति युवा नेता द्वारा किया गया और पुरातत्व शोध संस्थान के विशेष सहयोगी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनिट का मौन धारण कर श्रृद्धांजली दी गई । इस अवसर पर प्रतिभागियों को पुरातत्व संग्रहालय परिसर भ्रमण कराया गया ।

बैहर अनुभाग के वनखंडो से किसी भी परिवार का विस्थापन नहीं किया जा रहा है

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा है कि उत्तर वनमंडल के अंतर्गत बैहर राजस्व अनुभाग के किसी भी वनखंड से किसी भी परिवार का विस्थापन नहीं किया जा रहा है। अत: उत्तर वनमंडल के वनखंडो के ग्रामीण इस संबंध में चल रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और भ्रमित न हों। वनखंड के किसी भी परिवार का विस्थापन नहीं किया जा रहा है। जिला प्रशासन वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वन भूमि पर काबिज जनजातीय वर्ग के पात्र लोगों को व्यक्तिगत और सामुदायिक पट्टों का वितरण कर रहा है। वनपट्टा धारक किसानों को कृषि विभाग की ओर अनुदान पर बीज एवं कृषि यंत्र भी प्रदाय किए गए हैं। वनपट्टा धारकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है और वन क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं। अत: उत्तर वनमंडल के 55 वनखंडों में वन व्यवस्थापन किए जाने संबंधी अफवाहों और भ्रामक प्रचार के प्रति सतर्क और सावधान रहें और गलत सूचनाओं पर विश्वास ना करें।

कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव में कृषक संगोष्ठी एवं पशु चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। दिनांक 14 सितंबर 2025 को स्वर्गीय राणा हनुमान सिंह जी की जयंती पर कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एन.डी.पुरी के मार्गदर्शन में पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर कृषक संगोष्ठी भी आयोजित की गई, जिसमें 220 पशुपालकों को लाभान्वित किया गया । कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव में आयोजित इस शिविर में 72 पशुओं का उपचार किया गया तथा 600 पशुओं का टीकाकरण किया गया । शिविर में 6 मादा पशुओं का गर्भ परीक्षण कर जांच की गई एवं 7 बांझ पशुओं का उपचार किया गया तथा 136 पशुओं के लिए औषधि वितरण किया गया। शिविर में पशु चिकित्सक ड.आर. एस नगपुरे द्वारा कृषि संगोष्ठी में किसानों को पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में डॉक्टर दामेंद्र कुमार गौतम, डॉक्टर अरविंद नागेश्वर , डॉक्टर श्वेता मानकर, एलएन उके, अजय पांचे, आर एल हरदे एवीएफओ, मैत्री एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विकासखंड किरनापुर के उपस्थित रहे ।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ एनडी पुरी ने बगदेही गौशाला का किया निरीक्षण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एन.डी. पुरी ने 13 सितंबर को लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम बगदेही की गोशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला में पशुओं के रखरखाव, पशुओं की स्थिति एवं देखभाल संबंधी व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। निरीक्षण में पाया गया कि गौशाला में कुल 98 गोवंशीय पशु सुरक्षित एवं स्वस्थ अवस्था में मौजूद हैं। गौशाला का संचालन करने वाले समूह सदस्यों ने बताया कि एक गाय ने मादा बछिया को जन्म दिया है। मौके पर किसी भी पशु की मृत्यु दर्ज नहीं पाई गई। डॉ. पुरी ने गोशाला समिति के सदस्यों को पशुपोषण, स्वच्छता एवं रोगों से बचाव संबंधी जानकारी दी। उन्होंने समूह सदस्यों से कहा कि मादा पशुओं में सेक्स सार्टेज सीमेन से ही कृत्रिम गर्भाधान कराने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही उन्होंने मृत पशुओं के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निस्तारण की विधियों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. राकेश शील(व्ही.एस.), हेमचंद पटले (ए.आर.एफ.ओ.), मूलचंद उसके (सुपरवाइज़र) एवं प्यारेलाल ठाकरे (कर्मचारी) भी उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 1178 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में 01 जून से 14 सितंबर 2025 तक 1178 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 1161 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है। 14 सितंबर को प्रात- 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान जिले में 11 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। कार्यालय अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 सितंबर को प्रात: 8-00 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 01 मिलीमीटर, वारासिवनी में 13 मिलीमीटर, बैहर में 80 मिलीमीटर, लांजी में 00 मिलीमीटर, कटंगी में 00 मिलीमीटर, किरनापुर में 00 मिलीमीटर, खैरलांजी में 01 मिलीमीटर, लालबर्रा में 17 मिलीमीटर, बिरसा में 00 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 05 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 00 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 11 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 14 सितंबर 2025 तक बालाघाट तहसील में 1426 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1461 मिलीमीटर, बैहर में 1466 मिलीमीटर, लांजी में 805 मिलीमीटर, कटंगी में 1041 मिलीमीटर, किरनापुर में 1220 मिलीमीटर, खैरलांजी में 496 मिलीमीटर, लालबर्रा में 1316 मिलीमीटर, बिरसा में 990 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 1544 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 1197 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है । इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 1178 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। चालू वर्षा सत्र में जिले में सबसे अधिक 1544 मिलीमीटर वर्षा परसवाड़ा तहसील में और सबसे कम 496 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में बालाघाट तहसील में 1240 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1290 मिलीमीटर, बैहर में 1659 मिलीमीटर, लांजी में 1021 मिलीमीटर, कटंगी में 937 मिलीमीटर, किरनापुर में 1226 मिलीमीटर, खैरलांजी में 621 मिलीमीटर, लालबर्रा में 1182 मिलीमीटर, बिरसा में 1027 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 1614 मिलीमीटर और तिरोड़ी तहसील में 942 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी।

रिटायर्ड भेल कर्मी को दो माह तक डिजिटल अरेस्ट कर 68 लाख की ठगी का मामला

भोपाल। रिटायर्ड भेल कर्मी विनोद कुमार गुप्ता को डिजिटल अरेस्ट कर 68 लाख रुपए की ठगी के मामले में सायबर क्राइम पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुरुआती छानबीन में सामने आया है की शातिर ठगोरो ने 10 खातों में पीड़ित से महाराष्ट्र, दिल्ली, केरल व पश्चिम बंगाल के बैंक खातो में ऑनलाइन रकम जमा करवाई थी। आरोपियों ने 3 सिम से वाट्सएप ऑडियो कॉल किए थे। इसमें एक सिम वर्चुअल है, और एक सिम नॉर्थ ईस्ट की है। पुलिस ने बैंकों से खातों की जानकारी मांगी है। यह खाते किसके नाम पर हैं। वहीं एक वर्चुअल नंबर के लिए वाट्सएप कंपनी से सपंर्क करने किया गया है। और नॉर्थ ईस्ट वाली सिम की सीडीआर के लिए ईमेल किया है। अधिकारियो ने बताया की एफ सेक्टर अयोध्या नगर निवासी विनोद कुमार गुप्ता भेल से सुपरवाइजर के पद से रिटायर्ड हैं। बीती 4 जुलाई को उनके पास सीबीआई अफसर बनकर जालसाज का वाट्सएप ऑडियो कॉल आया था। जालसाजों ने मनी लॉड्रिंग क डर दिखाकर 69 दिनों तक उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया। इस दौरान उनसे 68 लाख रुपए जमा करवा लिए। जालसाजो की झांसे और उनकी धमकियों से डरे विनोद ने इसकी जानकारी किसी को नहीं दी थी। बाद में जब विदेश में रह रहा उनका बेटा उनसे मिलने आया तब मामले का खुलासा हुआ।

अपनी मातृभाषा के आधार पर, विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा भारत –उच्च शिक्षा मंत्री परमार

भोपाल। विश्व भर में अनेकों देश अपनी स्वंतत्रता के बाद, अपनी मातृभाषा के आधार पर विश्वमंच पर आगे बढ़ रहे हैं। हमें भी हीन भावना से मुक्त होकर स्वाभिमान के साथ, अपनी मातृभाषा के आधार पर विश्वमंच पर सिरमौर बनने की ओर अग्रसर होने की आवश्यकता है। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 ने मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा अध्यापन का महत्वपूर्ण अवसर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन हो रहे हैं। भारतीय शिक्षा पद्धति, ज्ञान आधारित शिक्षा पद्धति रही है, रटने की नहीं। हम, भारतीय दर्शन के अनुरूप ज्ञान आधारित शिक्षा देकर श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करने की दिशा में सतत् क्रियाशील हैं। भारत वेश भूषा एवं भाषाओं की विविधताओं से परिपूर्ण देश है। हमारे पूर्वजों ने सांस्कृतिक व्यवस्था स्थापित करते हुए देश की एकात्मता को मजबूत किया, इसमें भाषाएं बाध्यता नहीं बनी। भाषाएं जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। भारत की सभी भाषाएं, भारत की अपनी भाषाएं हैं। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार रविवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन के अंजनी सभागार में आयोजित दो दिवसीय भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान (सभ्यता, संस्कृति और अस्मिता का सूत्र) विमर्श कार्यक्रम का शुभारम्भ कर संबोधित कर रहे थे। श्री परमार ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने एकात्मता के लिए भाषाई सौहार्दता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय भाषाओं की महत्ता के आलोक में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमने विद्यार्थियों को भारत की सभी भारतीय भाषाओं को सिखाने के लिए संकल्प लिया है, प्रत्येक विश्वविद्यालय आवंटित भारतीय भाषाएं सिखाएंगे, इससे विद्यार्थियों को अन्य राज्यों में रोजगार के अवसर प्राप्त होने पर संवाद में एकरूपता में सहजता होगी। हिंदी भाषी मध्यप्रदेश से, देश भर में भाषाई एकात्मता का संदेश जाएगा। श्री परमार ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी भाषा में दिए उद्बोधन का उल्लेख करते हुए, सभी से अपनी मातृभाषा में विचार व्यक्त करने का आह्वान किया। श्री परमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हिंदी में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की पढ़ाई शुरू करने से विद्यार्थियों को स्वेच्छा एवं सुविधानुसार भाषा चयन का विकल्प दिया गया है। प्रदेश में यूनानी चिकित्सा पद्धति की पढ़ाई भी हिंदी भाषा में कराई जाएगी, इससे हिंदी भाषी विद्यार्थियों को इस आयुष विधा को पढ़ने का अवसर मिल सकेगा। श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़े विविध विषयों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय पुरातन ज्ञान के आलोक में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मातृभाषा एवं भारतीय भाषाओं के आधार पर, विश्वमंच पर भारत पुन: विश्वगुरु बनेगा। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत, विश्व का सबसे समृद्ध एवं विकसित देश होगा। वसुधैव कुटुंबकम् के दृष्टिकोण के साथ भारत विश्वमंच पर पुन: आगे बढ़ रहा है, कोविड के संकटकाल में लोककल्याण भाव से, अन्य देशों को वैक्सीन उपलब्ध करवाना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। श्री परमार ने कहा कि मातृभाषा को सर्वोच्च स्थान पर लाने के लिए गर्व के भाव के साथ व्यवहार में लाना होगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में भारतीय भाषाओं से जुड़े विविध विषयों पर विस्तृत विचार मंथन होगा और इस वैचारिक महाकुंभ से निकलने वाला अमृत भारत की भाषाई सौहार्दता में अपनी भूमिका सुनिश्चित करेगा। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने रवीन्द्र भवन परिसर में, देश में विगत 100 वर्षों घटित प्रमुख घटनाओं पर विभिन्न समाचार पत्रों में तत्समय प्रकाशित समाचारों के संकलन पर आधारित प्रदर्शनी सदी साक्षी है - 100 साल, 100 सुर्खियां कलम के सिपाही का अवलोकन भी किया। श्री परमार ने कहा कि इस प्रदर्शनी को विश्वविद्यालयों में भी स्थापित करेंगे, इससे विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास से अवगत होने का अवसर मिलेगा। गुजरात साहित्य अकादमी अहमदाबाद के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री विष्णु पंड्या ने कहा कि भाषा, अभिव्यक्ति के माध्यम से परे एक कीर्तिमान शिखर है। यह प्रभाव तक ही सीमित नहीं है, भाषा बहती धारा है। हिंदी भाषा की भी इस प्रवाह में रूपांतर यात्रा है। हिंदी भाषा की अलग–अलग जगह यात्रा जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हिंदी के गौरव को प्रतिष्ठापित करने के लिए व्यापक चिंतन आवश्यक है। श्री पंड्या ने कहा कि भाषा, व्यवहार की पगडंडी से परमात्मा तक पहुंचने का माध्यम है। श्री पंड्या ने हिंदी भाषा एवं भारतीय भाषाओं को लेकर राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश, देश भर में सभी प्रदेशों के लिए आदर्श रूप में अभिप्रेरणा बन रहा है।

नगरीय निकायों में फेस रिकॉग्निशन अटेंडेंट सिस्टम लागू होगा बायोमैट्रिक अटेंडेंस को टाटा बाय-बाय

भोपाल। 1 दिसंबर 2025 से मध्य प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों में फेस रिकॉग्निशन अटेंडेंट सिस्टम लागू किया जा रहा है। वर्तमान में 124 नगरीय निकायों के 11600 से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों को एआई बेस्ड सिस्टम से जोड़ा जा चुका है। राजधानी के संचालनालय के 500 कर्मचारियों को इस व्यवस्था से जोड़ा जा चुका है। इन सभी की फेस रिकॉग्निशन अटेंडेंस ली जा रही है। 1 दिसंबर से सभी 413 नगरीय निकायों के अधिकारी और कर्मचारियों की अटेंडेंस, फेस सिस्टम से होगी। अभी तक अटेंडेंस बायोमैट्रिक तरीके से होती थी। 1 दिसंबर से नवीन व्यवस्था संपूर्ण प्रदेश में लागू हो जाएगी। नगरी निकायों में लगभग 90000 संविदा कर्मचारी काम करते हैं। लगभग 55000 कर्मचारी नियमित हैं। संविदा कर्मियों की हाजिरी अभी ठेकेदार भेजता है। जिसके कारण लगातार गड़बड़ी की शिकायतें मिलती रहती हैं। 10 से 15 फ़ीसदी कर्मचारी कागजों में दर्ज होते हैं। इन शिकायतों को दूर करने के लिए बायोमैट्रिक अटेंडेंस सिस्टम शुरू किया गया था। ठेकेदारों और कर्मचारियों ने इसमें भी गड़बड़ झाला करना शुरू कर दिया था। नगरीय निकाय विभाग ने अब नया सिस्टम लागू किया है। एआई सिस्टम के माध्यम से चेहरे को रिकॉग्नाइज करके अटेंडेंस ली जाएगी। इसमें गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं होगी। इस नवीन व्यवस्था को ई नगर पालिका 2.0 पोर्टल से लिंक किया गया है। कर्मचारियों का वेतन भी इसी उपस्थिति के आधार पर तैयार होगा। नगरीय प्रशासन के कमिश्नर संकेत एस भोंडसे ने कहा है। इससे नगरीय निकायों की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। पारिदर्शिता बढ़ेगी। आर्थिक गड़बड़ियों पर नियंत्रण किया जा सकेगा।

आवश्यकता है

वारासिवनी स्थित क्लिनिक एवं दवा दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है।

पद-3
वेतनमान योग्यतानुसार

सम्पर्क करें-
9893833533,
424019660

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) साल्हे ला. पं. क्र. ५००

क्रमांक / आमसभा/२०२५ दिनांक – ०१.०९.२०२५

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स), साल्हे ला. पं.क्र. ५०० के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १६.०९.२०२५ दिन मंगलवार को समय १ बजे दिन से संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट – यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभी की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट कीजिए।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मण्डल द्वारा आगामी वर्ष २०२६–२७ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
३. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२४–२०२५ के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
४. आगामी सहकारी वर्ष २०२६–२०२७ के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
५. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
६. वर्ष २०२४–२०२५ का पूरक बजट की स्वीकृति बाबद्।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
८. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
९. किसी अन्य विषय पर जो उपविधि के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

डी.के. लिल्हारे — संस्था प्रबंधक
आर.के. दुबे — प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स)
साल्हे ला. पं. क्र. ५००

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ऑटो चालक की संदिग्ध अवस्था मे मौत

सरेखा बायपास के पास मिला मोहगांव के सुनील का शव, अज्ञात वाहन की ठोस से मौत होने की जताई जा रही आशंका, मामले की जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बीती रात नगर के सरेखा बायपास के समीप ऑटो चालक की संदिग्ध अवस्था मे मौत हो गई।जिसकी पहचान उनके रिश्तेदारों द्वारा लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहगांव (धपेरा) निवासी 45 वर्षीय सुनील पिता पतिराम बरैया के रूप में की गई है।जिसके सिर पर चोट के निशान थे। संभावना व्यक्त की जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन की ठोस से सुनील की मौत हुई होंगी। फिलहाल मामला संदेहास्पद प्रतित हो रहा है।जिसकी जांच कोतवाली पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

ऑटो सुधरवाने बालाघाट बायपास आया था सुनील

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहगांव धपेरा निवासी सुनील बरैया ऑटो चालक है।जो ऑटो खराब होने पर उसे सुधरवाने के लिए बालाघाट बायपास रोड स्थित अरबाज मिस्त्री के गेराज में आया था। जानकारी के अनुसार ऑटो सुधरवाने में उसे रात हो गई।जिसपर रात करीब 10:30 से 11 के बीच उसने अपने चचेरे भाई राजेश बरैया को फोन कर उसे बालाघाट आकर उसे घर लेकर जाने के लिए कहा था।लेकिन चचेरे भाई ने रात अधिक होने की बात कहते हुए उसे कोसमी निवासी अपने रिश्तेदार प्रकाश बिंझाड़े के घर में जाने के लिए कहा, जिस पर सुनील ने अपने रिश्तेदार प्रकाश बिंझाड़े को फोन कर उसे लेने आने के लिए कहा था और वह कोसमी की तरफ पैदल जा रहा था। बताया गया कि जब रिश्तेदार प्रकाश बिंझाड़े बायपास रोड राजा बैटरी के सामने पहुंचा तो वहां पर सुनील का शव संदिग्ध हालत में पड़ा हुआ था। जिसकी सूचना उसने तुरंत डायल 112 में दी, वहीं मामले से उनके परिजनों को अवगत कराया। जिसकी अज्ञात वाहन की ठोस से मौत होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने सीपीआर देने का किया था प्रयास, पर हो चुकी थी मौत

उधर रात्रि में कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि सरेखा बायपास में एक शव पड़ा है। जिसके बाद एएसआई राजू दाहिया, पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां सुनील बरैया गिरा पड़ा था। पुलिस जवान ने उसे सीपीआर देने का प्रयास भी किया लेकिन उसकी मौत हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने शव बरामद कर, उसे जिला अस्पताल लाया। जहां शव को सुरक्षित मर्चुरी में रखवा दिया था। सुबह परिजनो के आने के बाद, पुलिस ने शव पंचनामा कार्यवाही कर पीएम कराया गया।

रिस्तेदार को किया था फोन, मृतक का मोबाईल गायब

हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि किस वाहन की ठोस से सुनील की मौत हुई है लेकिन सड़क के बीच में खून नजर आने और शव सड़क के किनारे पड़े होने से मामला संदिग्ध लग रहा है।बताया गया कि घटना के बाद से मृतक का मोबाईल भी गायब है।जिससे यह मामला संदेहास्पद प्रतित हो रहा है।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर हादसे की दूसरे दिन रविवार की सुबह मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर,अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की गई। तो वही मर्ग कायम कर परिजनों की उपस्थिति में शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही कोतवाली पुलिस द्वारा इस संदेहास्पद मामले की जाँच शुरू कर दी गई है।

मौत किस वजह से हुई इसकी जानकारी नहीं है- बिंझाड़े

मृतक के रिश्तेदार प्रकाश बिंझाड़े ने बताया कि सुनील तीन भाई है, दो भाई, बाहर कमाने-खाने गए है, जबकि यह माता-पिता, पत्नी तथा तीन बच्चों का इकलौत पालनहार था। जो अपने ऑटो को बैहर रोड के अरबॉज मिस्त्री के गैरेज में छोड़कर कोसमी पैदल आ रहा था। जिसे जब मैं, लेने जा रहा था।तभी उसका शव सरेखा बायपास के किनारे मिला। उसकी मौत कैसे हुई यह स्पष्ट नहीं है लेकिन हमें लग रहा है कि किसी अज्ञात वाहन चालक ने उसे ठोस मार दी होगी जिससे उसकी मौत हुई होगी।

कुएं में गिरने से बुजुर्ग किसान की मौत

हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम खोड़सिवनी का मामला, मामले की जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । सुबह के वक्त टहलने गए एक बुजुर्ग किसान की, खेत के कुएं में गिरने से मौत हो गई। मामला हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोड़सिवनी का है। जहां खेत के कुए में गिरकर पानी में डूबने से मृत हुए बुजुर्ग का नाम ग्राम खोड़सिवनी निवासी 75 वर्षीय शिवलाल पिता फकीर पाँचे बताया गया है। जिसके शव का रविवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही हट्टा पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कुएं के पास पड़ी लाठी और गमछे को देख, खाली कराया गया कुआं, तो दिखी लाश

प्राप्त जानकारी के अनुसार खोड़सिवनी निवासी शिवलाल पाँचे खेती किसानी का काम करते थे। बताया गया कि शिवलाल पाँचे रोजाना सुबह के वक्त टहलने के लिए जाते थे,जो 10 बजे के आसपास घर वापस आ जाते थे। जानकारी के मुताबिक आए दिनों की तरह शनिवार की सुबह भी वह अपने घर से, खेत की तरफ लाठी और गमछा लेकर घूमने के लिए निकले थे ।लेकिन दोपहर तक घर लौटकर वापस नहीं आए। जिनकी चिंता होने पर परिजनों ने उनकी आस पड़ोस ,मोहल्ले और गांव में खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं कुछ पता नहीं चल सका। बताया गया कि दोपहर करीब 1 बजे के दरमियान किसी व्यक्ति ने उनके परिजनों को जानकारी दी की शिवलाल पाँचे की लाठी और गमछा खेत स्थित कुएं के पास पड़ा हुआ है। लेकिन वह कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं ।इसपर कुएं में गिरने का शक होने पर परिजनों ने मामले की सूचना हट्टा थाना पुलिस को दी। जहां परिजनों से मिली सूचना पर हट्टा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पानी की मोटर लगाकर कुआं खाली कराया और उक्त कुएं से बुजुर्ग का शव बरामद किया है।

03 मोटर लगाकर खाली कराया गया कुआं, तब मिला शव

बताया जा रहा है कि परिजनों की सूचना पर शक के आधार पर हट्टा थाना पुलिस किसान के खेत पहुची ।जहा पानी से भरे हुए कुएं को खाली करने के लिए 03 मोटर लगवाई गई ।जहा करीब 4बजे तक पानी खाली करने के बाद शिवलाल का शव उन्हें कुएं के भीतर पानी में दिखाई दिया। इसके उपरांत घर से चारपाई खाट मंगाकर शिवलाल का शव शाम करीब 6 बजे कुए से बाहर निकाला गया।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर कुए से बुजुर्ग का शव मिलने पर पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर, पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरीकर शव अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां रात अधिक होने के चलते शव को मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया गया ।जिसके अगले दिन रविवार की सुबह पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है ।तो वही हट्टा पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मैथोडिस्ट चर्च में, मेडिकल संडे पर लगाया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मानव सेवा क्षेत्र से जुड़े चिकित्सकों व नर्सों का किया गया सम्मान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । मानव सेवा की भावना को ध्यान में रखते हुए पूरे भारत देश में मैथोडिस्ट चर्च द्वारा वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाता है। जिसके मुताबिक प्रत्येक मैथोडिस्ट चर्च में समय-समय पर मानव सेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। इसी कड़ी में मैथोडिस्ट चर्च के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार जिला मुख्यालय बस स्टैंड स्थित मैथोडिस्ट चर्च परिसर में 14 सितंबर दिन रविवार को की गई विशेष आराधना के बाद, मेडिकल संडे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मेडिकल संडे के रूप में आयोजित इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित जनों एवं मैथोडिस्ट चर्च के पदाधिकारियो द्वारा मेडिकल कैंप में उपस्थित समाज के चिकित्सको , नर्सो और उनके अन्य सहयोगियों का पुष्पगुच्छ और शाल भेंट कर सम्मानित गया। तो वही इस स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित जनों के निःशुल्क स्वास्थ्य का परीक्षण कर ,उन्हें निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। इस दौरान किरनापुर शासकीय अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. विभोर सेंटिन सेमबेल, जिला अस्पताल चिकित्सक डॉ. एसके रॉबिन, और डॉ. एन आर रॉबिन सहित नर्सिंग सेवाओं में अपना योगदान देने वाली नर्से व अन्य सहयोगी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जहां कार्यक्रम के अंत में भोजन वितरण कर, मेडिकल संडे कार्यक्रम का समापन किया गया।

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल की कार्यकारिणी का हुआ गठन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। राजस्थानी धर्म संस्कृति को संजाए रखने व सामाजिक समरसता व एकजुटता बनाये रखने की मंशा से सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल का गठन किया गया । रविवार को शहर के मेन रोड़ स्थित निजी होटल में सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल की बैठक आयोजित कर कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें महिला मंडल की जिलाध्यक्ष श्रीमती ज्योति जुगल शर्मा, सचिव श्रीमती पूजा महावीर शर्मा, सहसचिव श्रीमती पूनम शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण सोनी, सह कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना शर्मा को मनोनीत किया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, संरक्षक मंडल, सलाहकार समिति, समाज प्रभारी, सांस्कृतिक प्रभारी व कार्यकारिणी सदस्य सहित आधा सैकड़ा लोगों को शामिल किया गया है। इस दौरान आगामी कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। सभी संगठन के पदाधिकारियों से एकजुटता के साथ सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर संगठन को मजबूती प्रदान करने अपील की गई।

इनको दी गई जिम्मेदारी

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा माहेश्वरी, मालती पुरोहित, किरण शर्मा, तृप्ती शर्मा, आरती शर्मा, सरंक्षक मंडल में मानक सोनी, घीसालाल जी शर्मा, रमेश राठी, रामेश्वर सोनी, राजेन्द्र शर्मा, सी.के शर्मा, किशोर शर्मा, जुगल शर्मा, अनिल शर्मा, कैलाश राजपुरोहित, मुन्ना शर्मा, सलाहकार समिति में श्रीमती राधा गोकुल शर्मा, सविता शर्मा, दुर्गा राठी, राधिका सोनी, अरूणा शर्मा, अंजली पालीवाल, नंदा सोनी, विनीता शर्मा, माधवी शर्मा, शोभा शर्मा, दुर्गा जैन, समाज प्रभारी ब्राम्हण समाज श्रीमती आशा शर्मा, माहेश्वरी समाज श्रीमती रत्ना माहेश्वरी, सोनी समाज श्रीमती सरिता वर्मा, राजपुरोहित समाज श्रीमती भावना राजपुरोहित, खाती समाज श्रीमती मंजू राजेन्द्र शर्मा, जैन समाज से श्रीमती प्रीति सेठिया को शामिल किया गया है। इसके अलावा सांस्कृतिक प्रभारी में श्रीमती शिल्पा पुरोहित, श्रीमती रिया शर्मा, प्रवक्ता श्रीमती पायल चौरडिया, सह प्रवक्ता श्रीमती शारदा शर्मा को नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी सदस्य में श्रीमती मोना शर्मा, अनुराधा शर्मा, रेखा शर्मा, चंचल शर्मा, कंचन शर्मा, ज्योति शर्मा, पायल शर्मा (पंचारिया) को शामिल किया गया है। इस संबंध में जिलाध्यक्ष ज्योति शर्मा ने बताया कि सर्व राजस्थानी समाज के द्वारा जो कार्यक्रम किये जाते उसमें समाज के सभी लोगों की सहभागिता हो इस मंशा से कार्यकारिणी गठित की गई है। समाज का जो भी कार्यक्रम होगा उसकी समाज के प्रभारी अपनी जिम्मेदारी संभालेगी। वहीं ऐसे कुछ बड़े कार्यक्रम है जिसे महज महिलाओं के द्वारा कर पाना मुश्किल होता है इन कार्यक्रमों में हमारे संरक्षक मंडल जो पुरूष वर्ग शामिल है वे सहयोग करेंगे। सभी मिलकर कार्यक्रमों के आयोजन को बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

नपा. ने नही करवाया पुल का निर्माण तो वार्डवासी ने 20,000 रूपये खर्च कर स्वयं बनवाया पुल

मामला वार्ड क्रमांक 8 और 9 के बीच आने वाले मार्ग के पुलिया का

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । शहर की वार्ड क्रमांक 8 और 9 के बीच आने वाली सड़क के एक पुल को एक वार्ड वासी द्वारा अपने स्वयं के पैसे से बनवाया गया, वार्ड वासी ने बताया कि वह कई महीनो से नगर पालिका से पुलिया को बनाए जाने की गुहार लगा रहे थे , किंतु नगर पालिका द्वारा उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा था ।इसी से परेशान होकर उन्होंने आवागमन की व्यवस्था बनाते हुए 20000 रूपये लगाकर पुलिया का निर्माण किया हैं । आपको बता दे की नगर पालिका क्षेत्र में ऐसे कुछ वार्ड वासी भी हैं, जिन्होंने लगातार नगर पालिका में अपनी समस्या रखी और जब नगर पालिका ने उनकी समस्या पर संज्ञान नहीं लिया और निर्माण कार्य नहीं करवाया तो वार्ड वासियों ने स्वयं ही अपने पैसे से निर्माण कार्य करवाए हैं । बीते दिनों भी वार्ड क्रमांक 13 में कुछ वार्ड वासियों द्वारा मार्ग पर कंक्रेट नहीं बिछाई गई , तो स्वयं के ही खर्च से रोड बना ली गई थी तो वैसा ही एक ताजा मामला शहर के बैहर चौकी स्थित वार्ड क्रमांक 8 और 9 के बीच आने वाला एक पुल का है , जिसे नगर पालिका ने नहीं बनाया तो स्वयं वार्ड वासी ने अपने पैसे से निर्माण करवा लिया है। पुल निर्माण करने वाले वार्ड वासी तनवीर अहमद कुरैशी बताते हैं कि बीते कई महीनो से बैहर चौकी स्थित वार्ड क्रमांक 8 और 9 के बीच एक मार्ग अंदर की ओर जाता है, जिसका पुलिया बीते कई महीनो से क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके लिए उन्होंने दोनों ही वार्ड पार्षद सहित नगरपालिका से पक्के पुल निर्माण किए जाने की गुहार की, किंतु किसी ने भी उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दिया। यहां तक की पुल धीरे-धीरे इतना अधिक क्षतिग्रस्त हो गया कि वहां से वाहनों का गुजरना नामुमकिन होने लगा था, इसके बाद उन्होंने स्वयं ही अपने रूपये से लगभग 15 से 20000 रूपये खर्च कर पक्का पुलिया बनवाया और आगे भी सड़क की मरम्मत कराई है ।

हिन्दी दिवस पर सहमत एवं हिन्दी साहित्य भारती का मातृ भाषा अर्चन अनुष्ठान का हुआ आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) ।प्रसिद्द साहित्यिक संस्था सहमत एवं हिन्दी साहित्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नगरपालिका परिषद सभागार में हिन्दी दिवस के अवसर पर मातृ भाषा अर्चन अनुष्ठान कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर , पूर्व नपाध्यक्ष तथा सहमत के संरक्षक रमेश रंगलानी ,बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ श्रीमती अर्चना शुक्ला, पी.एम श्री कॉलेज ऑड़ एक्सीलेंस प्राचार्य डॉ अशोक मराठे सहित सहमत के प्रमुख संरक्षक राजेश पाठक इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे । विशेष आमंत्रित वक्ता राजेन्द्र शुक्ल सहज अध्यक्ष मप्र हिन्दी साहित्य भारती , कार्यक्रम के संयोजक हिन्दी साहित्य भारती के जिला अध्यक्ष अशोक सागर मिश्र एवं सहमत के महासचिव अमरसिंह ठाकुर उपस्थित रहे। आयोजन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा के साथ साथ वैश्विक भाषा के रूप में मान्यता प्रदान करने संबंधी विषय पर वक्ताओं द्वारा उद्बोधन दिये गये। सभी ने बारी बारी से हिंदी दिवस पर हिंदी को बढ़ावा देने और हिंदी भाषा को चलन को अधिक से अधिक लाने के विषय पर जोर दिया। कुछ कवियों ने भी अपनी कविताओं और भाषणों के माध्यम से हिंदी का गुणगान किया और बताया कि किस प्रकार से आज हिंदी भाषा धीरे-धीरे लुप्त होते जा रही है, जिसे हिंदी दिवस के दिन ही नहीं बल्कि सभी दिन अपने बातचीत के माध्यम से हिंदी को चलन में लाकर इसे और बढ़ाना है हिंदी भाषा और साहित्य उनका गौरव है।

विहिप, बजरंग दल का त्रिशूल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सैकड़ों बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने ग्रहण की त्रिशूल दीक्षा, संगठित होकर सनानत धर्म की रक्षा के लिए काम करने का दिलवाया गया संकल्प

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल के तत्वाधान में १४ सितंबर को विराट त्रिशूल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम विहिप, बजरंग दल के पदाधिकारियों के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान श्रीराम, हनुमान के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को त्रिशूल दीक्षा ग्रहण करवाई गई और उसके महत्व व उद्देश्य के बारे में उन्हे बताया गया। इस दौरान त्रिशूल दीक्षा के प्रति युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। साथ ही त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को त्रिशूल के साथ ही बेल्ट और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। दीक्षा कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को त्रिशूल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि २५ साल बाद लालबर्रा प्रखण्ड में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है और विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल प्राकृतिक आपदा हो, देश, धर्म की रक्षा व सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते है। साथ ही यह भी कहा कि आज सनातन धर्म को लेकर अनर्गल प्रलाप लोगों के द्वारा किया जा रहा है, हम सनातनियों को एकजुट होने की आवश्यकता है। अखंड भारत से टूट कर कई देश बने वे देश सिर्फ इसलिए बने कि वह हिंदू अल्पसंख्यक में आये, हिंदू समाज को बांटने का षड्यंत्र हो रहा है, धर्मांतरण तेजी से हो रहा है। इस सब को रोकने के लिए हम सबको एकजुट होना होगा। वहीं कुछ लोग लव जिहाद, धर्म परिवर्तन करते है ऐसे लोगों को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के द्वारा सबक सीखाकर सैकड़ों युवतियों को लव जिहाद एवं लोगों को धर्म परिवर्तन करने से बचाया गया है। साथ ही लालबर्रा, कटंगी, लांजी से गौ तस्कर महाराष्ट्र राज्य की ओर होते है, विगत वर्षों से हमारे गौरक्षकों ने करीब २००० हजार से अधिक मवेशियों को कत्लखाने जाने से बचाया है एवं रक्तदान सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक करने का भी काम किया जाता है। इसलिए सभी को संगठित होकर सनानत धर्म (हिन्दुत्व) की रक्षा के क्षेत्र में काम करना चाहिए और जो लोग सनातन धर्म (हिन्दुत्व धर्म) को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे है उन्हे सबक सीखाने की आवश्यकता है। साथ ही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि समाज में शौर्य और सुरक्षा के प्रतीक को मजबूत करना और युवाओं को एकजुट एवं सशक्त रहने की प्रेरणा देना था। यह कार्यक्रम परम पूज्य संत श्री गोपाल बाबा कार्यक्रम के अध्यक्षता, बाबूलाल बोथरा (वरिष्ट व्यवसायी) के मुख्य अतिथि एवं मायाराम सनोडिया(प्रांत मंदिर अर्चक पुरोहित प्रमुख), अरुण अग्रवाल (समाज सेवी), कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बसंत सौलाखे, विश्ववर्धन भट्ट (क्षेत्र संयोजक बजरंग दल भोपाल क्षेत्र), जितेन्द्र वर्मा (प्रांत संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत), पंकज बिसेन (विभागमंत्री सिवनी विभाग), यंज्ञेश लालु चावड़ा विहिप जिलाध्यक्ष एवं बजरंग दल जिला संयोजक सुरेंद्र नगपुरे के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ।

शौर्य संचलन ने नगर का किया भ्रमण

विहिप, बजरंग दल का त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम संपन्न होने के बाद कार्यक्रम स्थल से डीजे की धुन पर शौर्य संचलन निकाला गया। यह शौर्य संचलन हाई स्कूल मार्ग, अस्पताल, हाईवे मार्ग, बस स्टैण्ड, अमोली, माँ सतबहनी मंदिर सहित नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर कार्यक्रम स्थल पहुंची। जिसके बाद एक दिवसीय त्रिशूल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम का समापन किया गया। इस शौर्य संचलन में विहिप, बजरंग दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी एक प्रकार के गणवेश में सम्मिलित हुए। सभी में अनुशासन देखते बन रहा था। वहीं शौर्य संचलन नगर के प्रमुख चौक चौराहे से होकर गुजरी तो लोगों में उत्साह देखा देखा और शौर्य संचलन का स्वागत भी किया गया। लालबर्रा नगर मुख्यालय में पहली बार आयोजित बजरंग दल के शौर्य संचलन कार्यक्रम को लेकर विहिप एवं बजरंग दल के लोगों में खासा उत्साह देखा गया और इस शौर्य संचलन के माध्यम से लोगों को सनातन (हिन्दु) धर्म के प्रति जाग्रत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बजरंग दल भोपाल क्षेत्र संयोजक मुख्य वक्ता विश्ववर्धन भट्टे ने कहा कि हिन्दु धर्म का इतिहास अनादि है, अनंत है, अपने आप में ही ईश्वरी है, वेदों को ईश्वर का वाणी माना गया है, आप सभी का सनातन धर्म है, अनादि, अनंत है इसलिए अपने धर्म पर सभी को गौरवांवित होना चाहिए, समाज को एकजुट करने के लिए, राष्ट्र के निर्माण में अपने-अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। श्री भट्टे ने कहा कि आप लोगों को बजरंग दल के कार्यकर्ता बनने का शुभ अवसर मिला है। बजरंग दल वह इकाई है, युवाओं का संगठन है, विहिप की युवा इकाई के रूप में बजरंग दल का निर्माण किया गया है और हमने संघर्ष किया है, संघर्ष करेगें, संघर्ष हमारा नारा है, बजरंग दल का निर्माण किया गया है इसलिए सभी संगठित होकर सनातन धर्म के हित में काम करें। विहिप जिलाध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा ने बताया कि बजरंग दल के द्वारा लालबर्रा में त्रिशूल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया और करीब ७०० बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को त्रिशुल दीक्षा ग्रहण करवाई गई है और जो त्रिशूल दिया गया है उसे वे पूजा स्थान पर रखेगें। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से सभी को संगठित होकर सनातन धर्म के हित में काम करने कहा गया है। इस अवसर पर विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता व पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मोहगांव (ध.) में प्रतिभा सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम २० को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १२ किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. स्थित हनुमान चौक में यूथ फ्रेंडस क्लब के तत्वाधान में आगामी २० सितंबर को शाम ७ बजे से प्रतिभा सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में कार्यक्रम संयोजक राधे नगपुरे ने बताया कि आयोजित प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में कक्षा १० वीं एवं १२ वीं में ८५ प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राएं, नव चयनित

शासकीय कर्मचारी-अधिकारी, प्रदेश संभाग स्तरीय खेल प्रतिभागी, सांस्कृतिक, सामाजिक, शिक्षा, कृषि एवं पारम्परिक सारोकारों वरिष्ठजन का सम्मान यूथ फ्रेंड्स क्लब के द्वारा किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि यह आयोजन क्षेत्र की प्रतिभा को निखारने छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शित करने और सांस्कृतिक, सामाजिक, पारम्परिक कार्यों को संजोय रखने के उद्देश्य से विगत १० वर्ष से आयोजित किये जा रहे है। श्री नगपुरे ने बताया कि प्रतिभा सम्मान के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है, जिसमें जिले का सर्वश्रेष्ठ लोक सांस्कृतिक डांस ग्रुप सिवनी जिले की मनमोहक झांकी एवं आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष श्रवण लिल्हारे, उपाध्यक्ष लक्की नगपुरे, जीतू दौनेकर, महेश कड़ूकार, सचिव रोशन माहुले, रामप्रसाद बोरकर, सहसचिव ज्ञानीराम नेरकर, जागेस बनोटे, कोषाध्यक्ष टुपेश नगपुरे, आयोजन प्रभारी चन्द्रप्रकाश कड़ूकार, भावेंद्र बावने, पतिराम बागड़े, धनेन्द्र बागड़े, मानक चौहान, सांस्कृतिक प्रभारी मनोज बनोटे, बलराम नगपुरे, मंच संचालक डॉ. सोमलाल बघेल, प्रतिभा चयन प्रभारी रजनीश नगपुरे, रवि मेहरकर, योगेश सहारे, सदस्य विनय नगपुरे, एसलाल दमाहे, आशीष नगपुरे, मनीराम दांदरे, राजकुमार बनकर, दिनेश बनोटे, नंदकिशोर बोहने, मंशाराम बिरनवार, सुरेश बनोटे, अंकित नगपुरे, रंजीत नगपुरे, धर्मेन्द्र मात्ते, अनुज जायसवाल, निलेश लिल्हारे, रवि बनोटे, शैलेष बनोटे सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

बड़गांव में विधायक अनुभा मुंजारे ने जनदर्शन कार्यक्रम में ग्रामीणों की सुनी समस्या, किया निराकरण

करीब दो दर्जन युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की, ग्रामीणों को मिली सभामंच की सौगात

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बड़गांव में शनिवार को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने क्षेत्रीयजनों की समस्या सुनी और कुछ मामलों का तत्काल निराकरण किया गया एवं बड़े मामलों का निराकरण व मांगों को जल्द पूरा किये जाने आश्वास्त किया है। वहीं ग्रामीणों की मांग पर बड़गांव पंचायत को विधायक निधि से सभामंच की सौगात भी दी गई है। सभामंच का निर्माण होने से ग्रामीणजनों को आयोजन करवाने में सुविधा होगी। साथ ही बड़गांव सहित अन्य ग्रामों से पहुंचे ग्रामीणजनों ने अपनी-अपनी समस्या से विधायक को अवगत करवाया है। जनदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि जनता मेरे लिये भगवान है, आपकी पीड़ा मेरी पीड़ा है, आप लोगों को दु:खी देखकर मैं खुश कैसे रह सकती हूं, आप खुश रहेगें तो निश्चित ही मुझे लगेगा कि आपने मुझे चुनकर सही कार्य किया है। इसलिए मैं हमेशा आपके भावनाओं को समझते हुए और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर लगातार प्रयासरत रहती हूं। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि मैं जो कुछ भी हूं यह समझ लीजिये कि मैं नहीं बल्कि आप विधायक है। मेरे घर का दरवाजा हमेशा खुला है और आप जब भी मुझे जिस भी रूप में याद करेगें वहां मेरी मौजूदगी रहेगी। साथ ही यह भी कहा कि लालबर्रा सहित बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर लगातार प्रयासरत हूं और आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा। क्षेत्र में सिंचाई की समस्या है जिसकों लेकर सिंचाई मंत्री से भेंट की गई है और हमें जल्द सिंचाई को लेकर अच्छी सौगात मिलेगी। हम संघर्ष करने वाले लोग है, अगर आवश्यकता पड़ेगी तो सड़क पर और विधानसभा में भी आपकी आवाज की गूंज गूंजेगी। वह विधानसभा में भी इस संबंध में लगातार प्रश्न लगाकर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रही है। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि कई बार लगता है कि चीजे बहुत ही आसान व सरल है, लेकिन नहीं, जब कार्य करते है तो पता चलता है कि इस क्षेत्र में काफी संघर्ष और समस्या है। उन्होने अप्रत्यक्ष तौर पर निशाना साधते हुए कहा कि कई लोगों को लगता है कि जनता ने नकारे जाने के बाद भी पद में है या फिर पद लेकर आ जायेगें और अपनी मनमर्जी करेगें। लेकिन जनता समझदार है और वह स्वयं आंकलन करती है कि कौन क्या कर सकता है। वहीं विधायक ने बड़गांव में स्वागत द्वार निर्माण की स्वीकृत प्रदान की है। साथ ही ग्राम की राधे-राधे ग्राम संगठन स्व-सहायता समूह की दीदी गीतांजलि बिसेन, गायत्री टेंभरे, रमनबाई टेंभरे के द्वारा विधायक को ज्ञापन सौंपकर सीएफ भवन निर्माण की मांग की है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, खमरिया ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दमनसिंह रहांगडाले, बडगांव सरपंच राधेश्याम उइके, जनपद सदस्य सहित बड़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

युवाओं ने कांग्रेस की ली सदस्यता

बड़गांव में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दमनसिंह रहांगडाले के नेतृत्व में करीब एक दर्जन युवाओं ने कांग्रेस पार्टी की नीति-रीति से प्रभावित होकर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने सभी युवाओं को कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनकर स्वागत किया और संगठित होकर पार्टी हित में काम करने की बात कही है। सदस्यता ग्रहण करने वालों में अभय उइके, पवन ठाकरे, प्रिंस ठाकरे, कार्तिक वरकड़े, मन्नु वरकड़े, अजीत चौरे, मोहित बघेले, रोहित बघेले, नंदु बघेले, अंकित झिंझोते, विशाल झिझोते, पियुष झिझोते सहित अन्य युवा शामिल है।

जाम में रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन समिति की आयोजित हुई बैठक

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १० किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम निवासी राजेश नगपुरे के निवास स्थान में गत दिवस रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में वर्ष २०२३-२४ के आय-व्यय पर विचार कर ब्यौरा प्रस्तुत किया गया और वर्ष २०२५ में धनतेरस पर आयोजित होने वाले विशाल रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन का आयोजन किये जाने, उसकी रूपरेखा पर चर्चा कर रणनीति तैयार की गई। चर्चा में रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन समिति जाम के पदाधिकारी डीके लिल्हारे ने बताया कि आयोजित बैठक में वर्ष २०२३-२४ का आय-

व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। जिसमें वर्ष २०२३-२४ में कुल आय ८२,५९० रूपये एवं कुल व्यय ८९,४७० रूपये का हुआ है। साथ ही वर्ष २०२५ में धनतेरस पर आयोजित होने वाले रामचरित मानस सत्संग सम्मेलन करवाने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। साथ ही इस प्रतियोगिता में मानस मंडल हेतु चौपाई, दोहा का चयन किया गया। श्री लिल्हारे ने बताया कि बैठक में निर्णायक मंडल के सदस्यों का चयन सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर नंदकिशोर चुरहे, हितेन्द्र दमाहे, दिलीपकुमार लिल्हारे, राजेश नगपुरे, राधेश्याम शांडिल्य, नरेन्द्र तरवरे, दिनेश शरणागत, मोतीलाल लिल्हारे, विवेकानंद लिल्हारे, जाम सरपंच सुरेन्द्र बनोले सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

मांझापुर सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष बने कन्हैया मुंजारे

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर में गत दिवस सार्वजनिक नव दुर्गोत्सव समिति की बैठक संपन्न हुई। आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन करने, शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाने, पर्व के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा कर सर्वसम्मति से कन्हैया ((नानु) मुंजारे को सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति का अध्यक्ष नियुक्ति किया गया है। इसी तरह प्रभुदयाल हनवत, सचिन डहरवाल, शुभम सोनगढ़े को उपाध्यक्ष, डाली हनवत को कोषाध्यक्ष, ओमप्रकाश डहरवाल, आशीष बिसेन, प्रवीण सोनगढ़े को कार्य. अध्यक्ष, तरूण नगपुरे, डेलेन्द्र बिसेन, स्नेहिल सोनगढ़े को सचिव, देवेन्द्र उइके, अजय डहरवाल, अनिकेत ठाकरे को सहसचिव, नरेन्द्र विश्वकर्मा को पंडा बाबा बनाया गया है। सार्वजनिक नव दुर्गा उत्सव समिति मांझापुर के नवनियुक्त अध्यक्ष कन्हैया (नानु) मुंजारे ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन किया जायेगा और शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

लालबर्रा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सेवा बंद रहेगी आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। विद्युत विभाग के द्वारा १५ सितंबर को पनबिहरी स्थित १३२ केव्ही पावर स्टेशन से एक नये फीडर का कार्य किया जाना है, जिसके चलते आज प्रात: ८ बजे से दोपहर १ बजे तक विद्युत आपूर्ति सेवा बंद रहेगी। तत्सम्बन्ध में जानकारी देते हुए विद्युत वितरण केंद्र लालबर्रा के कनिष्ठ यंत्री सरफराज कुरैशी ने बताया कि लामता लिफ्ट एरिगेशन प्रोजेक्ट हेतु ग्राम पनबिहरी में स्थित १३२ केव्ही पॉवर स्टेशन से एक नये फीडर का कार्य किया जाना है। जिसके चलते १५ सितंबर को प्रात: ८ बजे से दोपहर १ बजे तक लालबर्रा क्षेत्र में विद्युत् आपूर्ति बंद रहेगी। जिससे ग्राम लालबर्रा, पांढरवानी, खमरिया, नैतरा, निलजी, बकोड़ा, बघोली,

चिचगॉव, मानपुर, बोरी, बल्हारपुर, लोहारा, डोकरबंदी, मिरेगांव, नेवरगांव वा. टेकाड़ी, बड़गॉव, गणेशपुर, पालकामथी, पांडेवाड़ा एवं लालबर्रा तहसील के आसपास के गॉव प्रभावित होगें। वहीं आवश्यकतानुसार समय अवधि घटाई एवं बढ़ाई जा सकती हैं। श्री कुरैशी ने सभी उपभोक्ताओं से सहयोग करने की अपील की है।

खैरलांजी में सहकारिता की हड़ताल से खाद और अनाज का संकट उत्पन्न

ग्रामीणजन, समिति और राशन दुकान के लगा रहे चक्कर

लाबंद हड़ताल कलमबंद हड़ताल अनिश्चित कालीन हड़ताल
दिनाँक 08.09.2025
सूचना
मध्यप्रदेश राज्य बहुउद्देशीय सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ भोपाल के व्हान पर दिनाँक 08.09.2025 दिन सोमवार से समस्त कर्मचारी अपनी तीन त्रिय मांगो को लेकर बालाघाट में अपने पंडाल में अनिश्चित कालीन हड़ताल रहेगें।
उपभोक्ताओं एवं कृषको की परेशानी के लिये हमें खेद है।
अध्यक्ष शाखा युनिट रामपायली श्री. डिलेश भगत
जिला अध्यक्ष जिला इकाई बालाघाट श्री पी.सी.चौहान
प्रांतीय अध्यक्ष भोपाल श्री कु.बी.एस.चौहान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सेवा सहकारी समितियां की प्रारंभ हड़ताल के कारण आम इंसान और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आज उनके सामने रासायनिक खाद के साथ अनाज की समस्या उत्पन्न हो गई है जो शासन के द्वारा मिलता था। वह नहीं मिलने से सभी को इधर.उधर भटकना पड़ रहा है इसमें सबसे ज्यादा समस्या किसानों को हो रही है ,कि उन्हें हड़ताल के कारण परमिट की जगह नकद में खाद खरीदना पड़ रहा है। तो वहीं कुछ दूरी में लगने वाली महाराष्ट्र सीमा पार कर ब्लैक में खरीद कर भी लाना पड़ रहा है। ऐसे में किसानों के सामने खाद का एक बड़ा संकट उत्पन्न हो गया है जबकि वर्तमान में किसानों के द्वारा खरीफकी फसल लगाई गई है। जिसमें यह दौर खाद छिड़काव का बना हुआ है समय पर खाद ना मिलने से फसल पर भी असर पड़ने की बात किसानों के द्वारा कही जा रही है। तो वहीं गरीब मजदूर जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यापन कर बीपीएल राशन कार्ड के माध्यम से सहकारी उचित मूल्य की दुकान से राशन प्राप्त करते हैं उन्हें वह नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि सहकारिता की हड़ताल के साथ राशन दुकानों की भी हड़ताल चल रही है । ऐसे में बाजार से महंगे मूल्य में अनाज उन्हें खरीद कर अपनी आवश्यकताओं को पूर्ति करनी पड़ रही है। इस प्रकार की किसानों और आम इंसानो को हो रही समस्या को लेकर उनके अंदर आक्रोश व्याप्त हैं। जिनके द्वारा शासन से यथाशीघ्र सहकारी कर्मचारियों से चर्चा कर हड़ताल समाप्त करवाने की मांग की जा रही है।

सहकारिता विभाग की हड़ताल से किसानों को नही मिल रही खाद-भारत शिवहरे

भारत शिवहरे ने बताया कि सहकारिता विभाग की हड़ताल चल रही है किसानों को काफी समस्या हो रही है। किसान चिंतित है बेचैन है उनके सामने परेशानी यह है कि अभी अंतिम समय पर उन्हें खेत में खाद डालना है। जिसके लिए यूरिया सहित अन्य रासायनिक खाद की जरूरत है ,परंतु हड़ताल से वह मिल नहीं रही है ब्लैक में उन्हें बाजार या महाराष्ट्र से दुगने दामों में खरीद कर लाना पड़ रहा है। इस दौरान रुपए नही होने पर किसान अपनी जमीन और जेवर को गिरवी रख रहे हैं परमिट इन किसानों का सोसायटी में कट गया है। किंतु ताला लगे होने से खाद नहीं मिल रही है ८ सितंबर से हड़ताल चल रही है दो.चार दिन लेट होती है तो फसल पर असर पड़ेगा और किसानो ने जो सपने संजोए है कि अच्छे कपड़े खाना और बच्चों की बेहतर शिक्षा का वह धरा का धरा रह जाएगा।

सहकारी समिति की हड़ताल से आम जनता परेशान है-योगेश सुलकिया

योगेश सुलकिया ने बताया कि सेवा सहकारी समिति की जो हड़ताल है इससे गरीब मजदूर वर्ग को राशन की दिक्कत है। जगह.जगह राशन दुकान बंद पड़ी हुई है अभी त्योहारों का दौर चालू है पितरपक्ष अभी चल रहा है आगे नवरात्र और दशहरा आने वाला है। ऐसे में राशन दुकान बंद है जबकि जून में तीन माह का राशन दिया गया था जो खत्म हो चुका था तो लोग आश लगाकर थे कि सितंबर में नया राशन मिलेगा। परंतु अब यह बंद है गेहूं की सबसे बड़ी समस्या है स्कूल के बच्चों के टिफिन में रोटी नहीं दी जा रही है। उन्हें अनाज ना मिलने पर बाजार से करीब ३५ रूपये किलो का अनाज खरीद कर जरूरत पूरी की जा रही है यह बड़ी समस्या है। क्षेत्र में सरकार से मांग है कि वह हड़तालियों की मांग पूरी करें या वैकल्पिक व्यवस्था तैयार करें।

क्षेत्र के प्रत्येक बूथ को मजबूत करना ही चुनाव जितना है-प्रदीप जायसवाल

मेंढ़की में सेवा पखवाडा अभियान कार्यशाला आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भाजपा मंडल रामपायली की ग्राम पंचायत मेंढकी में विधानसभा प्रभारी प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री के आतिथ्य में नवनियुक्त जिला भाजपा पदाधिकारी किशोर अमूले जिला उपाध्यक्ष, जिला मंत्री रेखा गोखले ,मंडल प्रभारी आलोक खरे की मौजूदगी में सेवा पखवाडा अभियान की कार्यशाला संपन्न हुई। जिसमें विशेष रूप से बूथ कमेटी की सरंचना पर सभी ने ध्यान देकर मंडल अध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस १७ सिंतबर से लेकर २ अक्टूबर महात्मा गांधी के जन्मदिवस तक चलने वाले सेवा पखवाडा अभियान की कार्यशाला संपन्न हुई। बैठक में प्रदीप जायसवाल ने कहा की यू ही नही मिलती मंजिल राही को, पहले एक जूनून जगाना पडता है। १६ मई २०२१४ को देश में एक नया सूरल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का उदय हुआ था। जिन्होने आज मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से सीधे बूथ स्तर पर बातचीत का सिलसिला शुरू किया है। जिस तरह किसी भी युध्द को लडने के पहले उसकी तैयारी व्यापक स्तर पर की जाती है। उसी तरह हम अगर अपने बूथ को मजबूत कर लेंगे तो सोसायटी, कृषि मंडी, ग्राम पंचायत आदि चुनाव में हमारे प्रत्याशीयो की प्रंचड जीत भी निश्चित ह वहीं किशोर अमूले ने कहा की जिला नेतृत्व ने मंडल अध्यक्षो को बूथ अध्यक्षो के नाम में फेरबदल के अधिकार दे दिये है। आज प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष तक सीधे बूथ अध्यक्ष से मोबाईल पर बात करते है। तो हमे बूथ की अहमियत समझ में आ जानी चाहिये। मंडल अध्यक्ष तत्काल ऐसे बूथ अध्यक्ष जो सक्रिय नही है उनके नाम परिवर्तीत करें। जिससे उनके नाम सरल एप सहित पार्टी में अपलोड किये जा सके। श्री अमूले ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर १७ सिंतबर को स्वास्थ्य शिविर वारासिवनी के बाद डोंगरमाली, बुदबुदा सहित अन्य विकासखंडो में भी शिविरो का नि:शूल्क आयोजन किया जा रहा है। मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे ने कहा हम सभी का प्रयास है की १७ सितंबर को प्रधानमंत्री का जन्मदिवस सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राही व लाभार्थी भी अपने घरो में अवश्य मनायें। इस दौरान आलोक खरे,देवनाथ बोपचे, हानेस भगत,पुष्पा किशोर अमूले, चिंतामन नागपुरे, गीता हनवत , सचिन बिसेन, मेघाकिशोर बिसेन, कबीर हनवत , दीक्षा तुरकर, पूजा मेश्राम, किशोर बिसेन, भानूराम राहंगडाले सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खैरलांजी में कांग्रेस सेवादल महिला इकाई का संगठन सृजन समारोह संपन्न

भाजपा सरकार पर आक्रोश व्यक्त कर बताई संगठन की रीति नीति

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद परिसर के सामुदायिक भवन में १४ सितंबर को कांग्रेस सेवादल महिला इकाई के तत्वाधान में संगठन सृजन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विधायक विवेक पटेल,महिला ग्रामीण जिला अध्यक्ष लक्ष्मी वाघाडे ,महिला सेवादल जिला अध्यक्ष रेशमा कुमरे ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ,सरपंच खैरलांजी ज्योति भगतसिंह नगपुरे ,अजब सिंह कृपगये ,फेकनलाल डोहरे ,ईश्वरदयाल रामटेके ,योगेश सुलाकिया सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा महात्मा गांधी एवं डॉ बी आर आंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को कांग्रेस की रीती नीति से अवगत कराते हुए भाजपा सरकार की तानाशाही और निरंकुश हो चुकी महंगाई के बारे में बताया गया। वहीं कांग्रेस पार्टी के द्वारा लगातार हर मोर्चे पर किए जा रहे विरोध के बारे में जानकारियां में दी गई। इसके बाद कार्यकारिणी का भी विस्तार कर महिला सेवादल ब्लॉक प्रभारी सुनीता किशोर ठाकुर ,ब्लॉक अध्यक्ष सुषमा अंकित जायसवाल ,उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी सुलाखे और खैरी ग्रामीण अध्यक्ष बाली नितेश लिल्हारे को मनोनीत कर न्युक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं एवं कांग्रेसी जन मौजूद रहे।

आज भाजपा देश को बेचकर खाने का काम कर रही है-लक्ष्मी वाघाड़े

जिला अध्यक्ष लक्ष्मी वाघाड़े ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि भारत देश में काफी अराजकता का माहौल चल रहा है। प्रधानमंत्री बड़ी बात करते हैं वह सब गलत है पिछले ७० वर्ष में कांग्रेस ने देश को संभाला और अनेकों संपत्तियां बनाई । आज भाजपा बेचकर खाने का काम कर रही है। महंगाई इतनी बढ़ गई है पहले ४०० रूपये में गैस सिलेंडर आता था। रसोई से लेकर सोने चांदी तक सस्ते थे आज सोना १.१० लाख रूपये चल रहा हैं, लाडली बहन के रूप में १५०० रूपये देकर लुभा रहे हैं घर की रसोई मैनेज नहीं हो पा रही है वोट लेने के लिए यह स्कीम लाते हैं। धान का समर्थन मूल्य नहीं दे रहे आप सभी सुबह से शाम तक खेती बाड़ी का काम करते है। आप सभी को पता है कितनी मेहनत लगती है वहीं पढ़ाई भी अब महंगी हो गई है। इस प्रकार महंगाई का बोल बाला चारों तरफदेखने मिल रहा है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ना-रेशमा कुमरे

महिला सेवा दल जिला अध्यक्ष रेशमा कुमरे ने कहा की कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है यही पार्टी ने देश को आजाद कराया था। जितनी भी आज पार्टी देखने मिल रही है वह इसी से पैदा हुई है ,हमारे महापुरुषों के बलिदान से हमें आजादी मिली है उसी का परिणाम है कि आज हम स्वतंत्र भारत में जी रहे हैं। यहां जो बड़ी संख्या में मातृ शक्ति उपस्थित हुई है वह कहीं ना कहीं कांग्रेस की नीति से प्रभावित है। हमें कांग्रेस का सदस्य होने पर गर्व महसूस करना चाहिए और इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ना है। इसलिए सभी को अंतिम छोर तक जाना है लोगों को कांग्रेस से जोड़ना है तभी हमारे संगठन सृजन का उद्देश्य पूरा होगा।

खैरलांजी क्षेत्र का दुर्भाग्य रहा कि किसी भी विधायक ने नही किया विकास कार्य -रामकुमार नगपुरे

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने कहा कि लगातार महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है शासकीय नौकरियों में भी ५० प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है। निर्वाचन में भी व्यवस्थाएं बनाई जा रही है राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं को भी अब आगे आना चाहिए। हमारे खैरलांजी का दुर्भाग्य रहा तीन विधायक विवेक पटेल ,प्रदीप जायसवाल ,डॉ योगेंद्र निर्मल को चुनकर लाया गया। किंतु कोई काम नहीं आए। आज खैरलांजी में जो भी विकास दिख रहा है वह डोमन सिंह नगपुरे की देन है,जिन्होंने तहसील का दर्जा दिलाकर विभिन्न कार्यालय और क्षेत्र की पंचायत में स्कूलों का निर्माण करवाया। रामपायली ,अतरी ,खैरी और मोवाड़ के पुल भी उन्होंने बनवाया हम सभी कांग्रेसी है। विधायक को सोचना चाहिए कहीं भी वह नारियल फोड़ देते हैं खैरलांजी में इनके द्वारा भूमि पूजन किया गया। बोर्ड लगा दिया गया डेढ़ साल पहले फिर पंचायत को अपने स्तर पर रोड़ का निर्माण करना पड़ा। यह बोलते हैं ५० बेड का अस्पताल बनेगा उसकी कोई कैबिनेट की स्वीकृति तक नहीं है आईटीआई की भी स्वीकृति नहीं दिख रही है। जिला अध्यक्ष सर्वे कर अध्यक्ष बनाएं तभी संगठन आगे बढ़ेगा यदि विधायक के इशारों पर अध्यक्ष बनाये जायेंगे तो कांग्रेस खत्म हो जाएगी इस बात को समझाना पड़ेगा।

नवोदय विद्यालय में हिंदी दिवस पर हिंदी पखवाड़े का हुआ आयोजन

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर हुई भाषण प्रतियोगिता

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। यह पखवाड़ा १४ सितंबर से २८ सितंबर २०२५ तक कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के छात्र.छात्राओं तथा शिक्षक कर्मचारियों के मध्य विविध प्रतियोगिताओं और रचनात्मक गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह ने हिंदी दिवस पर कहा कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का संदेश भाव पूर्ण स्वर में वाचन किया। हिंदी केवल भाषा ही नहीं बल्कि राष्ट्र को जोड़ने वाली अखंड सांस्कृतिक कड़ी है। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करने हेतु सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। विद्यालय के शिक्षक बी आर पटेल ने आगामी १४ दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रात:कालीन सभा में सातवीं की छात्रा पानीरी गरडे और ग्यारहवीं की छात्रा शुभांगी मरकाम ने मंच से हिंदी भाषा की महत्ता एवं इसकी जीवन्तता पर प्रकाश डाला। ऑपरेशन सिंदूर विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने कहा कि यह केवल एक सैन्य अभियान नहीं बल्कि भारत का वह अटल संकल्प है। जिसमें आतंकवाद के विरुद्ध मानवता की रक्षा का अमर संदेश निहित है। ऑपरेशन सिंदूर ने विश्व को यह सशक्त सन्देश दिया कि भारत आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में सहन नहीं करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अयाज़ अंसारी ने प्रतिभागियों सहित सभी विद्यार्थियों को मंच संचालन एवं अभिव्यक्ति कौशल से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति भारतीयों के हृदय में सदैव असीम प्रेम और गौरव की भावना जीवित रहनी चाहिए। प्रतियोगिता में हेनान पटले और किम कावड़े ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। हर्षिका राहंगडाले द्वितीय तथा वैभव बघेले तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल श्रीमती यशोधरा सिंह,एस के बनिक और अयाज़ अंसारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन कक्षा ग्यारहवीं की छात्राएँ श्रेया दरवड़े और भार्गवी सोनवाने ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र.छात्राएँ उपस्थित रहे।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नही-विवेक पटेल

संत निरंकारी के द्वारा किया रक्तदान शिविर का आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रेंगाटोला में संत निरंकारी चैरिटेबल फ़ाउंडेशन के द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसमाज के लोगो ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल ने फीता काटकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। जिसके पश्चात विधायक पटेल का संत निरंकारी के पदाधिकारियों के द्वारा शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। जिसके बाद जनप्रतिनिधि सहित समाज के वरिष्ठजनो युवा साथियो ने बड़ी संख्या में लगभग १०० से अधिक लोगो ने रक्तदान किया। वहीं रक्तदान करने वाले लोगो को प्रमाण पत्र भी दिया गया। इस दौरान संत निरंकारी मंडल के संयोजक प्रकाश खटवानी,जनपद सदस्य जीतू राजपूत, गिरधारी मसराम,नारायण गोमासे,जय चापुकर,दुर्वेश अंबाडकर सहित संत निरंकारी मिशन के सेवादार मौजूद रहें विधायक पटेल ने कहा की लोगो में इस बात का काफी लोगो को भृम है की रक्तदान करने से उनके शरीर में कमजोरी आ जायेगी और स्वास्थ्य पर काफी खराब असर पड़ता है । मगर ऐसा कुछ नही होता हमारे शरीर में प्रत्येक चार महीने में ब्लड का निर्माण होता है। हमें जब भी लोगो को रक्त की आवश्कता पड़े हमें जरूर रक्तदान करना चाहिए । रक्त के एक एक बूंद कीमती होता है, हमें इसका अहसास तब होता है जब आपात स्थिति में रक्त की हमें आवश्कता पड़ती है। विधायक पटेल ने कहा की रक्तदान से हम कई घायलों,बीमार लोगो को असामयिक मृत्यु से बचा सकते है । रक्तदान किसी व्यक्ति के जीवन की रक्षा करने से बड़ा और कोई काम नही है रक्तदान बड़े ही पुण्य का काम है। सड़क दुर्घटना में घायलों को बड़ी मात्रा में रक्त की आवश्कता होती है। रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नही आती है ,रक्तदान करने से आज के युग में कोई बड़ा दान नही है इसलिए सभी लोग रक्तदान करें और सभी को जगरूक करें।

घपलों की गुंजाइश

डिजिटल अर्थव्यवस्था की पहरेदारी के लिए जितने संसाधनों की जरूरत है वो बहुत ज्यादा लग सकते हैं, लेकिन हैदराबाद का एक हालिया मामला बताता है कि यह क्यों जरूरी है। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो देखने के बाद एक सेवानिवृत्त डॉक्टर 20 लाख रुपये से ज्यादा निवेश करने के लिए राजी हो गया। यह एक डीपफेक वीडियो था, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक निवेश योजना का प्रचार करती दिख रही थीं। इसी तरह के अन्य वीडियो भी घूमते रहे हैं, जिनमें सार्वजनिक व्यक्तियों को दिखा कर, धोखाधड़ी वाले क्रिप्टोकरेंसी मंचों को विश्वसनीयता प्रदान करने की कोशिश की गयी। ऐसे घपले व्यापक आबादी की सीमित तकनीकी साक्षरता, क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग में विनियामक खामियों, कृत्रिम बुद्धि (एआई)-जनित डीपफेक के नये इस्तेमाल और सोशल मीडिया मंचों की सीमित प्रतिक्रिया का फायदा उठाते हैं। स्मार्टफोन तक पहुंच के काफी विस्तार के बावजूद, बहुत से उपयोगकर्ता अब भी ऑनलाइन बहकावों को पहचानने में अक्षम हैं और फटाफट मुनाफे के वादों एवं लाभ के जाली सबूतों से प्रेरित हो जाते हैं। शिकायतें अक्सर तब सामने आती हैं जब रिटर्न निकालने की कोशिशें नाकाम हो जाती हैं। जन जागरूकता अभियान सब जगह समान रूप से नहीं पहुंचते और अक्सर सामान्य जानकारी वाले होते हैं, जो बहुत से लोगों को घपलों की चपेट में आने के जोखिम के साथ छोड़ देते हैं। इन घपलों में छल-कपट के लगातार परिष्कृत हो रहे रूपों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा, भारत सहित ज्यादातर देश अब भी उन्हें पारंपरिक सुरक्षा जितनी स्पष्टता के साथ वर्गीकृत नहीं करते, जो ऐसा वातावरण निर्मित करता है जिसमें धोखाधड़ी करने वाले सजा से बेखौफ होकर काम करते हैं। कइयों का ठिकाना विदेश है, वे वॉलेट्स की जटिल श्रृंखलाओं के जरिए काम करते हैं और रातोंरात गायब हो सकते हैं। हालांकि पुलिस इकाइयों ने सामर्थ्य विकसित किया है, लेकिन राष्ट्रीय सीमाएं उनका रास्ता रोक लेती हैं।

सोशल मीडिया मंच, जो इन घपलों का मुख्य जरिया बनते हैं, अक्सर निष्क्रिय प्रतिक्रिया देते हैं। हालांकि इंस्टाग्राम जैसी कंपनियां घपलों से बचने को लेकर सलाह प्रकाशित करती हैं और रिपोर्ट करने का तंत्र प्रदान करती हैं, लेकिन धोखाधड़ी वाले वीडियो और एकाउंट तब तक सुलभ रहते हैं जब तक कि उन्हें हटा नहीं दिया जाता। इन मंचों की नीतियां ऐसी सामग्री की सक्रियतापूर्वक पहचान करने के बजाय, उपयोगकर्ताओं द्वारा आत्म-सुरक्षा पर जोर देती हैं। इसका मतलब यह है कि सामग्री हटाने की दरख्वास्त के निपटारे से पहले ये घपले शिकार फंसाने के लिए काफी समय तक प्रसारित होते हैं। वैश्विक सामग्री का विशाल पैमाना मैनुअल समीक्षा को धीमा बनाता है, जबकि स्वचालित मॉडरेशन सिस्टम हेरा-फेरी किये गये वीडियोज की पहचान करने तक सीमित रहते हैं। चूंकि ये उपयोगकर्ताओं की भागीदारी (यूजर इन्गेजमेंट) से मुनाफा कमाने वाली प्राइवेट कंपनियां हैं, इसलिए सोशल मीडिया मंच निरंतर निगरानी, जिसमें उपयोगकर्ताओं द्वारा अपलोड सामग्री में ताक-झांक शामिल होगी, से बचना पसंद करते हैं। इसका नतीजा यह है कि डीपफेक घपलों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में देखा जाता है, न कि व्यवस्थागत कमजोरी के रूप में। तीन उपाय जरूरी हैं। पहला, धोखाधड़ी वाली योजनाओं के काम करने के लिए जो गुंजाइश है उसे सीमित करने के वास्ते सरकारों को पंजीकरण, खुलासा (डिस्क्लोजर), और सीमा-पार सहयोग के मानक परिभाषित करने चाहिए। दूसरी, तकनीकी साक्षरता को सार्वजनिक नीति की प्राथमिकता के रूप में लिया जाना चाहिए। जागरूकता संबंधी प्रयासों को पुलिस इकाइयों द्वारा समय-समय पर अभियानों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि लगातार और शिक्षा संस्थाओं द्वारा समर्थित होना चाहिए। तीसरा, सोशल मीडिया मंचों के लिए धोखाधड़ी वाली सामग्री सक्रियतापूर्वक हटाना जरूरी होना चाहिए। इनके बगैर, ऐसे घपले भारी इन्सानी और माली नुकसान का कारण बने रहेंगे।

अनियंत्रित इस्राईल : विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा ख़तरा

गत 9 सितंबर को दोपहर बाद इस्राईल के 15 फ़ाइटर जेट्स और 10 से अधिक म्यूनिशन ने जिसमें स्टैंड-ऑफ़ मिसाइलें और स्टील्थ तकनीक शामिल थी, ने इस्राईल से 1800 किलोमीटर की उड़ान भरकर क़तर की राजधानी दोहा के कटारा और वेस्ट बे लैगून इलाक़ों में हमले करके उन सभी इमारतों को उड़ा दिया जहां हमास के कई शीर्ष नेता या तो रहा करते थे या उनके कार्यालय थे। इस हमले में 40 से ज़्यादा लोग मारे गए। हमास ने दावा किया कि इस्राईली हमले में उनकी मुख्य वार्ताकार टीम बच गई, लेकिन पांच सदस्य, जिसमें ख़लील अल-हय्या का बेटा और एक क़तरी सुरक्षा अधिकारी शामिल था, मारे गए। क़तर में हुआ यह हमला मध्य पूर्व में तनाव को और बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। इस्राईल के इस क़दम को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बड़ा ख़तरा माना जा रहा है। यह पहला अवसर है जबकि इस्राईल ने अपने लक्ष्य को भेदने की ग़रज़ से क़तर में हमला किया है। इस हमले के तुरंत बाद क़तर ने अपने हवाई क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी। हालांकि, क़तर एयरवेज की उड़ानें सामान्य रूप से जारी रहीं। क़तर के प्रधानमंत्री शेख़ मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी ने कहा कि यह हमला ग़ज़ा में युद्ध विराम की मध्यस्थता के लिए क़तर के प्रयासों को पटरी से उतार सकता है। क़तर ने इस हमले को 卐कायराना卐 और 卐अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों का घोर उल्लंघन卐 क़रार दिया। क़तर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद अल-अंसारी ने इस हमले को क़तर की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए ख़तरा बताया।

उधर इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इस्राईल सुरक्षा बलों ने इस हमले की पूरी ज़िम्मेदारी लेते हुये कहा कि यह हमला सटीक हथियारों से और पुख़्ता ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर किया गया, ताकि नागरिकों को नुक़सान कम हो। इस्राईल के अनुसार हमास के नेता, जिन्हें दोहा में निशाना बनाया गया वही 7 अक्टूबर 2023 के हमले के लिए ज़िम्मेदार थे और ग़ज़ा में युद्ध को संचालित कर रहे थे। अमेरिका में

इस्राईली राजदूत ने यह भी कहा कि अगर इस हमले में हमास के कुछ नेता बच गए हैं तो अगले हमले में उन्हें भी निशाना बनाया जाएगा। इस क़दम को इस्राईल की आक्रामक रणनीति के उस हिस्से की शक्ल में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य हमास को पूरी तरह समाप्त करना है, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न हो। परन्तु हमास नेताओं को लक्षित कर क़तर पर किये गये इस्राईली हमले को एक अभूतपूर्व क़दम के रूप में इसलिये देखा जा रहा है क्योंकि क़तर अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और ग़ज़ा युद्धविराम वार्ता का मध्यस्थ है। क़तर में ही अमेरिका का अल-उदईद एयरबेस भी है जहां क़रीब 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यह एयरबेस इस्राईल द्वारा किये गये हमले की जगह से केवल 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस्राईल की इस आक्रामक कार्रवाई ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव को और बढ़ा दिया है, और ग़ज़ा में शांति प्रक्रिया को और जटिल कर दिया है। इस हमले ने मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव को भी कमज़ोर किया है और तुर्की जैसे अन्य देशों के लिए भी ख़तरे की आशंका पैदा की है

इस्राईल की इस आक्रामक व उकसाने वाली कार्रवाई की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की है। क़तर सरकार ने हमले को 卐आपराधिक हमला卐 क़रार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन बताया है । क़तर ने अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी उपायों का समर्थन किया। जबकि जॉर्डन के किंगअब्दुल्ला द्वितीय ने फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाक़ात के दौरान क़तर में हुये इस्राईली हमले की निंदा की। उन्होंने इज़राइल के ग़ज़ा पर नियंत्रण बढ़ाने और वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार को भी ख़ारिज किया साथ ही ग़ज़ा में युद्धविराम, मानवीय सहायता और द्वि - राष्ट्र समाधान पर ज़ोर दिया। वहीं संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख़ अब्दुल्ला बिन ज़ायद ने मिस्र के विदेश मंत्री से मुलाक़ात में इस हमले को अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा यूएन चार्टर का उल्लंघन क़रार दिया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर इस्राईल की 卐आक्रामकताओं卐 को रोकने की अपील भी की। इसी तरह मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फ़तह अल-सीसी ने कुवैत के अमीर से फ़ोन पर हुई बातचीत में क़तर के प्रति 卐पूर्ण एकजुटता卐 व्यक्त करते हुये इस हमले को क़तर की संप्रभुता पर अस्वीकार्य अतिक्रमण बताया और इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन क़रार दिया। जबकि कुवैत के अमीर, शेख़ मिशाल अल-अहमद अल-जाबर अल-सबाह ने भी हमले को संप्रभुता पर अतिक्रमण बताया और अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन क़रार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने इस हमले को 卐आतंकवादी आक्रामकता卐 बताते हुये क़तर के प्रति एकजुटता व्यक्त की और इज़राइल को क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति के लिए 卐तत्काल ख़तरा卐 बताया। ट्यूनीशिया के विदेश मंत्रालय ने भी हमले को 卐कुटिल और दुष्ट हमला卐 क़रार देते हुये क़तर के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की और अरब सुरक्षा को इस्राईल के ख़तरों से बचाने पर ज़ोर दिया। दुनिया के कई देशों ने इस हमले को लेकर सुरक्षा परिषद् की आपात बैठक बुलाने की बात भी की।

अभी क़तर के हमले को लेकर दुनिया के अनेक देश अपनी तीखी प्रतिक्रिया दे ही रहे थे कि इसी बीच नेतन्याहू ने यह घोषणा भी कर दी कि ग़ज़ा के 40 प्रतिशत हिस्से पर इस्राईली सुरक्षा बालों का नियंत्रण हो चुका है। साथ ही इस्राईली सुरक्षा बालों की ओर से ग़ज़ा में बचे शेष लोगों से भी ग़ज़ा छोड़ने को कहा गया है। और इसी के अगले दिन यानी 11 सितंबर को इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर फ़िलिस्तीनी राज्य के अस्तित्व को मानने से ही स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया। उन्होंने वेस्ट बैंक के मा%अले अदुमिम निपटान में एक समारोह के दौरान कहा कि 卐फ़िलिस्तीनी राज्य नहीं बनेगा卐 और 卐यह जगह हमारी है।卐 यह बयान उस समय दिया गया जब वे एक विवादास्पद निपटान विस्तार समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे थे, जो फ़िलिस्तीनी क्षेत्र को विभाजित करने का प्रयास माना जा रहा है। दक्षिणपंथी नेतन्याहू पहले भी द्वि राष्ट्र का विरोध करते रहे हैं। उनका यह ताज़ा बयान भी फ़िलिस्तीनी राज्य की संभावना को नष्ट करने का प्रयास माना जा रहा है। नेतन्याहू उस फ़िलिस्तीनी राज्य के अस्तित्व को मानने से इंकार कर रहे हैं जिसने जर्मन से हिटलर द्वारा निष्कासित इन्हीं यहूदियों को मानवता के नाते अपनी धरती पर पनाह दी। अभी पिछले दिनों फ़िलिस्तीन को राज्य का दर्जा देने के पक्ष में संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत सहित 142 देशों द्वारा एक बार फिर मतदान किया गया। फ़िलिस्तीन के समर्थन में आये इस प्रस्ताव में इस्राईल द्वारा की जा रही हिंसा की निंदा की गयी साथ ही ग़ज़ा में इस्राईली बस्ती बसाने की योजना को भी समाप्त करने की मांग की गई है। अमेरिका व इस्राईल सहित केवल 10 देशों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया जबकि शेष दुनिया फ़िलिस्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी। परन्तु अतिवादी सोच के नेतन्याहू पूरी दुनिया को ठेंगा दिखाने की ठाने हुये हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि मानवता के दुश्मन व अंतर्राष्ट्रीय नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वाले दक्षिणपंथी नेतन्याहू फ़िलिस्तीन में अपना जंगल राज स्थापित करना चाहते हैं। मानवता की रक्षा के लिये ऐसे कुत्सित इस्राईली प्रयासों को पूरे विश्व को मिलकर रोकना होगा।

तनवीर जाफ़री

भारत की डिजिटल क्रांति: परिवर्तन का एक दशक और भावी योजना

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। जो प्रक्रिया लक्षित प्रौद्योगिकीय अंत:क्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई थी वह अब एक व्यापक परिवर्तन के रूप में विकसित हो चुकी है, जो भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वाणिज्य, और देश के कोने-कोने में बसे किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है। यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग, और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय, और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने में ज़मीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया, तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर, और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर प्रणाली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है। जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ, करोड़ों लोगों को, जो पहले वित्तीय प्रणाली की पहुंच से बाहर थे, उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है। ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदम: एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्ज़ी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज, भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेनदेन होते हैं, और यहाँ तक कि सड़क किनारे के विक्रेता वाले भी एक साधारण क्यूआर कोड के ज़रिए डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत के डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को धीरे-धीरे और निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुँचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज़-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढाँचा तैयार किया। डिजी-लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हस्ताक्षर ने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज़-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है। यह त्वरित चेक-इन, बेहतर यात्री अनुभव और बेहतर हवाई अड्डे की क्षमता में सुधार सुनिश्चित करती है, साथ ही विकेंद्रीकृत पहचान प्रबंधन के माध्यम से डेटा गोपनीयता की सुरक्षा भी करती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं - ये एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं। डिजिटल गवर्नेंस ने भी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिज़ाइन किए गए, जेम ने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है - जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हस्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था। कृषि क्षेत्र, जिसे प्राय: परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरु कर दिया है। पीएम-किसान जैसे प्लेटफॉर्म ने यह सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुँचे। ई-नैम ने राज्यों की कृषि मंडियों को जोड़ा, जिससे किसानों को अपनी उपज के बेहतर दाम मिल सके। डिजिटल मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने उन्हें यह समझने में मदद की कि उन्हें कौन सी फसलें उगानी चाहिए और अपनी भूमि में कौन से पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए। झारखंड के ग्रामीण-क्षेत्रों में, स्थानीय उद्यमियों द्वारा संचालित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) उनके लिए एक प्रकार से डिजिटल जीवन रेखा बन गए, जो टेली-मेडिसिन से लेकर बैंकिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों तक, हर चीज की पेशकश करते हैं। महामारी भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के लिए एक कठिन परीक्षा थी जिसमें हम बखूबी सफल हुए। स्कूल बंद होने के बावजूद, दीक्षा और स्वयं जैसे प्लेटफॉर्मों ने यह सुनिश्चित किया कि पढ़ाई अनवरत चलती रहे। लद्दाख और केरल के छात्र भी भारत भर के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने अपना आकार लिया, जिससे नागरिकों को एक डिजिटल आईडी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँच प्राप्त हुई और अस्पतालों एवं राज्यों में एक सहज वातावरण बन सका। वाणिज्य में भी एक शांत क्रांति देखी गई। डीपीआईआईटी की एक पहल, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) अब छोटी किराना दुकानों और हथकरघा बुनकरों को बड़ी ई-कामर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बना रही है। डिजिटल कॉमर्स के कार्यों को एकीकृत करके, ओएनडीसी प्रतिस्पर्धा के मैदान को समतल कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छोटे व्यवसाय आसानी से लॉजिस्टिक्स, भुगतान और ग्राहक प्रतिक्रिया प्रणालियों तक पहुँच सकें। नीति आयोग की अभिसरण भूमिका—मंत्रालयों, राज्यों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत को एकजुट करना है—जो सुनिश्चित करता है कि डिजिटल सार्वजनिक वस्तुएँ अंतर-संचालनीय, समावेशी और स्केलेबल हों। जैसे-जैसे भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, नए आयाम उभर रहे हैं- एआई-सक्षम शासन, विकेन्द्रीकृत वाणिज्य, और बहुभाषी, मोबाइल-प्रथम डिजिटल सेवाएँ जो देश के सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुँच सकती हैं। लेकिन यह सिर्फ़ एक सरकारी सफलता से जुड़ी कहानी नहीं है। यह एक राष्ट्र की कहानी है—करोड़ों नागरिकों की कहानी है जिन्होंने बदलाव को अपनाया, उद्यमियों की कहानी है जो डिजिटल रेल पर आगे बढ़े, और स्थानीय लीडरों की कहानी है जिन्होंने सेवा वितरण की नई कल्पना की। भारत का डिजिटल दशक सिर्फ़ तकनीक का नहीं है—यह बदलाव का दशक भी है और यह कहानी का अभी प्रारंभिक चरण ही है।

-राव इंद्रजीत सिंह

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया : आधुनिक भारत के विश्वकर्मा और विकास के अग्रदूत

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। दरअसल आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता। मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है। देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुलों, सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं। इंजीनियरिंग के बारे में अमेरिका के जाने-माने इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कहा था कि विज्ञान का अर्थ है जानना जबकि इंजीनियरिंग का अर्थ है करना अथवा करके दिखाना।

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'डीप टेक और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता- भारत के टेकएड को आगे बढ़ाना' थीम के साथ मनाया जा रहा है, जो भारत की तकनीकी यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रही है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है। देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूर के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूर में कृष्णाराज सागर बांध, पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध, ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए। हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी 'फादर ऑफ मॉडर्न मैसूर स्टेट' कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है। दरअसल मैसूर सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, परजीवी प्रयोगशाला, श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सेंचुरी क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी।

विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है। उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे। विशाखापत्तनम बंदरगाह की समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। घर-घर में प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने के अलावा गंदे पानी की निकासी के लिए नाली-

नालों की समुचित व्यवस्था भी विश्वेश्वरैया ने ही की थी। तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी। उनके इन प्रयासों ने ही आधुनिक भारत की रचना करने के साथ देश को एक नया रूप भी प्रदान किया। 1955 में उन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एम विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया। तभी से प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस वास्तव में देश के विकास में योगदान देने और देश का मान बढ़ाने वाले इंजीनियरों के सम्मान में समर्पित होता है।

शुरुआती पढ़ाई मैसूर में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके बाद मैसूर सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। 1883 की एल.सी.ई. और एफ.सी.ई. परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया। एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया। विश्वेश्वरैया एक आदर्शवादी और अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे, जो अपने हर कार्य को परफैक्शन के साथ करते थे। 92 वर्ष की आयु में भी वे बिना किसी सहारे के चलते थे और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते थे। कोई भाषण देने से पहले वे स्वयं उसे लिखते थे और फिर कई बार उसका अभ्यास करते थे। अपनी योग्यता से उन्होंने बड़े-बड़े ब्रिटिश इंजीनियरों के समक्ष भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का लोहा मनवाया। 1905 में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एंपायर' से सम्मानित किया गया था। विश्वेश्वरैया वर्ष 1912 से 1918 तक मैसूर के 19वें दीवान रहे।

1903 में विश्वेश्वरैया ने पुणे के खड़कवासला जलाशय में ऐसा बांध बनवाया, जिसमें इस्पात के ऐसे दरवाजे थे, जो बाढ़ के दबाव को भी झेल सकते थे और इससे बांध को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता था। उस बांध की सफलता के बाद उन्होंने ग्वालियर में तिगरा बांध भी बनवाया। 1932 में कावेरी नदी पर बने कृष्णा राज सागर बांध के निर्माण परियोजना में वे चीफ इंजीनियर थे। हालांकि उस बांध के निर्माण का कार्य बेहद कठिन कार्य था क्योंकि उस समय देश में सीमेंट का उत्पादन नहीं होता था लेकिन दृढ़ इरादों के धनी विश्वेश्वरैया ने इंजीनियरों के साथ मिलकर सीमेंट से कहीं ज्यादा मजबूत 'मोर्टार' तैयार किया और उससे उस बांध का निर्माण कराया, जिसमें कावेरी, हेमावती और लक्ष्मण तीर्थ नदियां आपस में मिलती है। उस समय इस बांध को एशिया का सबसे बड़ा बांध कहा जाता था। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ऐसे ही अद्भुत कार्यों के कारण विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को उन्हें सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 14 अप्रैल 1962 को 101 वर्ष की आयु में विश्वेश्वरैया का निधन बेंगलुरू में हुआ।

भारत में जहां प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है, वहीं कई अन्य देशों में भी यह दिवस अलग-अलग अवसरों पर मनाया जाता है। यह दिवस ईरान में 24 फरवरी, बेल्जियम में 20 मार्च, आइसलैंड में 10 अप्रैल, बांग्लादेश में 7 मई, पेरू में 8 जून, इटली में 15 जून, अर्जेंटीना में 16 जून, मैक्सिको में 1 जुलाई, कोलम्बिया में 17 अगस्त, रोमानिया में 14 सितम्बर और तुर्की में 5 दिसम्बर को मनाया जाता है। वैसे भारत सहित सभी देशों में इस दिवस के आयोजन का मूल उद्देश्य अपने देश के इंजीनियरों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा उनके कार्य की सराहना करना ही है।

- योगेश कुमार गोयल

श्इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। खेंरची माँग की मजबूती से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। दलहनों में चने में लेवाली ठंडी रहने से बाजार मंदी पर रहे। तुअर व मूंग में तेजी आयी। किराना जिंसों में हरि इलायची में सुधार आया।

किराना - शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। शक्कर में पूछपरख से भावों में मजबूती आयी और शक्कर बाजार 20-30 रू. प्रति क्व?िटल की तेजी बना गये। शक्कर में बाजार 4240-4260 रू. प्रति क्व?िटल पर मजबूत रहे। खोपरा गोला 325-375 रू. प्रति किलो पर बना रहा। जीरे में दिसावरी सुस्ती से बाजार नरमी के रहे। जीरे में ऊँझा क्वाल?िटी मालों में बाजार 235-240 रू. प्रति किलो पर आ गये। बादाम गिरी व काजू में पूछपरख से भावों में सुधार देखा जा रहा है। बादाम मगज में बाजार 845-865 रू. प्रति किलो पर आ गये। काजू में भी 50 रू. प्रति किलो तक का सुधार आया। नारियलों में बाजार 100-150 रू. प्रति थैले की तेजी बना गये। अन्य किराना जिंसों में भाव बने रहे।

तेल तिलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। ताजा खेंरची माँग से थोक में बाजार मजबूत दिखाई दिये। आलौच्य सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1340-1370 रू. प्रति 10 किलो के मध्य रहा। वहीं, सोया तेल रिफाइंड मालों में 5-10 रू. प्रति 10 किलो सुधरकर 1270-1280 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। तिलहनों में सोयाबीन में मौसम खुलने के साथ ही आवकें सुधरने से भावों में नरमी की स्थ?ित? रही। सोयाबीन में बाजार 4500-4600 रू. प्रति क्व?िटल से 4400-4500 रू. प्रति क्व?िटल पर आ गये। सरसो व रायडे में बाजार मजबूत बने रहे।

दाल दलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार की मात्रा अच्छी रही। चने में सप्ताह आरंभ में आवकों की सुस्ती से बाजार मजबूत रहे। वहीं, सप्ताहंत में सुस्त उठाव से भावों में नरमी आयी। चने में बाजार 6100 रू. प्रति क्व?िटल पर सुस्त नज़र आये। उड़द व मूंग में व्यापार की मात्रा कम ही रही। मसूर में 6100-6150 रू. प्रति क्व?िटल पर बाजार बने रहे।

इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, निवेशकों को दांव लगाने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली। प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते पाच कंपनियों के आईपीओ ओपन हो रहे हैं। इसमें तीन कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड के हैं। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का साइज 38.99 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ सोमवार को खुल रहा है। निवेशकों के पास 17 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का प्राइस बैंड 183 रुपए से 190 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम दो लॉट पर एक साथ दांव लगाने होंगे। टेकडी साइबरसिक्योरिटी लिमिटेड एनएसई का आईपीओ ग्रे मार्केट में कंपनी में 160 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जो कि निवेशकों के नजरिए से अच्छा है।

सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ 17 सितंबर से 19 सितंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 114 रुपए से 120 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का है, लेकिन एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2,88,000 रुपए का इंवेस्टमेंट करना होगा। इस एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए है।

जेडी केबल्स आईपीओ 18 सितंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 22 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का लॉट साइज 800 शेयरों का है। एक रिटेल निवेशक को कम से कम 1600 शेयरों पर दांव लगाना होगा। बता दें इस आईपीओ का जीएमपी आज 25 रुपए प्रति शेयर है।

यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी के आईपीओ का साइज 451.31 करोड़ रुपए का है। यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 16 सितंबर को खोला जाएगा। निवेशकों के पास 18 सितंबर तक दांव लगाने का मौका होगा। मेनबोर्ड आईपीओ का प्राइस बैंड 235 रुपए से 247 रुपए प्रति शेयर है। आईपीओ का लॉट साइज 60 शेयरों का है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14,820 रुपए का दांव लगाना होगा।

वीएमएस टीएमटी आईपीओ यह भी एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी का आईपीओ 17 सितंबर को ओपन होगा। निवेशकों के पास 19 सितंबर तक का मौका होगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 94 रुपए से 99 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 150 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14850 रुपए का दांव लगाना होगा। इस आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए प्रति शेयर है।

अडाणी पावर बिहार में लगाएगी नया बिजली संयंत्र, 3 अरब डॉलर का करेगी निवेश

पटना,। अडाणी पावर ने बिहार में एक नया बिजली संयंत्र लगाने की घोषणा की है। यह संयंत्र 2400 मेगावाट का होगा और इसमें करीब 26,482 करोड़ रुपए यानी 3 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह संयंत्र भगलपुर जिले के पिरपैंती में बनेगा। कंपनी ने बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के लिए बिजली आपूर्ति का समझौता किया है।

अडाणी पावर को यह प्रोजेक्ट अगस्त में मिला था। कंपनी ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के लिए सबसे कम 6.075 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली देने का वादा किया। इस संयंत्र में तीन यूनिट होंगी, और प्रत्येक यूनिट 800 मेगावाट की होगी। इसे डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट मॉडल के तहत बनाया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य 60 महीनों में इस संयंत्र को शुरू करने का है।

इस संयंत्र के लिए कोयले की आपूर्ति भारत सरकार की शक्ति नीति के तहत की जाएगी। निर्माण के दौरान 10,000 से 12,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार दिया जाएगा। संयंत्र शुरू होने के बाद करीब 3,000 लोगों को नियमित नौकरी मिलेगी। अडाणी पावर जो गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी ग्रुप का हिस्सा है, भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट थर्मल पावर कंपनी है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपकी कोई अधूरी इच्छा पूरी हो सकती है और आप अपनी आय को बढ़ाने के लिए मेहनत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आपके बॉस आपसे काफी खुश रहेंगे, लेकिन वाहनों का प्रयोग आप जल्दबाजी में ना करें। परोपकार के कार्य से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपको झूठा साबित करने की कोशिश करेगा। आप किसी अजनबी से लेन-देन ना करें।

वृषभ- आज आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपको अपने रूपए पैसे से संबंधित कोई जरूरी जानकारी किसी को नहीं देनी है। शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करने वाले लोगों को थोड़ा समझदारी दिखानी होगी। आपका कोई परिजन आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है। दोस्तों के साथ आप किसी पार्टी आदि को करने की योजना बनाएंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा। आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए मेहनत जारी रखनी होगी। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आ सकती हैं। आप आज संतान की फरमाइश पर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़ा परेशान ही रहेंगे, लेकिन आपको किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचना होगा।

कर्क - आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आप आज कोई फैसला बहुत ही समझदारी से ले। पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटाएं। किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी की यदि आप योजना बना रहे थे, तो उसके लिए आप कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं। किसी सरकारी मामले में फैसला आने में कुछ समय और लगेगा। आपका मन में थोड़ी निराशा हो सकती है और अधिकारियों की कृपा पर बनी रहेगी। आप अपने कर्जो को भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे।

सिंह - आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको कामों में अच्छे सफलता हासिल होगी। आप किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहेंगे और कोई रुका हुआ काम पूरा करने के पूरे कोशिश करेंगे। बिजनेस में आप योजनाओं को लेकर अपने पार्टनर से बातचीत कर सकते हैं। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे और आपको इन्वेस्टमेंट संबंधित कोई प्लान मिले, तो उसमें इनवेस्टमेंट सोच समझकर करें। धन-धान्य में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए रहेगा। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें और वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें, इसलिए किसी से मांगकर वाहन ना चलाएं। यदि आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसे कुछ समय के लिए स्थापित कर दें।

तुला- आज का दिन आपके लिए सावधान रहकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपके विरोधी सतर्क रहेंगे, जो आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है और आप अपनी इन्कम को बढ़ाने के कोई किसी मौके भी हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अपने पारिवारिक खर्चों पर पूरा ध्यान देना होगा। सेहत आपकी नरम गरम रहेगी, जिसको लेकर एहतियात बरतनी होगी। आपकी जीवनसाथी से खटखटा हो सकती है। आपको उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करनी होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। सरकारी कामों को करने की योजना बना सकते हैं। आपको अपने किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर थोड़ा सा ध्यान रखना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको अपने आसपास में हो रहे वाद-विवाद से दूरी बनाकर रखनी होगी। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं, अविवाहित जातकों के जीवन में किसी नये मेहमान की दस्तक हो सकती है। आपके सगे-संबंधी आपके कामो में पूरा साथ देंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी नए काम को करना बेहतर रहेगा। आपके रिश्तेदारों से आपका किसी बात को लेकर वाद-विवाद छिड़ सकता है। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको महिला मित्रों से व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। आप अपनी किसी पुराने गलती से सबक ले और उसे दोबारा ना दोहराएं, तभी आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

मीन - आज आपके मन में कुछ संशय रहने के कारण उलझनों का सामना करना पड़ेगा। आपकी कोई डील भी फाइनल होते-होते लटक सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपके साथी आपको तनाव दे सकते हैं। आप किसी दूसरे नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। आपकी किसी बात को लेकर जीवनसाथी से कहासुनी होने की संभावना है।

शब्दजाल - 8021

शब्द जाल में महाराष्ट्र के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अ	क	मु	ग	ल	ए	अ	ला	तु	र	व
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कां	ड़
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	द	दि	वा	स	ढा	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	न	ज	ना	प	णा	झ	ड़
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ग	मी	या	प	र	भ	नां	व	को
सां	एं	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	री	औ	प	पु
क	ग	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

अहमदनगर, अमरावती, नागपुर, वर्धा, बुलढाणा,लातुर, नांदेड़, कोल्हापुर, सांगली, परभणी

शब्दजाल - 8020 का हल

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	झ	ल	द्र	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	ल	या	तू	ग	झ	ध
जी	क	ल	ल	ह	झ	पू	ग	ण	घ	म
उ	आ	नै	नी	ता	ल	ल	श	र	ला	सिं
क	त्त	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6965

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6964

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.02 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.13 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.27 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.48 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.38 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.18 बजे से
		मिथुन	23.16 बजे से
		कर्क	01.30 बजे से
		सिंह	03.46 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 257 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 08.41 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 07.35 बजे तदनन्तर सिद्धि(असृक)04.55 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बालव 16.03 बजे तदनन्तर कौलव 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872467 **जूलियन दिन** 2460932.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 21 **विशेष** अष्टमी श्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत, महालक्ष्मी व्रत समाप्त, अष्टमी रोहिणी, हिन्दी दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सफलता का रहस्य

किसी गांव में रमेश और दीपक नामक दो मूर्तिकार रहते थे। रमेश की बनाई प्रतिमाएं इतनी सुंदर होती थीं कि लोग उन्हें मुंहमांगे दामों पर खरीद लेते थे। दीपक की मूर्तियां कोई नहीं खरीदता था। एक दिन दीपक ने देखा कि रमेश प्रतिमाएं बनाने में व्यस्त है। उस समय पास से एक सेठ की बरात गुजर रही थी। बरात में बहुत सारे लोग शामिल थे। ढोल-नगाड़े बज रहे थे और आतिशबाजी भी हो रही थी। रमेश प्रतिमाएं बनाने में व्यस्त रहा, उसने बरात की ओर देखा तक नहीं। यह देखकर दीपक रमेश के पास पहुंचा और बोला, 'अभी यहां से बरात गुजरी थी। गांव के सभी लोगों ने अपने-अपने काम छोड़कर बरात को देखा, पर तुमने तो नजर भी नहीं उठाई।' दीपक की बात सुनकर रमेश भौंचक रह गया। उसने आश्चर्य से कहा, 'तुम किस बरात की बात कर रहे हो। मैंने तो किसी बरात के गुजरने की आवाज नहीं सुनी।' दीपक ने कहा, 'अरे भाई कुछ ही देर पहले एक बरात गुजरी है। सभी ने उसे देखा और ढोल-नगाड़ों की आवाज भी सुनी। ऐसा कैसे हो सकता है कि तुम्हें पता ही न लगा हो?' दीपक की बात सुनकर रमेश बोला, 'मैं जब अपना कार्य करता हूं तो मेरा संपूर्ण ध्यान सिर्फउस कार्य पर ही केंद्रित रहता है। यहां तक कि उस समय मुझे अपने शरीर की भी सुध नहीं रहती।' रमेश की बात सुनकर दीपक को उसकी सफलता का कारण समझ में गया। वह जान गया कि एक कलाकार के लिए एकाग्रता सबसे बड़ी चीज है। उस दिन से वह भी ध्यान लगाकर काम करने लगा।

सूडोकु नवताल- 7274

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7273 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 8489

बाएँ से दाएँ

1.दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3.रहस्य का ज्ञाता-4
6.खुशबू,सुगंध-3
7.सौ,सैकड़ा,शतक-2
8.दुलारा,लाड़ला-2
10.नाम रखना-5
12.दाम,मूल्य,दर-3
15.अग्नि,आग-3
17.सम्मान देना -2,3
20.जन्नत,अप्सरा-2
22.दाम,कीमत-2
23.स्थान-3
24.अचरज भरा कार्य-4
25.गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2.न्यूनता,कमी-5
3.अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4.आवश्यकता-4
5.राजी करना,मान मनुहार करना-3
7.वहम,संदेह-2
9.भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11.मैला,दागदार-3
13.धोखेबाज,कपटी-3
14.मन मोहने वाला-5
15.अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16.रक्त,खून-2
18.आनेवाला दिन-2
19.नृत्य करना-3
21.चांदी-3

शब्द पहेली -8488 का हल

	ल	ह	र		क	ल	ह	
श	व		ह		मी		क	म
री		ह	म	रा	ज			ह
फ	की	र		ही		ब	हु	ल
		द	ल		कै	द		
स	न	म		रा		ना	र	द
ली			स	त	ना	म		म
का	न		र		वि		जा	न
	त	र	ल		क	हा	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

जीएसटी में हुए बदलाव को भुनाने की तैयारी में बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों...22 सितंबर से शुरु हो रही सेल

मुंबई। फ्लिपकार्ट और अमेजन सहित तमाम बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्यौहारों का दौर शुरू होने से पहले बदली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था का फायदा उठाने की तैयारी पूरी कर ली है। दरें बदलने से साल 2025 के त्यौहारी बिक्री 27 फीसदी बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। ई-कॉमर्स कंपनियों को त्यौहारों में जमकर खरीदारी होने की उम्मीद है। इसीलिए उन्होंने अपने प्लेटफॉर्म अपडेट कर लिए हैं और हजारों विक्रेताओं को 22 सितंबर से लागू होने वाले नए कर कोड के बारे में प्रशिक्षित किया है।

एक प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'बैकएंड सॉल्यूशन तैयार करने, विक्रेताओं को बदले जीएसटी कोड की जानकारी देने और नई कर व्यवस्था के हिसाब से ढलने में प्रौद्योगिकी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे विक्रेताओं के लिए नियमों का पालन करना और सुगमता के साथ कारोबार करना बहुत आसान हो गया है। त्यौहारी सीजन नजदीक आने के कारण हमें जबरदस्त मांग और खपत में तेज इजाफे की उम्मीद है।' जीएसटी व्यवस्था में आए बदलाव से त्यौहारों में बिक्री और तेज होने की उम्मीद है क्योंकि जब खरीदारी चरम पर होगी, तब कर में बचत का फायदा उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। इससे बिक्री में 15-20 फीसदी इजाफा अलग से होने की संभावना है।

नई जीएसटी व्यवस्था में कई दरें हटाकर केवल 5 और 18 फीसदी दरों के स्लैब लागू हैं। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि जीएसटी दर में जो अंतर आया है, उससे खरीदार कुल मिलाकर 10 फीसदी तक बचत कर सकते हैं। त्यौहारी बिक्री के दौरान यह आंकड़ा करीब 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। टीवी, एसी और घरेलू उपकरण जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर खास तौर पर बचत होगी।

करों में सुधार बहुत अहम समय पर किया गया है और त्यौहारों से ठीक पहले इसके लागू होने से ई-कॉमर्स कंपनियों की बिक्री की रफ्तार काफी बढ़ सकती है। कुछ ई-कॉमर्स कंपनियों ने 22 सितंबर से पहले ही सेल शुरू कर दी हैं ताकि मौजूदा माल को खपाया जा सके।

कारोबारी को बिक्री के बाद छूट पर नहीं करनी होगी आईटीसी वापसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कारोबारियों के लिए बड़ा फैसला किया है। अब अगर सप्लायर बिक्री के बाद छूट के लिए फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट जारी करते हैं, तो खरीदार को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) वापस करने की जरूरत नहीं। यह छूट भले ही कम कीमत पर भुगतान के साथ दी जाए। सीबीआईसी ने एक सर्कुलर जारी कर इसकी जानकारी दी थी।

सीबीआईसी ने कहा कि फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट से सप्लाई की मूल टैक्सेबल वैल्यू पर कोई असर नहीं पड़ता यानी सप्लायर की मूल जीएसटी देनदारी में कोई बदलाव नहीं होगा। सर्कुलर में साफ लिखा है कि ऐसी छूट के मामले में खरीदार को अपने इनपुट टैक्स क्रेडिट में कोई कटौती नहीं करनी होगी। इसका मतलब है कि कारोबारी अब बिना किसी चिंता के छूट का फायदा ले सकेंगे। सर्कुलर में यह भी साफ किया कि मैन्युफैक्चरर द्वारा डीलरों को दी जाने वाली बिक्री के बाद की छूट को सर्विसेज के लिए भुगतान नहीं माना जाएगा। अगर डीलर किसी खास प्रमोशनल गतिविधि जैसे विज्ञापन या को-ब्रांडिंग के लिए समझौते के तहत काम करता है, तो उस सर्विस पर जीएसटी लागू होगा। यह नियम कारोबारियों को अपनी डीलरशिप और प्रमोशनल रणनीतियों को बेहतर ढंग से समझने में मददगार साबित होगा। केपीएमजी इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के राष्ट्रीय प्रमुख ने इसे एक स्वागत योग्य कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह सर्कुलर मैन्युफैक्चरर और डीलरों के बीच छूट से जुड़े लेनदेन पर पारदर्शिता लाएगा। इससे कारोबारियों को अपने सौदों को अमल में लाने में आसानी होगी और पुराने विवादों में कमी आएगी।

नेपाल में अंतरिम सरकार गठन के बाद हालात सुधरे, व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु

नई दिल्ली। अंतरिम सरकार गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात सामान्य होने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को रुपईडीहा बॉर्डर से यात्री वाहन, कार, बाइक, पैदल और मालवाहक ट्रक गुजरते नजर आए। बड़ी संख्या में कारोबारी ट्रक नेपाल में दाखिल हुए, जिससे व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु हो गई हैं। हालांकि, आम नागरिकों की आवाजाही अब भी सीमित है।इन सबके बीच, सीमा चौकियों पर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और नागरिकों व वाहनों की निगरानी कर रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हालात पहले की तुलना में शांत हैं और आने वाले दिनों में सामान्य जनजीवन बहाल होने की उम्मीद है। दरअसल, नेपाल में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर जेन-जी विरोध-प्रदर्शनों ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया था। प्रदर्शन की शुरुआत सरकार द्वारा कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बैन लगाने से हुई थी, लेकिन यह आंदोलन भ्रष्टाचार, राजनीतिक भाई-भतीजावाद, आर्थिक असमानता और युवाओं में बेरोजगारी को लेकर बड़ी लहर में बदल गया। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डिस्कॉर्ड जैसे माध्यमों ने इस नेतृत्वविहीन आंदोलन को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई। देखते-ही-देखते हजारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलन हिंसक झड़पों में बदल गया, जिसमें कई लोगों की जान भी गई और सरकारी भवनों, राजनीतिक दलों के दफ्तरों समेत बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। देशभर में बढ़ते जन दबाव और हिंसा की घटनाओं के बीच पीएम केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद नेपाल की राजनीति में अहम बदलाव हुए और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया।

फूटी पाइपलाइन से नलों में आ रहा गंदा पानी पीने को मजबूर वार्डवासी, दूषित पानी से स्वास्थ्य पर खतरा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के बालाघाट मार्ग पर स्थित नागपुर साड़ी सेंटर के सामने नल जल योजना की पाइपलाइन में दो स्थानों पर लगभग एक माह से अधिक समय से लीकेज की समस्या बनी हुई है। इस फूटी पाइपलाइन के कारण पानी की सप्लाई शुरू होते ही सड़क पर पानी बहने लगता है, और सप्लाई बंद होने पर बाहर का गंदा पानी पाइपलाइन में घुसकर नलों तक पहुंच रहा है। परिणामस्वरूप, वार्ड के निवासी गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। स्थानीय निवासियों ने इस समस्या की बार-बार शिकायत की है, लेकिन नगर परिषद के अधिकारी और कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। समस्या की शुरुआत लगभग एक महीने पहले हुई थी, जब पाइपलाइन में दो जगहों पर फूट गईं। पानी की सप्लाई के दौरान इन लीकेज से पानी सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है, जबकि सप्लाई बंद होने पर सड़क का गंदा पानी, जिसमें कीचड़, कचरा और प्रदूषित तत्व शामिल हैं, पाइपलाइन में वापस घुस जाता है। यह दूषित पानी सीधे घरों के नलों में पहुंच रहा है, जिसे पीने से लोगों में पेट दर्द, उल्टी और अन्य बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक साबित हो सकती है। वार्डवासी रोजाना इस गंदे पानी को पीने के लिए मजबूर हैं। कई बार पानी उबालकर पीते हैं, लेकिन फिर भी स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। अगर जल्दी ठीक नहीं किया गया तो महामारी फैल सकती है। इस समस्या को लेकर वार्डवासियों ने कई बार नगर परिषद के कर्मचारियों को अवगत कराया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब कर्मचारियों ने ध्यान नहीं दिया, तो मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भी शिकायत की। सीएमओ के हस्तक्षेप के बाद एक लीकेज की मरम्मत के लिए काम शुरू हुआ। कर्मचारियों ने चार दिनों तक खुदाई और मरम्मत का काम किया, लेकिन दुखद बात यह है कि मरम्मत के मात्र दूसरे दिन ही वही लीकेज फिर से फूट पड़ा और पानी बहने लगा। वहीं, दूसरे लीकेज को ठीक करने की कोशिश तक नहीं की गई। इससे साफ जाहिर होता है कि नगर परिषद के अधिकारी कर्मचारी काम के प्रति कितने लापरवाह है। यह समस्या न केवल पानी की बर्बादी का कारण बन रही है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा रही है। सड़क पर बहता पानी कीचड़ पैदा कर रहा है, साथ ही, दूषित पानी से संक्रामक रोगों का प्रसार हो सकता है, विशेषकर मानसून के बाद की इस अवधि में जब जलजनित बीमारियां आम हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में अधिकारी को तत्काल संज्ञान में लेकर तुरंत पाइपलाइन की स्थायी मरम्मत करे, दूषित पानी की जांच कराए और वार्ड वासियों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराए।

पीपलगांव में बाघ चौपाल लगाकर वन्यजीव संरक्षण और जागरूकता पर दी जानकारी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। वन वृत्त बालाघाट के मुख्य वन संरक्षक के निर्देश पर दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट के वनमंडल अधिकारी अधर गुप्ता और उपवनमंडल अधिकारी लांजी राकेश अड़कने के मार्गदर्शन में पश्चिम लांजी वन परिक्षेत्र के बीट पीपलगांव में एक बाघ चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष, सदस्यों और पीपलगांव के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के साथ होने वाले टकराव से बचाव के लिए आत्मरक्षा के उपायों के बारे में जागरूकता फैलाना और वन्यजीव संरक्षण के महत्व को समझाना था। इस दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से जंगल और वन्यजीवों से संबंधित एक फिल्म दिखाई गई, जिसने ग्रामीणों को जंगल के प्रति और अधिक जागरूक करने में मदद की। कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार, वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल पंचाले, परिक्षेत्र सहायक रविन्द्र सोनवाने, श्याम लाल चिचले, पवन पटले, वनरक्षक विशाल आसटकर, अमरनाथ नंदा, अमरदीप गजभिए, विभूति झा, संजय दुरुगकर सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारी और सुरक्षा श्रमिक उपस्थित रहे। साथ ही,

ग्राम पंचायत के ग्रामीण भी भारी संख्या में शामिल हुए। यह आयोजन न केवल वन्यजीव संरक्षण के प्रति

पुष्पकला बाई मस्करे का निधन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट रोड़ वार्ड क्रमांक 20 बिसोनी निवासी डॉ संजय मस्करे व कृष्णा मस्करे की मां पुष्पकला बाई मस्करे का 75 वर्ष की आयु में 14 सितंबर को सुबह 5 बजे निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार आज 15 सितंबर को सुबह 10 बजे कोटेश्वर मोक्ष धाम लांजी में किया जाएगा। इनके निधन पर समाज के परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

करुणागिरी समिति कलपाथरी का पुनर्गठन संपन्न

सी. एल. बोरकर बने अध्यक्ष

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में सक्रिय करुणागिरी समिति कलपाथरी का

पुनर्गठन 13 सितंबर 2025 को बुद्धघोष बुद्धविहार, दखनीटोला, लांजी में समिति के अध्यक्ष पी. डी. भालाधरे की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। करुणागिरी समिति 2013 से विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। समिति हर साल 1 जनवरी को भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस मनाती है, जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों से बौद्ध अनुयायी शामिल होकर 1818 में शहीद हुए महार सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। पुनर्गठन में निम्नलिखित पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें अध्यक्ष सी. एल. बोरकर, संरक्षक पी. डी. भालाधरे, महेंद्र मडामें, महासचिव ईश्वर बंसोड़, कोषाध्यक्ष अनिल शेंडे, उपाध्यक्ष मनोहर चौरे, उपाध्यक्ष (महिला) किरण गेडाम, कार्यालयीन सचिव महेंद्र मडामें, सहसचिव मनोज बारमाटे, इसके अलावा, महेंद्र बंसोड, रितेश बांसोड़, युवराज बारमाटे, विकेश मडामें, व्यंकट खोबरागड़े, विनोद गजभिए, राजकुमार भालाधरे, चंद्रशेखर मेश्राम सहित कई अन्य सदस्यों का भी मनोनयन किया गया। भविष्य में समिति में नए सदस्यों को शामिल करने की योजना है। निवर्तमान अध्यक्ष पी. डी. भालाधरे ने नवनिर्वाचित

सेवानिवृत्त उप निरीक्षक सहसराम घोरमारे पंचतत्व में विलीन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम दहेगांव निवासी मध्यप्रदेश पुलिस से सेवानिवृत्त हुये उप निरीक्षक सहसराम घोरमारे का 13 सितंबर की रात्रि लगभग 10 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे 1 पुत्र और 3 पुत्री सहित भरा-पुरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। जिनका अंतिम संस्कार 14 सितंबर को स्थानीय मोक्षधाम दहेगांव में किया गया। अंतिम यात्रा में रिश्तेदार, समाज और ग्राम के गणमान्य शामिल होकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है। शोक सभा के दौरान पुलिस विभाग में आपके बिताएं गए 40 वर्ष की सफलतम सेवा को याद किया गया। आपने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रो जिनमें बालाघाट, चांगोटोला, लामटा, रजेगांव, वारासिवनी, महकेपार, मण्डला बिछीया सहित अन्य थाना क्षेत्रो में अपनी सेवाऐं प्रदान की है आप अपने कर्तव्य के प्रति हमेशा सजग रहते हुये महकमे में सेवा प्रदान की है। आपके निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा शोक श्रृद्धांजलि अर्पित की गई।

शारदेय नवरात्र पर्व - मां भवानी की प्रतिमा व ज्योति कलशों की स्थापना के लिए तैयारियां जोरों पर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शारदेय नवरात्र का पवित्र पर्व 22 सितंबर से शुरू होने जा रहा है, जो 2 अक्टूबर को विजया दशमी के साथ संपन्न होगा। इस दौरान लांजी क्षेत्र में मां जगत-जननी भवानी की पूजा-अर्चना का उत्साह चरम पर होगा। मां दुर्गा के भक्तों में नवरात्र को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है, और क्षेत्र के प्रसिद्ध देवी मंदिरों, घरों, और सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

मंदिरों में सजावट और प्रकाश व्यवस्था

नवरात्र के इस पावन अवसर पर लांजी क्षेत्र के प्रमुख देवी मंदिरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन, और आकर्षक सजावट का कार्य तेजी से चल रहा है। मां लंजकाई मंदिर, मां गायत्री मंदिर, मां काली मंदिर, मां शीतला मंदिर, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर, दुर्गा मंदिर निमटोला, दुर्गा मंदिर बिसोनी, मां पांढरी पाट धाम वारी, भाडरासुर, माताघाट, कांद्रीघाट सहित सभी ग्रामीण माता मंदिरों को भव्य रूप दिया जा रहा है। मंदिर परिसरों को रंग-बिरंगे फूलों, पत्तियों, और विद्युत सज्जा से सजाया जा रहा है, जिससे माहौल भक्तिमय और उत्सवमय हो गया है।

ज्योति कलश स्थापना और भक्ति कार्यक्रम

नवरात्र के नौ दिनों तक भक्तों द्वारा मां भवानी की उपासना के लिए ज्योति कलशों की स्थापना की जाएगी। इन मंदिरों में भारी संख्या में भक्त ज्योति कलश स्थापित कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मां दुर्गा से प्रार्थना करेंगे। नौ दिनों तक जस, भजन, कीर्तन, और आरती के साथ माता रानी का जागरण जैसे भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भक्तों द्वारा मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसमें मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, और सिद्धिदात्री की विशेष आराधना शामिल है।

सार्वजनिक पंडालों में उत्साह

लांजी क्षेत्र में न केवल मंदिरों, बल्कि घरों और सार्वजनिक दुर्गा पंडालों में भी नवरात्र की तैयारियां जोरों पर हैं। पंडालों को भव्य रूप से सजाया जा रहा है, जहां मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इन पंडालों में भक्तों की भीड़ नवरात्र के दौरान माता के दर्शन और पूजा के लिए उमड़ेगी। विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा भक्ति भजनों और नृत्य प्रस्तुतियों का समावेश होगा।

नवरात्र का महत्व

शारदेय नवरात्र का पर्व मां दुर्गा की शक्ति और भक्ति का प्रतीक है। यह पर्व न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस दौरान भक्त उपवास रखकर, मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। नवरात्र के नौ दिन मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की उपासना के लिए समर्पित होते हैं, और दसवें दिन विजया दशमी के रूप में बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया जाता है।

समापन और विजया दशमी

22 सितंबर से शुरू होने वाला यह पर्व 2 अक्टूबर को विजया दशमी के साथ समाप्त होगा। विजया दशमी के दिन शाम में नगर परिषद लांजी से राम दरबार की झांकी निकाल कर नगर भ्रमण करते हुए मंडई टेकरी मेला मैदान में पहुंच कर रावण दहन किया जाएगा। इसके उपरांत दूसरे दिन मां दुर्गाजी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा, और भक्तगण भक्ति और उत्साह के साथ इस पर्व को विदाई देंगे। इस दिन भक्त मां दुर्गा से सुख, समृद्धि, और शांति की कामना करेंगे। लांजी क्षेत्र में शारदेय नवरात्र का यह पर्व भक्तों के लिए आध्यात्मिक उमंग और उत्साह का प्रतीक है। मां भवानी की कृपा से यह पर्व सभी के लिए सुख, समृद्धि, और शांति लेकर आए, यही कामना है।

दानवीर राणा हनुमान सिंह की मनाई गई जयंती

ट्रस्ट ने ग्राम पंचायत कोयलारी को भेंट किया डेड बॉडी फीजर

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। जिले के दानवीर स्व. राणा हनुमान सिंह की 111 वीं जन्म जयंती रविवार को मनाई गई. श्री राणा हनुमान सिंह फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा मॉयल नगरी तिरोड़ी के खांदीटोला में अशोक सिंह सरस्वार के निवास में जयंती समारोह का आयोजन किया गया. यहां ट्रस्टी विजय सिंह सरस्वार, राजपूत क्षत्रिय समाज ब्लॉक अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर, महेन्द्र सिंह उर्फ बब्ला चौहान, मनोज चौहान, हेमंत राजपुत, विक्की सरस्वार, महेन्द्र सिंह बघेल, जगदीश सिंह ठाकुर, सतीश सिंह, वीरेंद्र सिंह सरकवार, यशवंत सिंह ठाकुर सहित राजपूत समाज के अन्य पदाधिकारियों ने राणा हनुमान सिंह के छायाचित्र का पूजन किया. यहां वक्ताओं ने राणा हनुमान सिंह के कार्यों को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की. शाम साढ़े 04 बजे ग्राम पंचायत कोयलारी में एक कार्यक्रम का आयोजन कर पंचायत को डेड बॉडी फ्रीजर भेंट किया

गया. सरपंच श्रीमती दीपिका जागेश डहरवाल, पंचायत सचिव नरेन्द्र सलामे, रोजगार सहायक उपतीश कावड़े, उपसरपंच श्रावन वैध, नरेन्द्र प्रसाद तिवारी, डिलोजा कोल्हे, गीता मर्सकोले, प्रेमलाल धुर्वे, रुपवन्ती परते, योगेश्वरी डहरवाल, निशा डहरवाल, कन्हैयालाल मण्डलेकर, सैवन्ती कोकोडे, शोभा लोखन्डे, रुकमनी मसराम, सागन मसराम, फूलकला टेकाम, मनीराम मर्सकोले, संदीप मसराम, बिन्दु उइके, मूलचन्द कुमरे, तारन सोनवाने, जितेन्द्र सहारे, पिपरवानी सरपंच ममता प्रकाश खंडलेवाल मौजूद रहे। विजय सिंह सरस्वार ने कोयलारी में जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय राणा हनुमान सिंह दान वीर थे. उन्होंने अपनी बहुत बड़ी संपत्ति बड़गांव में कृषि विज्ञान केन्द्र के लिए दान कर दी. उन्होंने हमेशा दलगत भावना से ऊपर उठकर जिले के विकास के लिए सोचा. तिरोड़ी में करीब 138 एकड़ में तालाब का निर्माण करवाया. यह तालाब आज भी मछुआरों के लिए वरदान बना हुआ है. उन्होंने कहा कि यह ट्रस्ट राणा जी के सपने को साकार करने और जिले को विकास के क्षेत्र के आगे लाने के लिए हम भरपूर प्रयास करेंगे।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

मानव-तस्करी, अपहरण, दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में एडवोकेट यावर खॉन गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दो साल पहले हुए किशोरी के अपहरण, मानव तस्करी और दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में शहर की अशोका गार्डन थाना पुलिस ने रेप के आरोप में शहर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता यावर खान को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक रेप और देह व्यापार के मामले में 24 अगस्त को पॉक्सो कोर्ट में गवाही के दौरान पीड़िता ने भोपाल कोर्ट के अधिवक्ता वकील यावर खान का नाम दुष्कर्म के आरोपियों के साथ लिया था। पीड़िता के कथन के आधार पर 11 सितंबर को कोर्ट ने केस में उचित कार्रवाई को लेकर अशोका गार्डन पुलिस को पत्र लिखा था। कोर्ट के लेटर के साथ पीड़िता के बयानों की कॉपी को भी संलग्न किया गया था। अदालत द्वारा दिये गये लेटर पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने शनिवार देर रात वकील यावर खान को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। कोर्ट में पीड़िता ने बयान में कहा था, कि आरोपियों के वकील यावर खान ने भी ऑफिस और बिट्टन मार्केट स्थित मकान में बुलाकर उसके साथ कई बार ज्यादती की। पीड़िता ने अपने बयान में यह भी कहा की वह यह बात कोर्ट में पहली बार इसलिए बता रही है, कि इससे पहले उसे वकील का नाम याद नहीं था। कोर्ट में बयान के दौरान किसी अन्य वकील ने जब आरोपी के वकील का नाम लिया, तब उसे यावर खान का नाम याद आया। कोर्ट ने पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए हैं। मामला 9 दिसंबर 2022 का है।

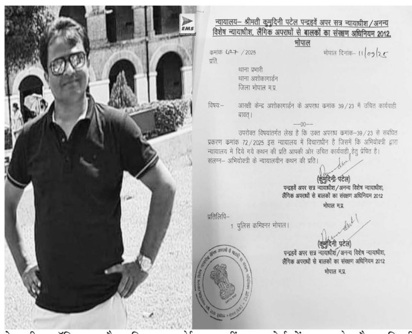

यह था पूरा मामला

जानकारी के अनुसार साल 2023 में 15 साल की नाबालिग का अशोका गार्डन थाना क्षेत्र से अपहरण कर लिया गया था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला कायम कर उसकी खोजबीन के प्रयास शुरू किये। करीब 2 साल बाद किशोरी को अशोक नगर जिले से दस्तयाब किया गया, उस समय वह बबलू जैन नामक युवक के साथ मिली। जब बबलू जैन युवक से पूछताछ की गई तो तब बताया कि उसने उसको 2 लाख रुपए में खरीदा था। जब पीड़िता से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि भोपाल से अपहरण होने के बाद उसे रायसेन ले जाया गया था, रायसेन लाने के बाद उसे अलग-अलग जगह पर बेचा गया था। इन दो सालों में तीन से चार जगह बार-बार उसे बेचा गया और हर जगह पर उसका शोषण किया गया। नाबालिग ने पुलिस को 6 आरोपियों के नाम बताए थे। पुलिस की आगे की छानबीन में सामने आया की कि यह केवल एक साधारण दुष्कर्म का मामला नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह से जुड़ा अपराध है। जिसमें अपहरण, मानव तस्करी, अंग व्यापार और देह व्यापार की भी कड़िया जुड़ी हैं। सूत्रों के मुताबिक जांच में अब तक 26 आरोपियो की भूमिका सामने आ चुकी है, जिनमें से 18 को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में पुलिस ने जनवरी में भोपाल के ही रहने वाली एक महिला और उसके पति समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस जांच में सामने आया था ,कि आशोक नगर में रहने वाले जिस व्यक्ति को बेचा गया था, उससे नाबालिग की शादी आर्य समाज के माध्यम से करवाई गई थी। इसके एवज में आरोपियों ने 2 लाख रुपए लिए थे। इसके बाद इस साल की शुरुआत में अशोका गार्डन थाना पुलिस ने पीड़िता के अपहरण और बलात्कार को लेकर एफआईआर दर्ज की थी।

बिजली आउटसोर्स कर्मी म. प्र. के 55 जिलों के कलेक्टर - सांसद - विधायकों को सौंपेंगे ज्ञापन

भोपाल। म. प्र. के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मियों ने धनतेरस से दीपावली तक प्रस्तावित काम बंद आंदोलन को लेकर म.प्र. के सभी 55 जिलों के कलेक्टर - सांसद - विधायकों को ज्ञापन सौंपने संबंधी अभियान आज से शुरू किया। यह अभियान बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महामंत्री दिनेश सिसोदिया एवं जनता यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र भदौरिया के नेतृत्व में चलाया जा रहा है।

ज्ञापन में प्रमुख मांगे हैं - म.प्र. की सभी छह बिजली कंपनी में जो निकट भविष्य में करीब 50 हजार रिक्त पदों को मौजूदा एवं सेवा से पृथक अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों की विभागीय परीक्षा लेकर उसी प्रकार भरा जाए जैसे ठेका प्रथा लागू होने से पहले पिछले 50 सालों में बिजली डेली वेजेस मस्टर कर्मियों को कच्चे से पक्का किया जाता रहा। इस 50 हजार की भर्ती के बाद भविष्य में होने वाली सीधी भर्ती में अतिथि शिक्षकों की तर्ज पर 50 प्रतिशत पद ऊर्जा विभाग राजपत्र के जरिए बिजली आउटसोर्स कर्मियों को आरक्षित करें व छोटे पद बना कर रेगुलर करें। तमिलनाडु की तर्ज पर म. प्र. में मुख्य कार्य सीधी भर्ती से कराएं।

म. प्र. के राज्यपाल के हस्ताक्षर होने के बाद राजपत्र क्रमांक 494 दिसम्बर 2020 के मुताबिक बोनस 8.33 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया उसे उसी तिथि से लागू कर 57 माह की 11.67 प्रतिशत की दर से बोनस एरियर राशि हर ठेका श्रमिक को दी जाए, केंद्र सरकार के आउटसोर्स कर्मियों के बराबर म. प्र. के आउटसोर्स को न्यूनतम वेतन दें, पिछले 20 सालों के दौरान म. प्र. में मिनिमम वेजेस 5 साल की जगह हर बार 9 साल में रिवाइज हुआ , इस घाटे की भरपाई एडिशनल वेजेस देकर की जाए। भाजपा विधानसभा चुनावी संकल्प पत्र के पृष्ठ 81 पर अमल कर आउटसोर्स को संविदा का दर्जा व संविदा समान सुविधा दें। म. प्र. में ठेकेदारी कल्चर समाप्त कर आउटसोर्स रिफार्म नीति बनाई जाए , बिजली कंपनी का निजीकरण नहीं किया जाए।

15 सितंबर से 7500 आरक्षकों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल। कर्मचारी चयन मंडल ने पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। 7500 पदों के लिए यह नोटिफिकेशन जारी किया गया है। आरक्षकों की सीधी भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। आवेदन की प्रक्रिया 15 से 29 सितंबर तक ऑनलाइन आयोजित की गई है। 30 अक्टूबर को प्रदेश के 11 शहरों में यह परीक्षा आयोजित होगी। इंदौर भोपाल ग्वालियर जबलपुर खंडवा नीमच रीवा रतलाम सागर सतना सीधी और उज्जैन को इसमें शामिल किया गया है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पारी सुबह 7:30 से 8:30 के बीच और दूसरी पाली 12.30 से 1:30 के बीच में होगी। इस परीक्षा के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना जरूरी है। आयु सीमा अधिकतम 33 वर्ष रखी गई है। जिन अभ्यर्थियों की आयु 29 सितंबर को 33 वर्ष से कम होगी। वही आवेदन कर पाएंगे।

16 से जलक्रीड़ा का केंद्र बनेगा शहर

भोपाल। राजा भोज मल्टीक्लास सेलिंग चैम्पियनशिप 2025 का आगाज 16 राजधानी में सितंबर से हो रहा है। बड़ी झील (खानूगाँव) इसके बाद जलक्रीड़ा उत्सव का केंद्र नजर आएगा। यहां देशभर से राष्ट्रीय स्तर के नाविक अपने हुनर का परचम लहराएंगे। तेज़ हवाओं और ऊँचे उत्साह के बीच यह चैम्पियनशिप जलक्रीड़ा प्रेमियों के लिए रोमांच और प्रतिस्पर्धा का अनूठा संगम साबित होगी। आयोजन समिति का मानना है कि यह न केवल जलक्रीड़ा को नई पहचान देगा बल्कि युवाओं में साहस, रणनीति और खेल भावना को भी प्रोत्साहित करेगा।

मप्र में 40-40 हजार में बिक रहे स्क्रैप सर्टिफिकेट

भोपाल। कंडम और समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों को आफ रोड करने को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने स्क्रैप पॉलिसी में बदलाव करने की घोषणा की है। उपभोक्ताओं को नए वाहन खरीदते समय पुराने वाहन को स्क्रैप कराने पर रोड टैक्स में 25 के बजाय 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इस फैसले का फायदा उठाने के लिए आसपास के राज्यों के वेंडर सक्रिय हो गए हैं। ये वेंडर गाड़ी को अपने यहां स्क्रैप होना बताकर सर्टिफिकेट 40-40 हजार रुपये में बेच रहे हैं।

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दूसरे राज्यों में वाहन स्क्रैप का काम करने वाले वेंडर मप्र में सक्रिय होकर स्क्रैप सर्टिफिकेट का कारोबार कर रहे हैं, इससे मध्य प्रदेश को स्क्रैप पॉलिसी का उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। इसका अर्थ है कि स्क्रैप पालिसी के तहत पुराने वाहनों के नष्ट होने का फायदा प्रदेश को मिलना चाहिए, वह इस प्रकार से स्क्रैप सर्टिफिकेट बेचे जाने से नहीं मिलेगा। नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर एक वेंडर ने बताया कि वह मप्र में हर माह 300 स्क्रैप सर्टिफिकेट उपलब्ध कराते हैं और प्रति सर्टिफिकेट 40 हजार लेते हैं, उनका काम मप्र ही नहीं दिल्ली, हरियाणा, उप्र जैसे राज्यों में हैं।

स्क्रैप सर्टिफिकेट को लेकर वेंडरों का नेटवर्क प्रदेशभर में ऑटोमोबाइल शोरूमों पर है, यहां नया वाहन खरीदने जाने वाले अगर शोरूम पर स्क्रैप सर्टिफिकेट की मांग करते हैं तो उन्हें आसानी से उपलब्ध कराने की बात बताई जाती है, इसके बाद स्क्रैप सर्टिफिकेट की कीमत बताकर बेच दिया जाता है। बड़े लग्जरी वाहनों पर स्क्रैप सर्टिफिकेट की छूट अधिक ली जा रही है। प्रदेश में बड़े महानगरों में स्क्रैप सेंटर भी बनाए गए हैं, यहां वाहन स्क्रैप किए जाते हैं। बाहरी वेंडर बाहर के वाहनों के सर्टिफिकेट अधिक खपा रहे हैं, ये वाहन स्क्रैप हो भी रहे हैं या नहीं, इसका कुछ पता नहीं है। यह भी आशंका है कि बाहरी दूर दराज के राज्यों से पुराने वाहन का स्क्रैप सर्टिफिकेट जनरेट करा लिया जाता हो और वह सड़क पर दौड़ भी रहा हो। परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पुराने कंडम वाहनों को स्क्रैप कराकर उपभोक्ता नए वाहन पर रोड टैक्स में छूट का लाभ लें, स्क्रैप पॉलिसी का यह उद्देश्य है। पॉलिसी के तहत अब इस छूट को बढ़ाकर 25 से 50 प्रतिशत कर दिया गया है। स्क्रैप सर्टिफिकेट ट्रेड किया जा सकता है। इसको लेकर आगे और स्थिति स्पष्ट होगी।

अटल बिहारी विश्वविद्यालय के अजब गजब कारनामे

- 68 कोर्स 176 विद्यार्थी,15 शिक्षकों के सहारे विश्वविद्यालय

भोपाल। मध्य प्रदेश अजब गजब है। इसकी पुष्टि मध्य प्रदेश में चल रहे अटल बिहारी वाजपई हिंदी विश्वविद्यालय से होती है। हिंदी में उच्च शिक्षा की पढ़ाई कराने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर हिंदी दिवस पर इस विश्वविद्यालय को बड़े जोर-शोर से शुरू किया गया था।

2012-13 से यह विश्वविद्यालय कार्यरत है। एक दशक से ज्यादा हो जाने के बाद भी इस विश्वविद्यालय में छात्रों की संख्या हर साल घटती चली जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा 68 कोर्स शुरू किए गए हैं। 231 को शुरू करने का लक्ष्य विश्वविद्यालय ने बनाया था। वर्ष 2025-26 में मात्र 174 नए छात्रों ने प्रवेश लिया है। इससे यहां की पढ़ाई के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है,68 विषयों को पढ़ाने के लिए मात्र 15 शिक्षक विश्वविद्यालय में काम कर रहे हैं। आसानी से समझा जा सकता है जिन विद्यार्थियों ने यहां प्रवेश लिया है। उन्हें किस तरह की शिक्षा मिल रही होगी।

विश्वविद्यालय को शुरू करने के लिए 450 करोड़ रुपए का बजट विश्वविद्यालय द्वारा मांगा गया था। सरकार ने 157 करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे। एक दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी अभी तक विश्वविद्यालय को मात्र 50 करोड़ रुपए की धन-राशि मिली है। मध्य प्रदेश सरकार से हर साल लगभग चार करोड़ रुपए की ग्रांट विश्वविद्यालय को मिलती है। जो विभिन्न खर्चों और वेतन में खर्च हो जाती है। जो विद्यार्थी यहां पर प्रवेश लेते हैं। वह सब भगवान के भरोसे शिक्षा प्राप्त कर डिग्री ले लेते हैं।

पिछले 12 वर्षों में इस विश्वविद्यालय में मात्र 4973 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न विषयों के लिए हिंदी में जो पाठ्यक्रम तैयार किए जाने थे। वह भी अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं। हिंदी भाषा में उच्च शिक्षा और शोध को बढ़ाने के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। यह विश्वविद्यालय सरकार की लाल फीताशाही का शिकार होकर कछुए की तरह चल रहा है।

प्रारंभ के 5 वर्षों में ऐसा लगता था। अटल बिहारी वाजपई हिंदी विश्वविद्यालय, हिंदी में उच्च शिक्षा के लिए बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ेगा। हिंदी भाषी राज्यों के लिए शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र बनेगा। जैसे-जैसे समय बीतता जा रहा है। उसके साथ ही यह आशा खत्म होती जा रही है। सरकार ने अटल बिहारी वाजपई हिंदी विश्वविद्यालय को, हिंदी के नाम पर प्रशंसा के रूप में किया जा रहा है। कुछ लोगों के भरण पोषण के लिए यह विश्वविद्यालय चल रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही लग रहा है।

अब करदाताओं को मिल रहे रिकवरी के नोटिस

भोपाल। आयकर विभाग इनदिनों ठेकेदारों, सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों को रिकवरी नोटिस भेज रहा है। इससे आयकरदाताओं में हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल, उनका टीडीएस तो काटा गया है, लेकिन आयकर विभाग में जमा नहीं हुआ है। वहीं आयकर विभाग अब उन छूट वाली आय की पड़ताल कर रहा है, जिन पर लोगों ने टैक्स नहीं चुकाया है। विभाग ने कई सीनियर प्रोफेशनल्स, बड़ी कंपनियों के पार्टनर्स और रिटायर्ड कर्मचारियों को नोटिस भेजे हैं। इससे इस बात पर सवाल उठाया गया है कि क्या उनकी दिखाई गई छूट वाली इनकम वाकई टैक्स फ्री है। हालांकि, विशेषज्ञ इसे कानून के तहत सही मानते हैं। लेकिन विभाग की इस कार्रवाई से टैक्सपेयर्स में चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार, मप्र-छत्तीसगढ़ में निजी कांट्रेक्टर्स, शासन के कॉर्पोरेशन, राजस्व और शिक्षा जैसे विभाग के हजारों करदाता ऐसे हैं जिनका टीडीएस तो काटा गया लेकिन आयकर विभाग में जमा नहीं हुआ। या फिर समय पर क्वार्टरली टीडीएस रिटर्न दाखिल नहीं किया। पैन नंबर विधिवत लिंक न होने एवं मिसमैच जैसे मामले भी हैं। करदाताओं को क्रेडिट मिलने के बजाए रिकवरी के नोटिस मिल रहे हैं। आयकर विभाग अब शासकीय महकमों के आहरण एवं भुगतान अधिकारियों (डीडीओ) को बुलाकर कामकाज संबंधी प्रशिक्षण देने की तैयारी में है। कर्मचारी, किसान और अन्य लोगों पर भारी डिमांड निकल रही है। रिकवरी की राशि 200 करोड़ रुपए से अधिक की है। कई मामलों में यह फेक डिमांड भी है। मप्र छग में हजारों लोग परेशान हो रहे हैं।

टीडीएस का पैसा जिला कोषालय में अटका

विभागीय सूत्रों का कहना है कि बड़ी संख्या में ऐसे प्रकरण भी हैं जिनमें टीडीएस का पैसा जिला कोषालय में पड़ा है आयकर विभाग में जमा ही नहीं हुआ। अथवा क्वार्टरली रिटर्न ही नहीं जमा किया। सेलरी मामले में आईटी एक्ट की धारा 24 क्यू और कांट्रेक्ट आदि में धारा 26 क्यू के तहत समय पर टीडीएस रिटर्न जमा करना जरूरी है। ऐसा न होने पर क्लेम आदि अटकने के साथ डिमांड-पेनाल्टी भी खड़ी हो जाती है। सागर जिले की एक महिला शिक्षक अनुराधा (बदला हुआ नाम) ने आयकर को शिकायत भेजी है कि जानबूझकर उसका पैन लिंक नहीं किया गया। इस वजह से उस पर भारी-भरकम राशि की डिमांड निकल रही है। पैन लिंक कराने के लिए उससे रिश्वत की मांग की जा रही है। आयकर ने अब ऐसे मामलों पर भी संज्ञान लिया है। विभागीय अफसरों से पूछताछ की गई है।

टीडीएस रिटर्न समय पर दाखिल करने की अनिवार्यता

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य में पैन लिंक न होने, मिसमैच अथवा टीडीएस रिटर्न दाखिल न होने के कारण बड़ी संख्या में रिकवरी नोटिस जारी किए गए हैं। नियम के अनुसार औसतन प्रतिदिन 200 रुपए की पेनाल्टी का प्रावधान भी है। आयकर ने राज्य सरकार के विभागों को टीडीएस रिटर्न सहित अन्य जरूरी नियमों का ब्यौरा भेजा है। साथ ही डीडीओ को आयकर भवन में बुलाकर ट्रेनिंग देने का कार्यक्रम भी बनाया है। चार्टर्ड एकाउंटेंट मनीष सिंह का कहना है कि शासकीय विभागों सहित सभी संस्थानों को टीडीएस रिटर्न समय पर दाखिल करने की अनिवार्यता है। ऐसा न होने पर करदाता को क्लेम नहीं मिल पाता बल्कि आयकर विभाग उस पर रिकवरी भी निकाल देता है। आईटी एक्ट विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ. आरएन सिंह का कहना है कि राज्य सरकार के अनेक विभागों में यह समस्या मौजूद है। कई किसानों को भूमि अधिग्रहण का पैसा मिला लेकिन टीडीएस रिटर्न दाखिल नहीं होने से उन्हें क्रेडिट नहीं मिल पाया। ऐसे में विभाग भी उनकी आय पर डिमांड निकालेगा।

शिक्षकों को भी मिलेगा मोदी के मिशन कर्मयोगी का प्रशिक्षण

शिक्षा विभाग ने 2.30 लाख शिक्षकों का किया पंजीयन

भोपाल। केन्द्र सरकार के निर्देश पर पीएम नरेंद्र मोदी के मिशन कर्मयोगी का प्रशिक्षण प्रदेश की राजधानी में 15 से 19 सितंबर तक आयोजित होगा। इसमें हरेक कर्मचारी की कार्यक्षमता बढ़ाने, योजनाबद्ध तरीके से कार्य प्रणाली आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण बढ़ाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने करीबन 2.30 लाख शिक्षकों का पंजीयन किया है।

बता दें कि कर्मयोगी आईगॉट पर सीखें माड्यूल के तहत प्रदेश के 55 सरकारी विभागों को कर्मयोगी प्रशिक्षण दिया जाना है। राज्य सरकार के प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को न्यूनतम दो प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी है। इस क्रम में शिक्षकों को प्रशिक्षण देने को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने व्यापक निर्देश जारी कर दिया है। इस कार्य के लिए विभाग ने प्रत्येक जिले में जिला परियोजना समन्वयक और अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक को नोडल अधिकारी बनाया है। प्रशिक्षण शेड्यूल को लेकर नरोन्हा प्रशासन अकादमी ने भी पहले ही जिला कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए थे।

भोपाल के डीईओ नीरज अहिरवार ने बताया कि राजधानी समेत प्रदेश में 2 लाख 30 हजार शिक्षकों का आईगॉट पोर्टल पर प्रशिक्षण देने के लिए पंजीकरण किया गया है। इससे सरकारी शिक्षकों की कार्य क्षमता बढ़ जाएगी।

लक्ष्मण सिंह निकालेंगे समरसता पदयात्रा

बोले- चंद नेताओं ने स्वार्थ के लिए भाई-भाई को अलग कर दिया, प्रदेश को एक रखना है

भोपाल। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने मध्य प्रदेश में सामाजिक समरसता यात्रा निकालने की घोषणा की है। लक्ष्मण सिंह ने एक वीडियो के माध्यम से प्रदेशवासियों से यात्रा से जुड़ने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि चंद नेताओं ने अपने स्वार्थ के लिए भाई-भाई को अलग कर दिया है।

लक्ष्मण सिंह ने वीडियो में कहा कि वह आरक्षण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अब तक 27 प्रतिशत आरक्षण लागू क्यों नहीं हो पाया, यह सवाल सबके मन में है। उन्होंने विधानसभा की प्रत्येक क्षेत्र में एक दिन पदयात्रा और अन्य स्थानों पर वाहन यात्रा करने का प्रस्ताव रखा। यात्रा का उद्देश्य समाज में एकता, समरसता और भाईचारे का संदेश देना है।

एकता पर दिया जोर, भेदभाव दूर करने की अपील

पूर्व सांसद ने कहा कि आज सभी देशवासियों को एकजुट रहने की जरूरत है। समाज में ऊंच-नीच, गरीबी-अमीरी के भेदभाव को छोड़कर सबको एक मंच पर लाना है। मध्यप्रदेश को एक रखना है, देश को एक रखना है, ताकि भारत मजबूत बने लक्ष्मण सिंह ने वीडियो में पड़ोसी राज्यों में हुई घटनाओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा- हमें उनसे सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समाज में चिंता का विषय है, इसे सबको मिलकर रोकना है। अमीरी-गरीबी और जातिवाद से ऊपर उठकर देशहित के लिए साथ खड़ा होना चाहिए लक्ष्मण सिंह ने बताया कि हम समरसता पदयात्रा की रूपरेखा बना रहे हैं। हर विधानसभा क्षेत्र में एक दिन पदयात्रा करेंगे, बाकी समय वाहन यात्रा करेंगे। प्रदेश में समरसता, असमानता दूर करना, यही हमारा संदेश होगा।

मप्र में 50.9 प्रतिशत महिलाएं-पुरुष अविवाहित

भोपाल। मप्र में अविवाहित रहने वाले युवक-युवतियों का आंकड़ा चौंकाने वाला है। प्रदेश में कुल 50.9 फीसदी महिलाएं पुरुष ऐसे हैं, जिन्होंने शादी ही नहीं की। इसमें पुरुषों का आंकड़ा 54.7 फीसदी है, जबकि अविवाहित रहने वाली महिलाएं 46.8 फीसदी हैं। चौंकाने वाला यह आंकड़ा सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम 2023 के हैं।

बता दें कि भारत में जन्म और मृत्यु से संबंधित डाटा जुटाने के लिए 1969-70 में सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम यानी एसआरएस की शुरूआत हुई थी, ताकि सरकार को नीतियां बनाने में मदद मिल सके। मप्र में इस सर्वे के लिए 4 लाख लोगों को शामिल किया गया था।

देश की कुल आबादी के 50.5 फीसदी लोग अविवाहित

सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक देश की कुल आबादी के 50.5 फीसदी लोगों ने कभी विवाह ही नहीं किया। इसमें महिलाओं का प्रतिशत 45.3 फीसदी जबकि पुरुषों का प्रतिशत 55.4 फीसदी है। इसके अलावा 3.6 फीसदी विधवा, तलाकशुदा फीसदी अविवाहित महिला-पुरुष हैं।

देश में बिहार में सबसे ज्यादा अविवाहित

सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक देश में सबसे ज्यादा बिहार राज्य में 58.3 फीसदी अविवाहित हैं। जम्मू-कश्मीर में अविवाहितों का प्रतिशत 57.5 फीसदी है जबकि तमिलनाडु में सबसे कम 41.3 फीसदी अविवाहित महिला-पुरुष हैं।

2022 के मुकाबले 2023 मप्र में घटे अविवाहित

सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक मप्र में विवाहितों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। साल 2022 में प्रदेश में औसतन अविवाहितों का प्रतिशत 51.4 था, जो 2023 में घटकर 50.9 फीसदी आ गया।

तलाकशुदा महिलाओं की संख्या बढ़ी

सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के मुताबिक मप्र में 45.2 फीसदी पुरुष शादीशुदा हैं, जबकि महिलाओं का प्रतिशत 42.9 फीसदी है। हालांकि मप्र में तलाकशुदा, विधवा और अलग होने वालों का प्रतिशत भी बढ़ा है। साल 2022 में ऐसे लोगों का कुल औसत 3.6 फीसदी था, जो 2023 में बढ़कर 3.9 फीसदी पहुंच गया है। इसमें महिलाओं का आंकड़ा पुरुषों से कमोवेश दोगुना है। 100 में से 5.6 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं जो तलाक ले चुकी हैं या अलग रह रही हैं।

16.8 फीसदी लड़कियों की शादी 18 साल के पहले

मप्र के शहरों में लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ रही है। मप्र में 18 साल के होने के पहले ही 16.8 फीसदी युवतियों की शादी कर दी जाती है। मप्र में कम उम्र में लड़कियों की शादी करने का आंकड़ा बढ़ा है। 18 से 20 साल की उम्र के दौरान 19.2 फीसदी लड़कियों की शादी हो जाती है। मप्र में 18 से 20 साल के बीच ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में लड़कियों का विवाह का परसेंटेज बढ़ा है। ग्रामीण इलाकों में 19.2 फीसदी लड़कियों की शादी हो जाती है, जबकि शहरी इलाकों में 19.5 प्रतिशत लड़कियों की शादी 18 से 20 साल के बीच हो रही है।

शहरों में शादी की औसत उम्र 23.9 साल

मप्र में औसत शादी की उम्र 22.1 साल है जबकि शहरी इलाकों में यह प्रतिशत 23.9 साल है। मप्र में 62.5 फीसदी लड़कियां की शादी 21 साल से ज्यादा उम्र में हो जाती है।

हांगकांग पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

दुबई। श्रीलंका की टीम सोमवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हांगकांग के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। श्रीलंका ने पहले ही मैच मे बांग्लादेश को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं।

वहीं हांगकांग की टीम को अब तक हुए दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है हालांकि उसकी टीम का प्रदर्शन ठीक कहा जा सकता है। उस कठिन टीमों का सामना करना पड़ा है। अब उसके बल्लेबाजों को नुवान तुषारा और दुष्मंथा चमीरा जैसे तेज गेंदबाजों और रहस्यमयी स्पिनर वानिन्दु हसरंगा का मुकाबला करना होगा। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ मथीशा पथिराना पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और अब वह इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिल पर रहेंगी। वहीं हांगकांग में कुछ एक ही बल्लेबाज अच्छे हैं। उसके बल्लेबाज यासिम मुर्तज, जीशान अली और अंशुमान रथ किसी प्रकार श्रीलंकाई आक्रमण का सामना करते हैं ये देखना होगा।

बांग्लादेश से हार के बाद मुर्तज़ा ने कहा था कि हमें अच्छी बल्लेबाज करनी चाहिये थी जिसमें हम असफल रहे। ऐसे में अब वह श्रीलंका के खिलाफ बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं सलामी बल्लेबाज जीशान और अंशुमान पर पावरप्ले में अधिक से अधिक रन बटोरने की जिम्मेदारी रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो हांगकांग की राह बेहद कठिन है क्योंकि श्रीलंकाई टीम उससे हर मामले में काफी आगे है। ऐसे में अधिक अनुभवी इस टीम के खिलाफ उसके खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका- चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिन्दु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना.

हांगकांग- यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान, नसरुल्ला राणा, मार्टिन कोएट्जी, अंशुमन रथ, कल्हण चल्लू, आयुष शुक्ला, ऐजाज खान, अतीक इकबाल, किंचित शाह, आदिल महमूद, हारून अरशद, अली हसन,

शाहिद वासिफ, मोहम्मद गजनफर, मोहम्मद वहीद, अनस खान, एहसान खान.

लक्ष्य हॉन्ग कॉन्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली । भारत के लक्ष्य सेन ने हॉन्ग कॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। लक्ष्य ने पुरुष एकल में विश्व के नौवे नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को करीब एक घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 23-21, 22-20 से हराया। लक्ष्य करीब दो साल बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने पिछली बार जुलाई 2023 में कनाडाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी। लक्ष्य का सामना अब चीन के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लि शि फेंग से होगा।

लक्ष्य ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, "यह काफी प्रतिस्पर्धी मैच था और चोउ ने बहुत अच्छा खेला। मुझे खुशी है कि आखिरी क्षणों में संयम रखते हुए मैंने जीत दर्ज की है। हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ कई बार खेल चुके हैं इसलिए मुझे पता था कि लंबी रेलियां होंगी। अब मेरा लक्ष्य फाइनल जीतना है।" वहीं इससे पहले एक अन्य सेमीफाइनल में जीत के साथ ही भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पुरुष युगल के फाइनल में पहुंच गयी है।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई है। इस जोड़ी का सामना अब चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

एस20 लीग के लिए डरबन सुपर जायंट्स ने मार्करम को कप्तान बनाया

जोहांसबर्ग। डरबन सुपर जायंट्स टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग (एस20) के चौथे सीजन के लिए बल्लेबाज एडन मार्करम को कप्तान बनाया है। टीम ने एक वीडियो जारी कर मार्करम को कप्तान बनाए जाने की बात कही है। गौरतलब है कि मार्करम इस लीग के सबसे सफल कप्तान हैं। वह पिछले तीन सत्र से सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में ईस्टर्न केप ने साल 2023 और 2024 में जीत हासिल की थी। वहीं साल 2025 में टीम उपविजेता रही थी। उन्होंने इसके बाद टीम का साथ छोड़ दिया था। ऐसे में इसबार हुई नीलामी में उन्हें डरबन सुपर जायंट्स ने खरीदा। वह नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने हैं। डरबन सुपर जायंट्स आईपीएल की लखनऊ सुपर जायंट्स का ही हिस्सा है। इस लीग में डरबन ने अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है।

मार्कराम के अलावा डरबन ने नीलामी में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी, युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम को खरीदा है। इसके अलावा एथन बॉश, एंडिले सिमेलाने और मार्केस एकरमैन जैसे घरेलू खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। मार्कराम दक्षिण अफ्रीकी टीम के भी कप्तान हैं। उन्होंने तीन सत्र में खेले 36 मैचों की 34 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक की सहायता से कुल 967 रन बनाए हैं।

भारतीय टीम अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज खेलेगी

मुम्बई। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2027 चक्र को देखते हुए भारतीय टीम को अब अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से होने वाली सीरीज में जीत दर्ज करनी होगी। ऐसे में टीम के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना जरुरी है। इसमें सबसे पहला तो ये है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तरोताजा रहें। बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के तीन ही मैच में हिस्सा ले पाए। बुमराह तीनों प्रारुपों में भारतीय टीम का अभिन्न अंक है। भारत को आगामी समय में एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे व्हॉइट बॉल टूर्नामेंट भी खेलने हैं। ऐसे में गिल-गंभीर बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए कैसे तरोताजा रखना है इस बात का ध्यान कप्तान और कोच को रखना होगा। इसके अलावा दूसरा ये

है कि लिए नंबर तीन पर किये उतारा जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा। इंग्लैंड दौरे पर साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला पर दोनो ही सफल नहीं रहे। साई सुदर्शन ने 6 पारियों में 23.33 की औसत के साथ 140 रन बनाये। वहीं करुण नायर ने 8 पारियों में 25.62 की औसत के साथ 205 रन बनाए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज 1-1 पर अर्धशतक ही लगा पाये। इसके अलावा किस स्पिनर को रखा जाये ये भी तय करना होगा। तीसरा सवाल किस ऑलराउंडर को रखे इसको लेकर है। इसके अलावा चौथा सवाल स्पिनर को लेकर है।

रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को उनकी बल्लेबाजी के कारण इंग्लैंड दौरे पर अवसर मिला, मगर भारत को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी धरती पर सीरीज खेलनी है। ऐसे में टीम अगर कम बल्लेबाज भी रखे तो भी उसे परेशानी नहीं होगी। ऐसे में स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर दिया जा सकता है। कुलदीप को इंग्लैंड दौरे पर मौका नहीं दिया गया, वहीं जब मैच घर पर होंगे तो अक्षर पटेल का नाम भी टीम में जरूर होगा। भारत ज्यादा से ज्यादा तीन स्पिनर को मौका दे सकता है। अब देखना होगा कि किसको अवसर मिलता है। वहीं इंग्लैंड दौरे पर ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर दोनों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में किसे अवसर दिया जाये ये भी एक सवाल है। ये दोनो ही तेजी से बल्लेबाजी करने में भी सक्षम है।

पाक के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने भारतीय बोर्ड की रोटेशन प्रणाली को सराहा

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने कहा है कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड अपने खिलाड़ियों की देखभाल कर रहा है। उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। गुल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में कार्यभार प्रबंधन काफी अच्छे तरीके से किया है। वहीं कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को भी इससे सीख लेनी चाहिये। उसे भी भारतीय बोर्ड की तरह ही रोटेशन नीति अपनानी चाहिये।

पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज कहा कि भारतीय बोर्ड ने रोटेशन नीति से बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम स्तर तक लाने के प्रयास किये हैं। इसी कारण चोट के बाद वापसी के बाद भी बुमराह पहले की तरह ही तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में स्थापित खिलाड़ियों में भी जगह को लेकर असुरक्षा की भावना है, जिसके कारण वे पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी मैच खेलते हैं।

उन्होंने कहा , हमारी व्यवस्था में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी अपनी फिटनेस बताने में डरता था। अगर वह 70-80 फीसदी भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसकी जगह चली जाती क्योंकि रोटेशन नीति हमारी बोर्ड की संस्कृति में नहीं है।

हम केवल उस समय का प्रदर्शन देखते हैं। नए खिलाड़ी ने अगर अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसे टीम में लाएं और उसे खेलने दें। मुझे लगता है कि रोटेशन नीति होनी चाहिए पर आपकी प्राथमिकता सीनियर खिलाड़ी होना चाहिए, जब वह फिट हो जाए तो आपको उसे शामिल करना चाहिये। गुल ने भारतीय प्रणाली की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें पहली पंक्ति के खिलाड़ियों की चोटों से निपटने के लिए अच्छी व्यवस्था है। साथ ही कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों के साथ ही प्रबंधन की भी जिम्मेदारी होती है।

श्रेयस की कप्तानी में 16 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

लखनऊ । यहां के इकाना स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच इसी माह में दो चार दिवसीय क्रिकेट मुकाबले खेले जाएंगे। इसका पहला मुकाबला 16 सितंबर से शुरु होगा। इन मुकाबलों के लिए इकाना स्टेडियम तैयार है। इन मैचों में भारत ए की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी। इन मैचों में शामिल खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगे। इसमें श्रेयस के अलावा मोहम्मद सिराज और के एल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

भारत की ए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। दोनो ही टीमों में शामिल कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में रहे हैं, जिससे इस सीरीज में शीर्ष स्तर का क्रिकेट देखने को मिलेगा। ऐसे में ये सीरीज क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक शानदार अनुभव होगी

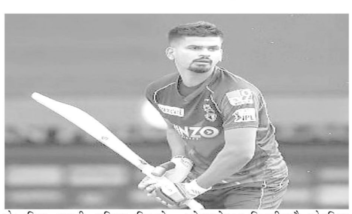

यह सीरीज न केवल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका है, बल्कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए भी एक अवसर है कि वे भविष्य की भारतीय टीम के लिए नए सितारों की खोज कर सकें। श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबले राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह बना सकते हैं पर इसके लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत ए टीम

इस टीम के ऐलान के बाद ये भी रेखांकित किया गया है कि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे.

ऑस्ट्रेलिया ए टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट

एशिया कप में आज होगा यूएई और ओमान का मुकाबला

दुबई। एशिया कप में सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम का सामना ग्रुप ए मुकाबले में ओमान से होगा। इस मैच में यूएई की टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि उसके अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं ओमान की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में उतरेगी। दोनों ही टीमों अपने-अपने शुरुआती मुकाबले हारी हैं। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। यूएई की टीम का प्रदर्शन अपने पहले मैच में अच्छा नहीं रहा और उसे भारतीय गेंदबाजों ने 57 रनों पर ही समेट दिया था। इसी प्रकार ओमान की टीम भी . पाकिस्तान के खिलाफ 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 67 रन ही बना पायी थी। यूएई के मुख्य कोच लालचंद राजपूत को उम्मीद है कि उनकी टीम ओमान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेगी। . उन्होंने कहा कि टीम को जीत दिलाने कप्तान मुहम्मद वसीम, अलीशान शराफू, राहुल चोपड़ा और आसिफ खान जैसे बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

ओमान के शाह फैसल और आमिर कलीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए थे। टीम के खिलाड़ियों के पास ये अपने को साबित करने का बड़ा अवसर है। टीम के बेहतर प्रदर्शन की जिम्मेदरी भारतीय मूल के कप्तान जतिंदर सिंह पर रहेगी।

यूएई और ओमान दोनों ही एसोसिएट टीमें होने के कारण बराबर की टक्कर होगी। इसमें मेजबान यूएई के पास घरेलू हालातों से लाभ उठाने का अवसर है। वहीं ओमान की टीम अपनी फिटनेस और फील्डिंग के बल पर मुकाबले में हावी होना चाहेगी। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

यूएई- मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान.

ओमान- जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान.

अब भारतीय हॉकी टीम को विश्वकप में जीत दिलाना चाहते हैं अभिषेक

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड अभिषेक नैन ने हाल ही में एशिया कप हॉकी में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले साल नीदरलैंड तथा बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। अब अभिषेक का कहना कि वह टीम को विश्व कप में जीत दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि इस टीम में जीत दर्ज करने की पूरी क्षमताएं हैं। उन्होंने कहा, 'हमने 50 साल से विश्व कप नहीं जीता और मुझे लगता है कि यह टीम जीत सकती है क्योंकि हम शीर्ष टीमों को हरा चुके हैं। हमें बस निरंतरता पर काम करना होगा क्योंकि किसी मैच में तो हम बहुत अच्छा खेलते हैं तो किसी में खराब भी हो जाता है। उन्होंने कहा, 'हमें डीप डिफेंस और सर्कल के भीतर फिनिशंग पर थोड़ा और काम करना होगा। अपने खेल की बात करूं तो मुझे अपने बेसिक्स को बेहतर करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी के स्वर्णिम दौर को लौटाने के लिये इस टीम को जीत की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि 1975 से पहले वाला हमारा स्वर्णिम दौर वापिस लौटे जब हमने ओलंपिक में इतने पदक जीते। मैं चाहता हूं कि हर बड़े टूर्नामेंट में हम देश के लिए पदक जीते। पदक जीतने की हमें आदत पड़ जानी चाहिए। हम उस दिशा में आगे बढ रहे हैं। दो ओलंपिक में कांस्य जीत चुके हैं लेकिन अब हमें पदक का रंग बदलना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमे विश्व कप की तैयारी के लिए लंबा समय मिल गया है। अपनी बात करूं तो मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है जो आगामी टूर्नामेंटों और विश्व कप में काफी काम आएगा। अभिषेक ने कहा कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा पुर्तगाल के महान फुटबॉलर रोनाल्डो से मिली है।

नागल की जीत के साथ ही भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

बिएल। भारतीय टीम के सुमिल नागल ने डेविस कप टेनिस के विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारत को स्विस टीम पर 3-1 की जीत मिली है। भारतीय टीम अब विश्व ग्रुप के क्वालीफायर में पहुंच गयी है। वहीं स्विट्जरलैंड टीम ने भी विश्व ग्रुप 1 से प्ले-ऑफ में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही साल 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से ही पहली बार विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम की ओर से दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती मैच में जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर अच्छी शुरुआत की। वहीं नागल ने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी।

भारत की जैसमीन ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप जीती, पोलैंड की जूलिया को हराया

नई दिल्ली। भारत की जैसमीन लंबोरिया ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप जीत ली है। जैसमीन ने महिला फीदरवेट वर्ग में पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराया था। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जैसमीन ने 57 किलोवर्ग के फाइनल में 4-1 (30-27, 29-28, 30-27, 28-29, 29-28) से जीत हासिल की। वहीं नुपूर शेरोन ने 80 किलों से अधिक वर्ग में जबकि पूजा रानी ने 80 किलो भार वर्ग में रजत और कांस्य पदक जीता। इस जीत के साथ जैसमीन विश्व चैम्पियन बनने वाली भारत की नौवीं मुक्केबाज बनी हैं। इससे पहले छह बार की विजेता एम सी मेरीकोम और दो बार की विजेता निकहत जरीन और सरिता देवी, जेनी आरएल 2006, लेखा केसी 2006, नीतू गंघास 2023, लवलीना बोरगोहेन 2023 और स्वीटी बूरा ने साल 2023 में ये खिताब जीता है।

जैसमीन ने मुकाबले में शुरुआत से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया पर इवसके बाद पोलैंड की यह मुक्केबाज़ ने तेज़ और सटीक हमले कर पहला राउंड 3-2 से जीत लिया पर दूसरे राउंड में जैसमीन ने जबरदस्त वापसी करते हुए विरोधी मुक्केबाज को कोई अवसर नहीं देते हुए जीत दर्ज की। वहीं एक अन्य फाइनल में भारत की नुपुर को पोलैंड की अगाता काज्मार्स्का के हाथों 2-3 से हार झेलनी पड़ी । वहीं सेमीफाइनल में भारत की पूजा को स्थानीय खिलाड़ी एमिली एस्क्विथ के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारकर कांस्य पदक ही मिला।

एएफसी महिला एशियाई कप आसान नहीं रहेगा- स्वीटी जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे से खेलना होगा

उदयपुर। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत में ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ शुरुआती मुकबाला खेलेगी। वहीं इसके बाद उसे 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना होगाहोगा।

स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए आसान नहीं होगा पर हमारी पूरी तैयारी रहेगी। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महिला फुटबॉल का विकास होगा। इसी कड़ी में जिंक फुटबॉल अकादमी का प्रारंभ होना भी सकारात्मक कदम है।

इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए एशियाई कप के क्वालिफाई किया था।

स्वीटी ने कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तानी करने का अवसर मिला। मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी और अपने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए प्रयास करूंगी। मुझे भरोसा है कि हमारी टीम में इस प्रकार की क्षमता है हालांकि इसके लिए हमें कठिन प्रयास करने होंगे।

ताजा सर्वे में नीतीश के लिए संकट...लेकिन राजद और कांग्रेस को लेकर संशय

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा भले ही अभी होना बाकी हो, लेकिन प्रदेश का राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। विभिन्न सर्वे एजेंसियां लगातार मतदाताओं का मूड जानने की कोशिश में जुटी हैं। इसी क्रम में एक ताजा सर्वे कई चौंकाने वाले नतीजे सामने आए है। 3 से 10 सितंबर के बीच हुए सर्वे में कुल 5635 सैंपल शामिल किए गए। यह सर्वे इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसके ठीक पहले राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा बिहार के 22 से अधिक जिलों में संपन्न हुई थी, इसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव भी उनके साथ शामिल रहे।

सर्वे में शामिल सैंपल के सामाजिक और भौगोलिक आधार पर पुरुषों की

भागीदारी 52 प्रतिशत और महिलाओं की 48 प्रतिशत रही। जातिगत आधार पर 20 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 2 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति, 44 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 16 प्रतिशत सवर्ण हिंदू और 18 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता शामिल रहे। वहीं, भौगोलिक रूप से 30 प्रतिशत शहरी और 70 प्रतिशत ग्रामीण मतदाताओं से बातचीत की गई।

सबसे अहम सवाल यह था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को लेकर जनता का रुझान कैसा है। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में सत्ता विरोधी लहर तेज दिखाई दे रही है। 48 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि वे मौजूदा सरकार से नाराज हैं, जबकि 27.1 प्रतिशत लोग अब भी नीतिश बाबू के साथ हैं। लगभग 20.6 प्रतिशत मतदाता तटस्थ रहे और 4.3 प्रतिशत ने कोई स्पष्ट राय नहीं दी। शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में 48 प्रतिशत लोगों ने सरकार के खिलाफ राय दी, जबकि समर्थन में शहरी क्षेत्र से 31 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों से 25 प्रतिशत लोग सामने आए। तटस्थ रहने वालों की संख्या शहरी क्षेत्र में 17 प्रतिशत और ग्रामीण इलाके में 22 प्रतिशत रही। पुरुष और महिलाएं, दोनों ही वर्गों में 48 प्रतिशत लोगों ने एंटी-इंकंबेंसी की भावना जाहिर की। वहीं, 29 प्रतिशत पुरुष और 25 प्रतिशत महिलाएं नीतश सरकार के पक्ष में खड़ी नज़र आईं।

राजनैतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह सर्वे नीतीश की राजनीतिक स्थिति को चुनौती देता है। लंबे समय से बिहार की राजनीति का केंद्र रहे नीतीश अब जनता की नजरों में कमजोर पड़ते दिख रहे हैं। खासकर युवा, महिलाएं और ग्रामीण मतदाता बदलाव की तलाश में दिख रहे हैं। हालांकि सर्वे यह स्पष्ट नहीं करता कि कांग्रेस और राजद को सीधा लाभ मिलेगा या नहीं, लेकिन सत्ता विरोधी रुझान यह संकेत दे रहा है कि बिहार की राजनीति में इस बार मुकाबला दिलचस्प होने वाला है।

न्हावा शेवा बंदरगाह पर पाकिस्तानी सामान की जब्ती

मुंबई । राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने नवी मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर एक बड़ी कार्रवाई कर करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य का पाकिस्तानी सामान जब्त किया है। जब्त किए गए 28 कंटेनरों में छुपाए गए करीब 800 टन सौंदर्य प्रसाधन और खजूर था। यह खेप असल में पाकिस्तान की थी, लेकिन खेप को दुबई के जेबेल अली बंदरगाह के रास्ते भारत लाया गया और दस्तावेजों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का बताया गया था। इस कार्रवाई को ऑपरेशन दीप मैनिफेस्ट के तहत अंजाम दिया गया, जो तस्करी के खिलाफ डीआरआई की एक विशेष मुहिम है। इस मामले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों का मानना है कि इस नेटवर्क के पीछे और बड़े कारोबारी या सिंडिकेट शामिल हो सकते हैं, जिनकी जांच जारी है। तस्करों ने जानबूझकर सामान को तीसरे देश का बताकर भारत में लाने की कोशिश की थी ताकि वे प्रतिबंधित मार्गों से बच सकें।

जीएसटी दरों में कटौती सही, सरकार ने बहुत देर से उठाया यह कदम

नई दिल्ली। भारत के पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने जीएसटी दरों में हुई कटौती पर केंद्र सरकार को घेरा है। एक समाचार पत्र में छपे लेख में चिदंबरम ने कहा कि आखिरकार सरकार ने वही माना जो उन्होंने आठ साल पहले संसद में उठाया था कि जीएसटी दर 18 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस फैसले को सही लेकिन बहुत देर से उठाया गया कदम बताया।

चिदंबरम ने याद दिलाया कि जब 2016 में संविधान संशोधन बिल पर संसद में चर्चा हुई थी, तब उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि जीएसटी एक अप्रत्यक्ष कर है, जो अमीर और गरीब दोनों पर समान रूप से लागू होता है। ऐसे में इसे 18 फीसदी से ऊपर रखना अन्यायपूर्ण होगा। उन्होंने चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि उभरते बाजारों में जीएसटी की औसत दर 14.1फीसदी है और विकसित देशों में करीब 16.8फीसदी। यही कारण है कि

कांग्रेस ने 18फीसदी की दर का सुझाव दिया था।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र ने उस समय यह तर्क दिया था कि कम दरें रखने से राज्यों को भारी नुकसान होगा, लेकिन हकीकत यह है कि सरकार ने ऊंची दरों के जरिए उपभोक्ताओं से हर संभव पैसा वसूल किया है। उन्होंने आंकड़े दिए कि 2017-18 में जीएसटी से करीब 11 लाख करोड़ रुपए वसूले गए, जबकि 2024-25 में यह राशि बढ़कर 22 लाख करोड़ तक पहुंच गई।

चिदंबरम ने लेख में लिखा कि यह बोझ लोगों की जेब पर पड़ा, खपत घटी और घरेलू कर्ज बढ़ा। यही वजह थी कि जीएसटी को आम लोगों ने गब्बर सिंह टैक्स नाम से पुकारा। चिदंबरम ने सवाल उठाया कि अगर आज टूथपेस्ट, हेयर ऑयल, घी, बच्चों के नैपकिन, पेंसिल-कॉपी, ट्रैक्टर और स्प्रिंकलर जैसी रोज़मर्रा की चीजों पर 5फीसदी दर लगाना सही है, तो पिछले आठ सालों तक लोगों से ज्यादा वसूली क्यों की गई। उन्होंने कहा कि ऊंचे टैक्स स्लैब ने खपत को दबाया और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि दरों में कटौती अच्छी शुरुआत है लेकिन काम यहीं खत्म नहीं होता। उन्होंने सरकार को छह बड़े कदम उठाने की सलाह दी- जिनमें भारत को एक सिंगल जीएसटी रेट की दिशा में बढ़ना चाहिए। कानून की जटिल भाषा को खत्म कर इसे आसान बनाया जाए। फॉर्म और रिटर्न की प्रक्रिया सरल हो और फाइलिंग की संख्या घटाई जाए। छोटे व्यापारियों और दुकानदारों को सीए की मदद की जरूरत न पड़े। जीएसटी कानूनों को अपराध की श्रेणी से बाहर निकाला जाए और केवल आर्थिक दंड दिया जाए।

दुनिया भर में हिंदी के प्रति बढ़ता सम्मान सभी भारतीयों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय - नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हिंदी दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि दुनिया भर में हिंदी के प्रति बढ़ता सम्मान सभी भारतीयों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। गौरतलब है कि हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1949 की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है जब संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाने पर सहमति दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, आप सभी को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं। हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान और संस्कारों की जीवंत धरोहर है। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि हिंदी के साथ-साथ सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध बनाएं और उन्हें गर्व के साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं।

पीएम मोदी ने कहा, विश्व पटल पर हिंदी का बढ़ता सम्मान हम सबके लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल। सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। नड्डा ने कहा कि हिंदी मात्र एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कारों, जीवन मूल्यों और आदर्शों की संवाहक है। स्वतंत्रता आंदोलन में भी हिंदी ने देश को एक सूत्र में बांधने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि भारत की विविध भाषाओं के साथ मिलकर हिंदी भाषा आगे भी राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाती रहेगी।

सपा विधायक इकबाल महमूद का दावा, आगामी 500 साल तक भारत का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता कोई मुस्लिम

संभल। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ विधायक इकबाल महमूद ने दावा करते हुए कहा है, कि भारत में अगले 500 साल तक कोई मुस्लिम प्रधानमंत्री नहीं बन सकता है। उनके इस बयान को लेकर राजनीति गर्मा गई है और लोग इसे विवादित बयान बता रहे हैं।

एक कार्यक्रम के दौरान सपा विधायक महमूद ने कहा, कि हमने गैर मुस्लिम को ही अपना नेता माना है। मुख्यमंत्री की बात करें तो जम्मू-कश्मीर को छोड़ दें तो सभी राज्यों में गैर मुस्लिम ही मुख्यमंत्री हैं। मुसलमानों को मालूम है कि वो क्या बन सकते हैं, इसलिए वे सोच-समझकर फैसला लेते हैं। इसी के साथ ही सपा विधायक महमूद ने कहा, कि मुसलमानों की प्राथमिकता अपने धर्म, मस्जिद और मदरसे की सुरक्षा है। जो भी पार्टी उनकी इन आवश्यकताओं की रक्षा करती है, मुसलमान उसका साथ देता है। उन्होंने दावा किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए काम किया है, इसलिए मुस्लिम समाज उन्हें वोट देता है। यहां विधायक महमूद ने भाजपा पर निशाना भी साधा और कहा कि बीजेपी मुसलमानों के लिए कुछ नहीं करती और वह केवल 80-20 के बंटवारे की राजनीति करती है। उनका इशारा हिंदू-मुस्लिम वोट बैंक की तरफ था। इस बयान के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। बीजेपी नेता इसे मुसलमानों की वोटबैंक राजनीति बताकर सपा पर हमला कर रहे हैं, जबकि विपक्ष का कहना है कि यह बयान भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति का नतीजा है।

इथेनॉल का 20 फीसदी पेट्रोल में मिश्रण सफल तो डीजल में रहा विफल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ईंधन में इथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था और देशभर में 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल यानी ई20 फ्यूल की आपूर्ति को सफलतापूर्वक लागू कर दिया। यह लक्ष्य 2030 से पहले ही प्राप्त कर लिया है, जो भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इस सफलता के बाद सरकार ने डीजल में भी इथेनॉल मिलाकर वैकल्पिक ईंधन विकसित करने की कोशिश की, जो फिलहाल विफल रही।

इस बात की पुष्टि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की है। उन्होंने बताया कि सरकार ने डीजल में 10 फीसदी इथेनॉल मिलाकर उसे कम प्रदूषणकारी और टिकाऊ बनाने का प्रयोग किया, लेकिन इसके परिणाम उत्साहजनक नहीं आए। उन्होंने कहा कि इस मिश्रण से इंजन की कार्यक्षमता और वाहन प्रदर्शन पर नकारात्मक असर देखा गया, जिसके कारण फिलहाल इस दिशा में काम रोक दिया गया है। गडकरी ने बताया कि अब सरकार डीजल के साथ आइसोब्यूटेनॉल मिलाकर नया ईंधन विकल्प तैयार करने की दिशा में परीक्षण कर रही है। आइसोब्यूटेनॉल, इथेनॉल का ही एक रूपांतरण है, जिसे जैविक स्रोतों से तैयार किया जाता है और जो डीजल के साथ अधिक अनुकूलता दिखा सकता है। यह प्रयोग अभी शुरुआती चरण में है और गडकरी ने साफ कहा है कि इसकी व्यावहारिकता पूरी तरह प्रयोगों के परिणाम पर निर्भर करेगी। उन्होंने इस संबंध में कोई समयसीमा तय नहीं की है।

जानकारी के मुताबिक जहां एक ओर डीजल के विकल्प की खोज जारी है, वहीं पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग के क्षेत्र में भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। अप्रैल 2023 में ई20 पेट्रोल को कुछ चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर लॉन्च किया गया था, जिसके बाद इसे चरणबद्ध तरीके से देशभर में लागू किया गया है। अब अप्रैल 2025 तक ई20 पूरी तरह से पुराने ई10 पेट्रोल की जगह ले चुका है। यह मिश्रण गन्ना, मक्का और चावल जैसे कृषि उत्पादों से तैयार किए गए इथेनॉल से बनाया गया है, जो न केवल देश की जैविक ईंधन उत्पादन क्षमता को दर्शाता है बल्कि किसानों को भी आय के नए स्रोत प्रदान करता है।

बता दें हाल ही में सोशल मीडिया पर ई20 फ्यूल को लेकर आलोचनाएं सामने आईं हैं, जिसमें कहा गया है कि ज्यादा इथेनॉल वाले फ्यूल से पुराने वाहनों की माइलेज पर असर पड़ रहा है और इंजन को नुकसान पहुंच रहा है। इस पर गडकरी ने कहा कि यह एक पेड कैंपेन है, जिसे कुछ खास स्वार्थों के लिए चलाया जा रहा है और इसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है।

आंतकवाद पर मिला भारत को अमेरिका का साथ....सितंबर में आतंकवाद विरोधी बैठक

नई दिल्ली। साल के अंत में नवंबर 2025 में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन क्वाड देशों का सहयोग जारी है। सितंबर में आतंकवाद विरोधी बैठक होनी है। इसमें ड्रोन के गलत इस्तेमाल पर तकनीकी चर्चा और आतंकवाद के लिए नई तकनीकों के इस्तेमाल को रोकने पर सेमिनार होगा।

भारत ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के बयान पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्वाड नेताओं की बैठक और ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के रणनीतिक समूह को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

23-24 सितंबर को एनएसजी मानेसर में ड्रोन के गलत इस्तेमाल पर तकनीकी चर्चा होगी। एनएसजी इसका आयोजन करेगा। इस अभ्यास में ड्रोन की पहचान, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, विषय विशेषज्ञ का आदान-प्रदान और ड्रोन के आतंकवादी उपयोग का मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की नीतियों पर विचार होगा। भारत के लिए महत्वपूर्ण है कि आतंकवाद क्वाड की प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। जुलाई में वाशिंगटन में विदेश मंत्रियों की बैठक में 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई थी। भारत चाहता था कि हमले के बाद तेजी से प्रतिक्रिया हो। लेकिन अंततः कड़ी निंदा की गई और कहा गया कि इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों और फाइनेंसरों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

26 सितंबर को एनआईए आतंकवादियों द्वारा नई तकनीक के इस्तेमाल पर क्वाड सेमिनार की मेजबानी करेगा। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह एआई, ब्लॉकचेन, क्रिप्टोकरेंसी, डीपफेक तकनीक, एन्क्रिप्टेड चैट प्लेटफॉर्म और मेटावर्स जैसी नई तकनीकों के आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल से उत्पन्न खतरे को संबोधित करेगा। सूत्र ने कहा, इसका उद्देश्य खुफिया जानकारी साझा करने, क्षमता निर्माण और संस्थानों और अनुसंधान संगठनों को आतंकवादियों द्वारा दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा उपायों को विकसित करने के लिए शामिल करके इन खतरों के खिलाफ जवाबी उपायों को मजबूत करना है।

गले में तख्ती डालकर थाने पहुंचा आरोपी...आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा

कानपुर। कानपुर में 11वीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़खानी और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। कोचिंग जा रही छात्रा को आरोपी यश कुमार ने रोका और विरोध करने पर मारपीट की। आरोपी ने छात्रा को तीन थप्पड़ मारे और उसके चेहरे पर थूका। आरोपी ने बलपूर्वक छात्रा को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की। छात्रा के साथियों के आने पर आरोपी धमकी देकर भाग गया। जब पीड़िता की मां ने थाने में शिकायत की और कार्रवाई नहीं हुई, तब वे संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार के पास गईं। उनके निर्देश पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सख्ती देखकर आरोपी यश कुमार एक तख्ती गले में डालकर थाने पहुंचा, जिस पर लिखा था, मुझे माफ कर दीजिए, आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा। पीड़िता की मां के अनुसार, आरोपी कई दिनों से उनकी बेटी का पीछा कर रहा था। घटना 8 सितंबर की है, जब आरोपी अपने 8-10 दोस्तों के साथ आया और छात्रा का रास्ता रोककर उसका हाथ पकड़ा। जब छात्रा ने विरोध किया तो उसे मारा-पीटा गया और उसके चेहरे पर थूका गया।

यूनियन बैंक मैनेजर समेत 4 गिरफ्तार

लखनऊ। एसटीएफ उत्तर प्रदेश ने साइबर फ्रॉड में लिप्त यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच मैनेजर सहित चार सदस्यों के गैंग को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लखनऊ समेत कई जगह कूटरचित दस्तावेजों और बैंक कर्मचारियों की आईडी हैक करके मुद्रा लोन और ऑटो लोन पास कराकर करोड़ों रुपये हड़प चुका था। गिरफ्तार आरोपियों में मास्टरमाइंड गौरव सिंह, नावेद हसन, अखिलेश तिवारी और इंद्रजीत सिंह शामिल हैं। आरोपियों ने मिलकर दर्जनों फर्जी फर्म बनाई और उन्हीं के खातों में लोन का पैसा ट्रांसफर कराते थे।

भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा डिफेंस सौदा करने जा रहा रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत फ्रांस के साथ बहुत जल्द 114 राफेल फाइटर जेट के लिए अभूतपूर्व डील कर सकता है। इस डील का मकसद भारतीय वायुसेना के घटते लड़ाकू स्क्वाड्रन की कमी को पूरा करना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन ने डील की अनुमानित लागत करीब 22 अरब डॉलर आंकी है। डील को मेक इन इंडिया के तहत किया जाएगा, जिसमें 60 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी उत्पादन शामिल है। अगर इस मेगा डील को रक्षा मंत्रालय से आखिरी मुहर लगती है, तब ये भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा डिफेंस सौदा होगा। लेकिन इसके साथ ही राफेल फाइटर जेट दुनिया का सबसे महंगा लड़ाकू विमान बन जाएगा। वायुसेना ने राफेल खरीदने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेजा है और अगर सौदा तय होता है, तब प्रति यूनिट राफेल फाइटर जेट की अनुमानित कीमत करीब 193 मिलियन डॉलर होगी। सौदे में सिर्फ विमानों की कीमत ही शामिल नहीं है, बल्कि प्रोडक्शन प्लांट बनाना, राफेल में लगने वाली मिसाइलें, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, ट्रेनिंग प्रोग्राम, मेंटेनेंस इंफ्रास्ट्रक्चर और लंबे समय के लिए लॉजिस्टिक्स सपोर्ट भी शामिल रहेगा है। इसके बाद अगर यह सौदा अंतिम रूप लेता है, तब यह न सिर्फ भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा सौदा होगा। राफेल फाइटर जेट की कीमत को लेकर भारत में गंभीर सवाल उठने लगे हैं। भारत ने जब पहली बार राफेल फाइटर जेट खरीदा था, तब इसकी कीमत को लेकर कई महीनों तक बवाल होता रहा था। राफेल फाइटर जेट की जब इस कैटेगिरी में आने वाले दुनिया के बाकी एडवांस लड़ाकू विमानों से तुलना की जाती है, तब राफेल काफी ज्यादा महंगा साबित होता है। लेकिन रक्षा जानकारों का मानना है कि मेक इन इंडिया के तहत प्रोडक्शन, लंबे समय तक सपोर्ट पैकेज और डसॉल्ट की अत्याधुनिक एवियोनिक्स सिस्टम कीमत को सही ठहराती है। राफेल की कीमत को लेकर बहस होना स्वाभाविक है, क्योंकि 114 राफेल की अनुमानित कीमत करीब 22 अरब डॉलर है। फिर भी रक्षा जानकार डील को जल्द फाइनल करने की मांग कर रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह भारतीय वायुसेना के बेड़े में लगातार कम होते लड़ाकू विमान हैं। भारतीय वायुसेना के पास मौजूदा समय में सिर्फ 31 स्क्वॉड्रन हैं, जबकि जरूरत 42 स्क्वॉड्रन की है। इससे न सिर्फ वायुसेना की ऑपरेशनल क्षमता प्रभावित हो रही है, बल्कि चीन और पाकिस्तान के खिलाफ टू फ्रंट युद्ध के दौरान हम मुश्किल में फंस सकते हैं।

भले ही गुजरात हिंदी भाषी राज्य नहीं है, फिर भी गुजरात ने हिंदी को अपनाया

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन एक नया दृष्टिकोण, ऊर्जा और प्रेरणा लेकर आता है। उन्होंने देशभर से आए राजभाषा और भारतीय भाषाओं के विद्वानों का स्वागत किया। पहले यह सम्मेलन हमेशा दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता था, लेकिन पिछले पाँच सालों से इस सम्मेलन को देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। इस बदलाव से राजभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच आपसी संवाद और आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भले ही गुजरात एक हिंदी भाषी राज्य नहीं है, फिर भी यहाँ हिंदी को हमेशा से अपनाया गया है। उन्होंने दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान हस्तियों का उल्लेख किया, जिन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गृह मंत्रालय ने सारथी नाम की एक अनुवाद प्रणाली विकसित की है। इस प्रणाली की मदद से हिंदी से भारत की सभी भाषाओं में आसानी से अनुवाद किया जा सकता है। शाह ने घोषणा की कि अब कोई भी सरकार अपनी भाषा में गृह मंत्रालय को पत्र लिख सकती है और मंत्रालय उसी भाषा में जवाब देगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी इस मौके पर सभी का स्वागत किया। उन्होंने डिजिटल हिंदी शब्दकोश सिंधु का उल्लेख किया, जिसमें 7 लाख से अधिक शब्द शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह राजभाषा विभाग द्वारा अमित शाह के मार्गदर्शन में किया गया एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में इनामी नक्सली मुखदेव मारा गया

पलामू। झारखंड के पलामू जिले के मनातू जंगल में रविवार को सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीएसपीसी के बीच मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली मुखदेव यादव मारा गया। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों ने 10 लाख के इनामी कमांडर शशिकांत को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोबरा, झारखंड जगुआर और अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम जब कॉम्बिंग कर रही थी, तभी नक्सलियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मुखदेव यादव मारा गया। मुखदेव पर कई गंभीर मामले दर्ज थे और वह तीन सितंबर को पलामू में हुई मुठभेड़ में भी शामिल था, जिसमें पुलिस के दो जवान शहीद हो गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार का अभियान अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है, जिसमें 200 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी शामिल थे।

जानकारी के मुताबिक शशिकांत के दस्ते में 8 से 10 सदस्य होने की जानकारी मिली है, जिनमें मुखदेव और एक अन्य इनामी नक्सली नगीना भी शामिल था। इसके पहले 7 सितंबर को पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बुर्जुवा पहाड़ी पर मुठभेड़ में पुलिस और सुरक्षा बलों ने दस लाख के इनामी नक्सली अमित हांसदा उर्फ अपटन को ढेर कर दिया था। बोकारो जिले के ढोढी गांव का रहने वाला अमित 96 नक्सली वारदातों में वांटेड था।

झारखंड पुलिस के मुताबिक राज्य में हर महीने औसतन तीन नक्सली मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं। पुलिस का अनुमान है कि फिलहाल राज्य में 100 से 150 नक्सली सक्रिय हैं। फिलहाल 58 नक्सली इनामी सूची में हैं, जिन पर कुल 5 करोड़ 46 लाख रुपए का इनाम है। झारखंड पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में भाकपा माओवादी के 13 बड़े नक्सली हैं, जिनमें मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी और असीम मंडल पर एक-एक करोड़ का इनाम है। इनके अलावा, अनमोल, मोछु, अजय महतो, अगेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहरा, चंदन लोहरा, जयकांत और रापा मुंडा भी सूची में शामिल हैं।

इस साल नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ी मुठभेड़ 21 अप्रैल को हुई थी, जब बोकारो जिले के लुगु पहाड़ पर एक करोड़ के इनामी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक समेत आठ माओवादी मारे गए थे। झारखंड पुलिस और केंद्रीय बल मार्च 2026 तक राज्य को नक्सल मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत अभियान चला रहे हैं।

मोहगांव में बिसेन दंपत्ति की निर्मम हत्या

पुलिस जांच में जुटी, सवाल कौन है हत्यारे, घर में कैसे की एंट्री

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र से दिल दहला देने वाली डबल मर्डर की वारदात सामने आई है. यहां के ग्राम मोहगांव में प्रतिष्ठित बिसेन परिवार से ताल्लुक रखने वाले बिसेन दंपत्ति की लाश उन्हीं के घर पर बेडरूम में लहूलुहान हालत में बरामद की गई है. प्रथम दृष्टया अज्ञात आरोपियों के द्वारा निर्मम हत्या करने का अनुमान लगाया गया है. इस पूरी वारदात को अंजाम देने में 2 से अधिक लोगों के शामिल होने का प्रारंभिक अनुमान है. शनिवार-रविवार की दरमियानी रात्रि अज्ञात हत्यारों ने हेमेन्द्र बिसेन (47 वर्ष) और धर्मपत्नी योगिता बिसेन (47)5 वर्ष) की अज्ञात आरोपियों ने धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी है. रविवार की सुबह करीब साढ़े 08 बजे हेमेन्द्र बिसेन के सभी तीन भाईयों और भाभियों को घटना के बारे में पता चला. जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी. इस वीभत्स घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया है. एसडीओपी विवेक शर्मा और थाना प्रभारी धमेन्द्र कुशराम की मौजूदगी में एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से भौतिक साक्ष्य एकत्रित किए है. फिलहाल बिसेन दंपत्ति की हत्या के पीछे कारणों की अभी कोई ठोस पुष्टि नहीं हो पाई है. जन चर्चा के अनुसार लूट की वारदात को अंजाम देने की मंशा से घर में घुसने वाले आरोपियों ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया लेकिन यह कहना भी जल्दबाजी ही होगी क्योंकि घर के किसी भी हिस्से में दरवाजों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. बहरहाल, पुलिस जांच में जुटी हुई है और पुलिस जांच के बाद ही आरोपियों का पता चलेगा. बिसेन दंपत्ति की हत्या करने वाले हत्यारे कौन है और संयुक्त परिवार के लिए बने घर में उनकी एंट्री कैसे हुई यह बड़ा सवाल है। मिली जानकारी अनुसार परिवार में सबसे छोटे हेमेन्द्र बिसेन हार्डवेयर का व्यापार करते थे. पड़ोस के ही नांदी गांव में उनकी हार्डवेयर की दुकान है और अपने तीन बड़े भाई ईश्वरी प्रसाद बिसेन, करण बिसेन और शैलेन्द्र बिसेन के साथ एक ही परिसर में बने मकान में निवास करते थे. शनिवार की रात्रि को सभी ने साथ में भोजन किया और करीब 12 बजे तक टीवी देखने के बाद सभी अपने-अपने कमरों में सोने के लिए चले गए. हेमेन्द्र का पुत्र भी अलग कमरे में सोने के लिए चले गया. रविवार की सुबह करीब साढ़े 08 बजे जब हेमेन्द्र और उनकी धर्मपत्नी नहीं जागी तो करण बिसेन की पत्नी अपने देवर और बहू को जगाने के लिए उनके कमरे की तरफ गई. जहां बहू योगिता बिसेन बिस्तर पर और देवर नीचे जमीन पर खून से लथपथ मृत अवस्था में थे. उन्होंने तत्काल अपनी पति को यह जानकारी दी और फिर सभी भाई एकत्रित हुए. करण बिसेन अपने साथियों को बताते है कि हेमेन्द्र का बेटा जो कक्षा नवमीं में पढ़ाई करता है वह प्रतिदिन उसी के साथ नाश्ता करने के बाद दुकान के लिए जाते थे आज भी नाश्ता बनकर तैयार होने पर उन्होंने अपनी पत्नी को बेटे को बुलाकर लाने कहा लेकिन पत्नी ने रविवार है सोने दीजिए यह बोलकर बात को समाप्त किया और देवरानी और देवर क्यों नहीं उठे यह देखने गई तो कमरे में लाश पड़ी थी. हत्या को अंजाम देने वाले आरोपियों ने हेमेन्द्र के सिर पर किसी धारदार हथियार से हमला किया जबकि उनकी पत्नी से भी मारपीट कर हत्या कर दी गई। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में हुई इस वारदात ने सभी को अचरज में डाल दिया है. क्योंकि बिसेन परिवार के प्रत्येक सदस्य का व्यवहार बेहद ही संतोषजनक है. आपस में सभी भाईयों के बीच घनिष्ट प्रेम भी है. इस घटना के बाद पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत जैसे नेता भी घटनास्थल पहुंचे. विधायक गौरव सिंह पारधी ने घटना पर शोक व्यक्त किया है. बिसेन परिवार को जानने वाले हर शख्स ने घटना पर दुख व्यक्त किया और सभी की इच्छा है पुलिस इस मामले में गंभीरता से जांच करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी करें. पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर हर बिंदु पर जांच की है, ताकि हत्यारे को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके. रविवार की शाम करीब साढ़े 04 बजे दोनों ही पति-पत्नि के शवों को पीएम किया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया है. सोमवार को अंतिम संस्कार किया जाना है. बता दें कि सरकारी अस्पताल में महिला चिकित्सक नहीं होने की वजह से करीब 02 घंटे तक डेड बॉडी को वाहन में ही रखा गया और बालाघाट से महिला चिकित्सक आने के बाद शव का पीएम हो पाया।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

सार्वजनिक सूचना

सभी संबंधितों और आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम कोहका, डाकघर कोहका तहसील बैहर, जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश 481111 में स्थित महावन नाम और शैली की संपत्ति, डॉ. ललित एम. नाथ और डॉ. लतिका सलमीरा नाथ के स्वामित्व में है।

अधोहस्ताक्षरी स्वामियों के संज्ञान में आया है कि मेसर्स हिडन इंडिया एक्सपीरियंसेज प्राइवेट लिमिटेड कुछ समय से अपने कार्यों के लिए महावन नाम और पते का उपयोग कर रहा है।

जनता को एतद्‌वारा आगाह किया जाता है कि मेसर्स हिडन इंडिया एक्सपीरियंसेज प्राइवेट लिमिटेड का उपरोक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा या स्वामित्व नहीं है और उक्त संपत्ति के संबंध में हिडन इंडिया एक्सपीरियंसेज प्राइवेट लिमिटेड का कोई भी प्रतिनिधित्व, दावा या संबद्धता झूठा, भ्रामक और बिना अधिकार के है।

जनता को यह भी चेतावनी दी जाती है कि इस पते, महावन, गांव कोहका, पोस्ट ऑफिस कोहका, तहसील बैहर, जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश 481111 पर मेसर्स हिडन इंडिया एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में या उसके खिलाफ कोई भी नोटिस, पत्राचार या संचार की सेवा अवैध मानी जाएगी और नीचे हस्ताक्षर करने वाले मालिकों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

डॉ. ललित एम. नाथ
और
डॉ. लतिका सलमीरा नाथ
मालिकों

तारीख 15.09.2025
स्थान बालाघाट, मध्य प्रदेश

सर्पदंश से किसान की हालत बिगड़ी,जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बरसाती सीजन में सर्पदंश की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है।जहां पूरे जिले से लगातार सामने आ रहे सर्पदंश के मामलों के बीच खेतों में साफ सफाई करने गए एक किसान को अज्ञात सांप ने काटकर अस्वस्थ कर दिया।जिसकी तबीयत खराब होने पर उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।सर्पदंश का शिकार हुए किसान का नाम ग्रामीण थाना नवेगांव ग्राम बगदरा निवासी 52 वर्षीय राजकुमार पिता चैनलाल लिल्हारे बताया गया है।जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

त्रिपाल निकालते समय अज्ञात सांप ने काटा

प्राप्त जानकारी के अनुसार बगदरा निवासी राजकुमार लिल्हारे किसान है।जो खेती-बाड़ी का काम करता है। जो रोजाना की तरह रविवार को भी खेत गया था। जहां पर वह साफ सफाई का काम कर रहा था साफ सफाई करने के दौरान शाम करीब 5 बजे वह अपने खेत के मकान में रखी त्रिपाल को बैठने के लिए निकाल रहा था ।उसी दरमियान किसी अज्ञात का सांप ने उसके दाहिने हाथ की उंगली में काट लिया। जिसकी जानकारी उसने अपने साथ काम कर रहे दोस्त अखिलेश लिल्हारे को दी। वही अखिलेश लिल्हारे ने परिजनों को मामले से अवगत कराया ।तो वही तबीयत खराब होने पर राजकुमार को मोटरसाइकिल से उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

आवश्यकता है

डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है

संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट